नई दिल्ली
गुरुवार 10 सितंबर 2026
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष, अमावस्या वर्ष : 30, अंक : 143
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 32.0°C
न्यून. 25.0°C

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

11 विमेंस एशिया कप सेमीफाइनल : आज बांग्लादेश से भिड़ेंगी टीम इंडिया

1987 से लेकर 1990 तक श्रीलंका में चला यह अभियान, 1200 जवानों ने गंवाई अपनी जान, 3500 से ज्यादा हुए थे घायल

भारत के पहले रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ ने कोलंबो में दी 'ऑपरेशन पवन' के शहीदों को 'श्रद्धांजलि'

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

भारत और श्रीलंका के संबंधों में बुधवार का दिन इतिहास के स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि बीते करीब 40 वर्षों में पहली बार भारत के पहले रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह ने कोलंबो में स्थित भारतीय शांति सेना (आईपीकेएफ) के स्मारक पर जाकर 'ऑपरेशन पवन' में शामिल शहीदों को आधिकारिक रूप से श्रद्धांजलि अर्पित की है। यहां इस तथ्य का जिक्र करना कुछ यूं भी जरूरी हो जाता है। क्योंकि वर्ष 1987 से लेकर 1990 तक इस द्वीपीय देश की धरती पर खासकर जाफना प्रायद्वीप को लिट्टे (एलटीटीई) के आतंकवादियों के कब्जे से मुक्त कराने को लेकर चले इस सैन्य अभियान और उसमें भाग लेने वाले शहीदों की शहादत को उक्त समय अवधि या उसके बाद 2014 से पहले केंद्र की सत्ता पर काबिज रही कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संप्रग सरकारों ने पूरी तरह से भुला दिया था। राजनाथ सिंह बीते मंगलवार से श्रीलंका की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। जिसके तहत सबसे पहले उन्होंने प्रवासी भारतीयों को संबोधित किया था। फिर आईपीकेएफ स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की है।

चिरकाल तक स्मृतियों में रहेगा बलिदान

एक्स पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी देते हुए रक्षा मंत्री ने बताया कि कोलंबो में आईपीकेएफ स्मारक पर जाकर सेना के शांति नायकों को अपनी विनम्र पुष्पांजलि अर्पित की है। जिन्होंने श्रीलंका में कर्तव्य पालन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया था। भारत शहीदों की इस कुर्बानी को हमेशा याद रखेगा। वो हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा ही प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

स्मारक देता जवानों के योगदान की स्थायी गवाही: उन्होंने स्मारक के पास रखी आगंतुक पुस्तिका में अपने संदेश में लिखा, 'मैं आज आईपीकेएफ स्मारक पर आकर भारत के शहीदों को श्रद्धांजलि ▶▶ शेष पेज 5 पर

पूर्व सरकारों की अनदेखी की वजह

यहां बता दें कि ऑपरेशन पवन में आईपीकेएफ के 10 पैरा कमांडों और 13 सिख लाइट इंफ्रेंटी के रणबांकुरों ने जाफना में मोर्चा संभाला था। सैन्य दल को जाफना पर पूरी तरह से कब्जा करने में मात्र एक महीने का समय लगा। लेकिन अभियान के दौरान उसके करीब 1200 सैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी और 3500 से अधिक घायल हुए। ऑपरेशन पवन के अगले साल यानी 1991 में लिट्टे के आतंकियों ने तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी थी। जो कि पूर्व की कांग्रेसनीत सरकारों द्वारा इस अभियान और उससे जुड़े शहीदों के सार्वजनिक सम्मान के प्रति दिखाई गई उदासीनता का एक बड़ा कारण रही है। राजीव गांधी ने ही श्रीलंका में भारतीय शांति सेना की टुकड़ी को उतारने ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एप्पल ने लॉन्च किया पहला फोल्डेबल आईफोन डुओ

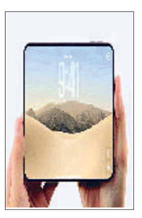

नई दिल्ली। एप्पल ने बुधवार को अपना पहला फोल्डेबल आईफोन आईफोन डुओ लॉन्च कर दिया। इसका डिजाइन सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड 8 जैसा है। कंपनी ने आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स भी पेश किए। भारत में आईफोन 18 प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए, जबकि प्रो मैक्स की कीमत 1,79,900 रुपए रखी गई है। दोनों के शुरुआती मॉडल में 256 जीबी भंडारण मिलेगा। प्री-ऑर्डर शनिवार से शुरू होंगे और बिक्री 18 सितंबर से होगी।

शेयर बाजार: निवेशकों के 3.47 लाख करोड़ स्वाह

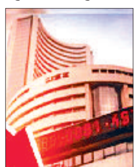

मुंबई। शेयर बाजार में बुधवार की गिरावट से निवेशकों को करीब 3,46,945 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण मंगलवार के 4,87,64,321 करोड़ रुपए से घटकर 4,84,17,376 करोड़ रुपए रह गया। सेंसेक्स दिनभर गिरावट में रहा और अंत में 813 अंक टूटकर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,500 के नीचे फिसल गया। निफ्टी इस साल 26,400 के उच्च स्तर पर पहुंचा था।

रेलवे के सातों हाई डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-लाइन

कैबिनेट ने 21 हजार करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को दी मंजूरी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में रेलवे नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने के लिए कुल आठ मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 10,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली तीन परियोजनाएं तथा तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना में 10,021 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली पांच परियोजनाएं शामिल हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई दिल्ली में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पहली तीन परियोजनाओं से संबंधित राज्यों के 14 जिलों में रेलवे नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। इन परियोजनाओं में खड़गपुर-ज्हारसुगुड़ा चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं से रेलवे की लाइन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे ट्रेनों की आवाजाही बेहतर होगी, परिचालन दक्षता बढ़ेगी और सेवाओं की ▶▶ शेष पेज 5 पर

अश्विनी वैष्णव

कटनी से बिलासपुर तक अब 4 लेन होगा रेलवे ट्रैक कनेक्टिविटी बढ़ेगी और माल ढुलाई हो जाएगी सस्ती

केंद्रीय कैबिनेट ने देशभर के सबसे व्यस्त 7 रेल नेटवर्क को चार लेन में बदलने की मंजूरी दे दी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका ऐलान किया है। बताया जा रहा है कि रेलवे जब चार लेन में बदल जाएगी, तो इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी और माल ढुलाई में बड़ी मदद मिलेगी। इसके अलावा रोड की तुलना में रेलवे से माल ढोना सस्ता भी पड़ेगा। अब इन 7 नेटवर्क के पूरे तरह से विकसित होने के बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को भी बड़ा फायदा होने की उम्मीद है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगर हम बिलासपुर से शुरू ▶▶ शेष पेज 5 पर

मप्र को सौगात देने के लिए सीएम ने पीएम मोदी का माना आभार

भोपाल। पीएम मोदी कैबिनेट द्वारा मध्यप्रदेश को मिली इस महत्वपूर्ण सौगात के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पीएम मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। सीएम ने एक्स पर कहा कि करीब 10,783 करोड़ रुपए की इन परियोजनाओं से लगभग 656 किमी रेल नेटवर्क का विस्तार होगा। इससे लगभग 4,790 गांवों और 56 लाख से अधिक आबादी को बेहतर रेल कनेक्टिविटी का सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ▶▶ शेष पेज 5 पर

तारिक रहमान ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होंगे या नहीं, बांग्लादेशी विदेश मंत्री ने सवाल पर साधी चुप्पी

भारतीय मीडिया की तरफ से बांग्लादेश के विदेश मंत्री से पूछा गया था यह प्रश्न

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

देश की राष्ट्रीय राजधानी 12 से 13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को लेकर पूरी तरह से तैयार नजर आ रही है। जल्द ही सिलसिलेवार ढंग से समूह में शामिल दुनिया के विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों और प्रतिनिधियों के इसमें शामिल होने की कवायद शुरू हो जाएगी। लेकिन इन सबसे ठीक पहले भारत के निकट पड़ोसी देश बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की ब्रिक्स सम्मेलन में भागीदारी को लेकर छाए शंकाओं के बादल छंटने का नाम नहीं ले रहे हैं। जब इस संबंध में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से भारतीय मीडिया ने एक सवाल पूछा तो उन्होंने न तो कोई जवाब दिया। बल्कि यह भी कहा कि बतौर विदेश मंत्री वह इस मामले पर अलग से बात करेंगे।

यूएनजीए के अध्यक्ष बने रहमान: दरअसल यह पूरा मामला बीते मंगलवार देर रात उस वक्त का है। जब बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यभार संभाला और फिर मीडिया से मुखातिब हुए। जहां पर भारत की एक पत्रकार ने उनसे ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर उक्त सवाल पूछा था। जिसका कोई जवाब दिए बिना रहमान ने सिर्फ यही कहा कि वह यहां पर किसी राष्ट्र की हैसियत से नहीं बल्कि यूएनजीए के अध्यक्ष के रूप में बात कर रहे हैं। इसलिए मैं आपसे गुजारिश करूंगा कि आप मुझसे महासभा के अध्यक्ष के तौर पर ही सवाल पूछें या संपर्क करें। हालांकि मैं बांग्लादेश का विदेश मंत्री भी हूं। इसलिए अगर भारत और बांग्लादेश से जुड़ा कोई द्विपक्षीय मुद्दा भी है तो उस पर आप मुझसे अलग से बात करें। यहां बता दें कि भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री ▶▶ शेष पेज 5 पर

5 राज्यों के चुनाव जमकर बरसा धन

भाजपा की तिजोरी में कांग्रेस से 7 गुना ज्यादा चंदा जमा

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

भाजपा को पिछले पांच राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान अपने केंद्रीय मुख्यालय में लगभग 1,473 करोड़ रुपए चुनाव लड़ने के लिए मिले, जो कांग्रेस द्वारा रिपोर्ट किए गए 207 करोड़ रुपए की शुद्ध प्राप्तियों से सात गुना अधिक हैं। यह जानकारी चुनाव आयोग में दाखिल किए गए व्यय विवरणों में दी गई है। कांग्रेस असम, बंगाल, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए संकलित व्यय रिपोर्ट में मार्च 15 से मई छह के चुनावी अवधि के दौरान 207.17 करोड़ रुपए की शुद्ध प्राप्तियों और 248.55 करोड़ रुपए के व्यय की जानकारी पहले ही दे चुकी है। भाजपा का 1,472.8 करोड़ रुपये का आंकड़ा इसके व्यय विवरणों के ▶▶ शेष पेज 5 पर

सऊदी अरब पर जारी हूती विद्रोहियों के हमलों की भारत ने की कड़ी निंदा

बोले जायसवाल, बाब-अल-मंदेब में नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरा पैदा करने वाले ऐसे हमले अस्वीकार्य हैं

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया सहित खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के बीच हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब पर किए जा रहे हमलों को लेकर बुधवार को भारत ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। जिसमें मीडिया द्वारा पूछे गए प्रश्नों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि नई दिल्ली सऊदी-अरब की संप्रभु जमीन पर हुए हमलों की कड़ी निंदा करती है। जिसमें खासतौर पर नागरिक और आर्थिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय सुरक्षा व स्थिरता को कमजोर करने वाले और एक ▶▶ शेष पेज 5 पर

नोएडा के मजिस्ट्रेट पर भड़के सीजेआई, कहा

कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की?

आदेश के बावजूद कार्रवाई पर जताई नाराजगी, मामले में जिला मजिस्ट्रेट से जवाब मांगेंगे

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने जंतर मंतर में छात्र प्रदर्शन से जुड़े मामले में नोएडा के कार्यकारी मजिस्ट्रेट को कड़ी फटकार लगाई। बुधवार को सुनवाई के दौरान उन्होंने कहा कि जब सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर दी हैं और भविष्य में छात्रों के खिलाफ जबरन कार्रवाई पर रोक लगाई है, तो कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की। कोई भी मजिस्ट्रेट सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकता। दरअसल, 4 सितंबर को नोएडा के कमिश्नरेट के थर्ड एजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट आरके सिसोदिया ने दिल्ली में सीजेपी प्रदर्शन में शामिल छात्र था। इसमें पांच लाख रुपए का निजी बॉन्ड और इतनी ही राशि के दो जमानतदार ▶▶ शेष पेज 5 पर

सूर्यकांत

एनआईए की चार्जशीट में उमर नबी को लेकर बड़ा खुलासा

आत्मघाती हमला था लाल किले के पास हुआ धमाका, आरोपी कार में ही था मौजूद

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर 2025 को हुए धमाके की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानी एनआईए ने बड़ा खुलासा किया है। एनआईए की चार्जशीट के मुताबिक लाल किले के पास हुआ यह धमाका आत्मघाती बम विस्फोट था। आरोपी उमर उन नबी धमाके के वक्त कार के अंदर ही मौजूद था। उसी ने कार में लगाए गए आईईडी को एक खास कमांड मैकेनिज्म के जरिए सक्रिय किया था। हालांकि चार्जशीट में लगाए गए आरोपों पर अंतिम फैसला अदालत की सुनवाई और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगा।

लाल किले के पास धमाका फाइल फोटो

गजवा-ए-हिंद के नाम पर हिंसा का समर्थन

जांच एजेंसी के मुताबिक बरामद प्रचार सामग्री में हिंसा को धार्मिक रंग देने की कोशिश भी की गई थी। इसमें गजवा-ए-हिंद के नाम पर हिंसक गतिविधियों को सही ठहराने की बात सामने आई। जेहाद का जायज ठहराया गया था। दस्तावेज में इराक, अफगानिस्तान और अमेरिका में हुए विद्रोही आंदोलनों का भी उल्लेख और कथित तौर पर समर्थन किया गया था। यह सामग्री केवल वैचारिक प्रचार तक सीमित नहीं थी, बल्कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का कार्य किया

पीएम मोदी ने केवल देश का विकास नहीं किया, बल्कि भारत की सोच बदली है और सोचने के स्केल को ऊपर उठाया: नितिन नवीन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने '25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का कार्य किया है। कोविड की फ्री वैक्सीन, फ्री राशन देने का काम प्रधानमंत्री ने किया है। उनका सफर साधारण कार्यकर्ता के रूप में शुरू हुआ और देश के प्रधान सेवक के रूप में जो काम को आगे बढ़ाया वो उनके दृढ़ संकल्प के के चलते हुआ। जब उनको नेतृत्व संभाला तब अर्थव्यवस्था फ्रेजाइल फाइव में थी, आज सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हमारे देश की है।

जनवरी में भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर एक माह तक चलने वाले पार्टी के विशेष "सेवा संकल्प अभियान" ▶▶ शेष पेज 5 पर

राशन उपलब्ध कराया, सामाजिक सुरक्षा योजना से जोड़ा

नवीन ने कहा कि पीएम मोदी 25 करोड़ गरीब परिवारों को गरीबी रेखा से बाहर लाने में सफल रहे, तो यहउनके नेतृत्व और उनकी सोच का परिणाम रहा। 80 करोड़ लोगों को राशन उपलब्ध कराना हो, 100 करोड़ से अधिक लोगों को सामाजिक सुरक्षा योजना से जोड़ना हो या 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण के माध्यम से लोगों के जीवन ▶▶ शेष पेज 5 पर

पीएम ने नक्सलवाद को उसकी जड़ों से समाप्त किया

नवीन ने कहा कि एक समय यह भी था कि इस देश में आतंकवाद के रूप में सामान्य जीवन हमेशा अभिशाप के रूप में मिलता रहा। आम आदमी के मन और मस्तिष्क में आतंकवाद का डर और भय हमेशा रहता था लेकिन उनके नेतृत्व में जहां हमने बाहरी और आंतरिक, दोनों ही सुरक्षाओं के माध्यम से देश के लोगों को सुरक्षित किया, वहीं देश के लोगों का मनोबल ▶▶ शेष पेज 5 पर

होलंबी कला क्षेत्र में नेता सदन ने लोगों को दिलाई स्वच्छता की शपथ

नई दिल्ली। दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के अंतर्गत बुधवार को होलंबी कला क्षेत्र में निगम में नेता सदन ने लोगों को स्वच्छता शपथ दिलाई, इसके साथ ही कई जगह निरीक्षण भी किया। इस मौके पर नेता सदन ने होलंबी कलां वार्ड से अतिक्रमण हटाने के लिए एक विशेष अभियान भी चलाया व पेड़ों की छंटाई के लिए निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेट्रो विहार होलंबी कला की नालियों की सफाई कराने के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर नात सदन के अलावा उत्तरी बाहरी क्षेत्र की अध्यक्ष जनता देवी, स्थानीय पार्षद नेहा मिश्रा, उपायुक्त राघवेंद्र मीणा सहित दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यादव ने मेट्रो विहार के सामुदायिक शौचालयों की स्थिति पर असंतोष जताया एवं अधिकारियों को जीर्णशीर्ण पड़े सामुदायिक शौचालयों को तोड़कर उस जगह का उपयोग और किसी कार्य में करने की योजना बनाने के निर्देश दिये। सड़क किनारे पड़े मलबे को हटवाने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया एवं मेट्रो विहार स्थित पार्क की चारदीवारी ठीक कराने के आदेश दिए। नेता सदन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरंभ की गई एक पेड़ मां के नाम मुहिम के अंतर्गत वृक्षारोपण किया एवं प्रकृति को सहेजने का संदेश दिया।

गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास गन प्वाइंट पर 1.5 करोड़ रुपये लूटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास ऑटो रिक्शा सवार शख्स से गन प्वाइंट पर डेढ़ करोड़ रुपये की कथित लूट का मामला सामने आया है। पुलिस शिकायत पर आगे की जांच में जुटी है। पीड़ित से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता कैश कलेक्शन का कार्य करता है।

पुलिस के अनुसार घटना सात सितंबर को शाम करीब 7:30 बजे की है। शिकायतकर्ता और उसका सहकर्मी चांदनी चौक से सफदरजंग एन्क्लेव जा रहे थे। उन्होंने बताया कि बाइक पर आए तीन अज्ञात व्यक्तियों ने आउटर रिंग रोड पर गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास उनके ऑटो को रोक लिया। आरोपियों में से एक ने उन पर कथित तौर पर पिस्टल तानी और नकदी से भरा बैग छीन आईटीओ की ओर भाग गए। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह चांदनी चौक में कैश कलेक्शन का कार्य करता है और नकदी उसके नियोक्ता की थी। इस संबंध में दरियागंज थाने में आठ सितंबर को केस दर्ज किया गया। पुलिस का कहना है कि लुटेरों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए कई टीम गठित की गई हैं।

तिमारपुर में कारोबारी के घर करोड़ों की चोरी

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर इलाके में एक कारोबारी के घर से करोड़ों रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण तथा नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। वारदात ऐसे वक्त हुई जब कारोबारी अपने परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया गए हुए थे। घर की चाबियां रखने वाले दो घरेलू सहायक संदेह के घेरे में हैं और घटना के बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार घटना का खुलासा रविवार सुबह तब हुआ जब कारोबारी का भतीजा मॉल रोड स्थित घर की पहली मंजिल पर पहुंचा। उसने दरवाजे खुले पाए। कमरों का सामान बिखरा हुआ था और अलमारियां खुली थी। अलमारियों के भीतर रखे नकद रुपये और कीमती सामान गायब थे। इसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया। कारोबारी दो सितंबर को अपने परिवार के साथ ऑस्ट्रेलिया गए थे। उनका छोटा भाई इसी इमारत के दूसरे हिस्से में रहता है। तिमारपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंचीं और अपार्टमेंट तथा आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाले। सूत्रों ने बताया कि शुरुआती जांच में शनिवार रात फ्लैट में दो घरेलू सहायकों अनिल और विक्की की मौजूदगी का पता चला है। दोनों के पास कथित तौर पर घर की चाबियां थीं और संदेह है कि वे परिसर में दाखिल हुए थे। चोरी की इस घटना के बाद से दोनों लापता हैं और पुलिस उन्हें पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

हथियार तस्करी में लिप्त सोनू दरियापुर गैंग का बदमाश पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ अलीगढ़ में अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री भी पकड़ी

बाहरी उत्तरी जिले की एएटीएस टीम ने अंतरराज्यीय अवैध हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुये सोनू दरियापुर गैंग के बदमाश को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। इसकी निशानदेही पर अलीगढ़ में हथियार बनाने वाली यूनिट का भी पता चला, जहां से सात और देसी कट्टे और आठ एमएम कैलिबर के 20 कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार 2 सितंबर को एएटीएस के कॉन्स्टेबल सचिन को सूचना मिली कि सोनू दरियापुर गैंग का सक्रिय सदस्य अनुराग उर्फ हनी (22) दिल्ली में भोरगढ़-नरेला रोड पर शाहपुर गढ़ी के पास अवैध हथियार लेकर आएगा। रेडिंग टीम तैयार की गई। जैन कॉलोनी, बरवाला निवासी हनी को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक कट्टा बरामद हुआ। केस दर्ज कर आगे पूछताछ की गई। हनी ने बताया कि उसने बरामद कट्टा अलीगढ़ में तालास्पर खुर्द से काम करने वाले एक हथियार सप्लायर से हासिल किया था। पुलिस टीम अलीगढ़ गई। अनुराग की निशानदेही पर एक घर में छापा मारा गया, जहां छत पर अवैध हथियार बनाने का गुप्त ठिकाना मिला। हनी पहले भी दो मामलों में शामिल रहा है। फरार हथियार सप्लायर को पकड़ने, अवैध हथियारों के निर्माण, खरीद, ट्रांसपोर्ट और सप्लाई से जुड़े अन्य साथियों की पहचान करने की कोशिशें भी की जा रही हैं, ताकि अंतरराज्यीय अवैध हथियार नेटवर्क की बाकी कड़ियों को तोड़ा जा सके।

दिल्ली हाईकोर्ट ने पत्रकार की मानहानि के मामले में दो महिला वकीलों को समन किया जारी

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को पत्रकार उमर राशिद द्वारा दो महिला वकीलों के खिलाफ दायर मानहानि के मामले में उन्हें समन जारी किया। इन वकीलों ने पत्रकार के खिलाफ सोशल मीडिया पर की पोस्ट में उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने पत्रकार द्वारा दायर मुकदमे के साथ-साथ निषेधाज्ञा का अनुरोध करने वाले अंतरिम आवेदन पर भी नोटिस जारी किया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 24 सितंबर की तारीख तय की है।

मामला दो महिलाओं द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए कुछ गुमनाम पोस्ट से जुड़ा है, जिनमें पत्रकार पर यौन हिंसा और 'जबरन बीफ खिलाने' समेत गंभीर अपराधों के आरोप लगाए गए थे। इन आरोपों के बाद पत्रकार के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में मामला शुरू किया था। हालांकि, पुलिस द्वारा यह निष्कर्ष निकाले जाने के बाद कि जांच आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है, मामला बंद कर दिया गया था।

ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से एक की मौत, चार की हालात गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ ओखला इलाके की घटना

दक्षिण पूर्वी जिले के ओखला फेज-1 में बुधवार को एक कमर्शियल ऑक्सीजन सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हुये हैं। मृतक साइट पर गत तीन सालों से हेल्पर के रूप में कार्य कर रहा था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये एम्स भिजवाया गया है।

पुलिस के अनुसार ओखला फेज-1 के डी-23 में हुए इस हादसे की सूचना सुबह 10 बजकर 43 मिनट पर मिली। पुलिस घटनास्थल 'एसएम ट्रेडर्स' नामक फर्म के गोदाम पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला कि गाजियाबाद से ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर आया वाहन गोदाम के बाहर खड़ा था और सिलेंडर उतारे जा रहे थे। इसी बीच एक सिलेंडर सड़क पर गिर गया और उसमें विस्फोट हो गया। प्रारंभिक जांच में केवल एक सिलेंडर के फटने की बात सामने आई है। हादसे में 'एसएम ट्रेडर्स' में हेल्पर के रूप में कार्यरत मोहित सिंह (35) की मौके पर ही मौत हो गई। वह करीब तीन साल से इस फर्म में काम कर रहा था और जैतपुर में रहता था। वह मूलरूप से वह यूपी के एटा का रहने वाला था। पुलिस ने बताया कि चार अन्य घायलों की पहचान उमेश, अरविंद, मनोज और पंकज के रूप में हुई है। उनका एम्स के ट्रॉमा सेंटर में उपचार चल रहा है। सूचना मिलने के बाद दमकल की पांच गाड़ियां भी मौके पर पहुंची थी। 'एसएम ट्रेडर्स' पिछले करीब एक दो साल से किराये के परिसर में काम कर रही है और स्थानीय स्तर पर औद्योगिक ऑक्सीजन सिलेंडरों की आपूर्ति करती है। परिसर में ऑक्सीजन भरने का कोई संयंत्र नहीं है। ऑक्सीजन से भरे सिलेंडर गाजियाबाद से आते हैं और स्थानीय कारोबारियों तथा उद्योगों, विशेषकर ओखला क्षेत्र में उनकी आपूर्ति की जाती है। पुलिस ने बताया कि रोजाना करीब 70-80 सिलेंडर लाने ले जाने की बात सामने आई है। हालांकि, भंडारण रजिस्टर, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, बिल और अन्य दस्तावेजों से इसकी पुष्टि की जा रही है।

एनडीएमसी सुगंधित फूलों वाले गमलों से सजा रही है प्रमुख चौराहे

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की तैयारियों के चलते नई दिल्ली क्षेत्र को खूबसूरत दिखने के लिए सुगंधित फूलों और हरे भरे पौधे वाले गमलों को प्रमुख चौराहो और गोलचक्करों में लगाना शुरू कर दिया है। गौरतलब है कि हरित सौंदर्यीकरण योजना के तहत एनडीएमसी क्षेत्र में व्यापक बागवानी एवं लैंडस्केपिंग कार्य किए जा रहे हैं। इनमें 15 प्रमुख स्थानों पर पुष्प बोर्ड स्थापित किए जाएंगे, जबकि 9 प्रमुख स्थानों पर पुष्प फव्वारे लगाए जा रहे हैं। वहीं एनडीएमसी की नर्सरियों में तैयार किए गए 15,000 से अधिक गमलेदार पौधों को प्रमुख सड़कों, चौराहों, गोलचक्करों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रदर्शित किया जा रहा है। इस व्यापक हरित सौंदर्यीकरण योजना के क्रियान्वयन की शुरुआत प्रमुख मार्गों के व्यवस्थित सुधार के साथ की गई है। मार्गों की सुंदरता बढ़ाने, मौजूदा रिक्त स्थानों को भरने तथा खाली एवं बंजर हिस्सों को प्रभावी ढंग से हरित आवरण प्रदान करने के लिए झाड़ियों, वृक्षों और सजावटी पौधों का बहु-स्तरीय एवं समन्वित पौधरोपण किया गया। इस समन्वित पौधरोपण से प्रमुख मार्गों के किनारे हरा-भरा, एकरूप एवं आकर्षक हरित परिदृश्य तैयार हुआ है। हेज, झाड़ियों और टोपियरी की नियमित कटाई-छंटाई एवं आकार देने का कार्य किया जा रहा है, ताकि उनका स्वरूप साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित बना रहे तथा पूरे लैंडस्केप की सुंदरता में वृद्धि हो। अधिक बढ़ी हुई शाखाओं को हटाने, अंधेरे स्थानों को साफ करने तथा संकेतक बोर्डों की दृश्यता बेहतर करने के लिए विशेष वृक्ष-छंटाई अभियान भी चलाया जा रहा है। प्रमुख मार्गों के स्वरूप को और बेहतर बनाने के लिए रणनीतिक स्थानों पर सजावटी गमलेदार पौधे प्रदर्शित किए जा रहे हैं।

63 सोशल मीडिया खातों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। आईजीआई एयरपोर्ट का संचालन करने वाली कंपनी डायल ने 63 सोशल मीडिया खातों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। इन खातों के जरिये पिछले सप्ताह हवाईअड्डे पर जलभराव को लेकर भ्रामक सामग्री प्रसारित करने का आरोप है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) की तरफ से बताया गया कि चार सितंबर को भारी बारिश के बाद एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 के आगमन क्षेत्र में कुछ समय के लिए पानी जमा हो गया था। कंपनी ने कहा कि उसने एयरपोर्ट पर बाढ़ और जलभराव दिखाने वाली भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत पोस्ट प्रसारित करने तथा एयरपोर्ट के परिचालन में बाधा आने का झूठा दावा करने वाले 63 सोशल मीडिया खातों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। डायल के अनुसार उनमें से एक पोस्ट में दुबई एयरपोर्ट पर जलभराव का एक पुराना वीडियो दिल्ली एयरपोर्ट का वीडियो बताकर प्रसारित किया गया था।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गणेश शाह** पुत्र राजेंद्र शाह निवासी मकान सं. 82, खसरा नंबर 383, अशोक विहार, लोनी, गाजियाबाद, U.P. ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 142/2016 धारा 288/338/34 भा.दं.सं. थाना रूप नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गणेश शाह** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गणेश शाह** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा **धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता** की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 142/2016 धारा 288/338/34 भा.दं.सं. थाना रूप नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गणेश शाह** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **12.10.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसार: सुश्री राशि रहेजा,
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-13,
(केंद्रीय), कमरा नंबर 33, भूतल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली।

DP/12687/N/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अमित उर्फ काले उर्फ अनिल चौहान, पुत्र श्री किशन निवासी एम-15/16, एम.एस. पार्क, राम नगर, मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 579/2023 धारा 25 आर्म्स एक्ट, थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **अमित उर्फ काले उर्फ अनिल चौहान** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **अमित उर्फ काले उर्फ अनिल चौहान** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 579/2023 धारा 25 आर्म्स एक्ट, थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अमित उर्फ काले उर्फ अनिल चौहान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 12.10.2026 को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुकृति झा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-01, कमरा नं.54, दूसरी मंजिल
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/12743/SHD/2026

मंगोलपुरी में मृतक मतदाता कांता प्रसाद और कामता प्रसाद दो अलग अलग व्यक्तिः सीईओ कार्यालय

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय ने दिल्ली में एसआईआर की ड्राफ्ट मतदाता सूची में जिन 6 मतदाताओं को मृत दिखाया गया है, के बारे में स्पष्टीकरण देते हुए कहा है कि स्थायी रूप से स्थानांतरित अथवा मृत श्रेणी में गलत तरीके से चिह्नित किया गया है, यह सही नहीं है। स्थानीय पूछताछ से पता चला है कि जिस व्यक्ति का नाम कांता प्रसाद उर्फ कामता प्रसाद बताया गया है, वह कामता प्रसाद पिता बुचुन प्रसाद हैं। जबकि एएसडीडी सूची में शामिल मतदाता कांता प्रसाद पिता कोमल प्रसाद हैं। कार्यालय ने स्पष्ट करते हुए कहा कि इस प्रकार, कोमल प्रसाद के बेटे कांता प्रसाद और बुचन प्रसाद के बेटे कामता प्रसाद दो अलग-अलग व्यक्ति हैं। एसआईआर की शुरुआत में बुचन प्रसाद के बेटे कामता प्रसाद मंगोलपुरी की वोटर लिस्ट में वोटर नहीं थे। इसलिए, बुचन प्रसाद के बेटे कामता प्रसाद को एन्यूमरेशन फॉर्म जारी करने का सवाल ही नहीं उठता। अब यह भी पता चला है कि बुचन प्रसाद के बेटे कामता प्रसाद ने वोटर लिस्ट में अपना नाम शामिल करवाने के लिए फॉर्म-6 भरा है। जबकि गुड्डी देवी के मामले में मीडिया रिपोर्ट में बताए गए व्यक्ति की जानकारी को वाई-ब्लॉक मंगोलपुरी पीएस 119-126) के लिए प्रकाशित विवरण के आधार पर वोटर रिकॉर्ड से पक्के तौर पर नहीं मिलाया जा सका। हालांकि पीएस 125 की पहले से मौजूद वोटर लिस्ट में गुड्डी देवी नाम की एक महिला रजिस्टर्ड पाई गई थीं। चूँकि उनके कहीं और चले जाने की भी खबर थी, इसलिए स्थानीय जांच के आधार पर उनका नाम भी एएसडीडी की सूची में शामिल किया गया है। वहीं लक्ष्मी देवी के मामले में, वह और उनके पति स्थायी रूप से कहीं और चले गए हैं। इसलिए उनका नाम सूची में नहीं हो सकता। जबकि रेहाना के मामले में, उनके पति मो. शेर ने एन्यूमरेशन फॉर्म लेने से इनकार कर दिया था। इस स्थिति को एएसडीडी श्रेणी में दर्ज किया गया था। वहीं नीलम और सुनीता देवी के बारे में सूचना मिली थी कि वे काफी समय पहले स्थायी रूप से कहीं और चली गई हैं। इसलिए उनका नाम भी एएसडीडी श्रेणी में रखा गया था। सीईओ कार्यालय ने कहा कि चुनाव के समय को छोड़कर, वोटर लिस्ट में बदलाव साल भर चलने वाली प्रक्रिया है। इसलिए प्राप्त फ्रॉर्म-6, 7 और 8 के आधार पर वोटरों के नाम जोड़े, हटाए और उनमें बदलाव किए जाते रहते हैं।

रोहिणी में हिमांशु भाऊ गैंग के दो शूटर मुठभेड़ में हुए घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नरेला के बांकनेर में प्रॉपर्टी डीलर प्रमोद कुमार की ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या करने वाले दो शूटर रोहिणी में पुलिस मुठभेड़ में घायल हुये हैं। इनका संबंध कुख्यात अपराधी हिमांशु भाऊ गिरोह से बताया गया है।

स्पेशल स्टाफ को दोनों के बारे में सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर रोहिणी में जाल बिछाया गया था। टीम ने जब संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया तो मुठभेड़ शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान दोनों तरफ से 10 से ज्यादा गोलियां चलीं। इसमें दोनों बदमाशों के पैरों में गोली लगी। इनकी पहचान दीपक पहलवान और नितिक के रूप में हुई है। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। गिरोह से जुड़े एक किशोर को भी पकड़ा गया है। सूत्रों ने बताया कि रंगदारी नहीं दिए जाने पर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की गई थी। इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिये जांच जारी है।

ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर निगमायुक्त खिरवार ने पीडब्ल्यूडी अधिकारी संग किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रस्तावित ब्रिक्स सम्मेलन 2026 की तैयारियों को लेकर दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजीव खिरवार ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के प्रधान सचिव संदीप कुमार के साथ मिलकर प्रमुख स्थलों पर तैयारियों को जायजा लिया। इस अवसर पर दिल्ली नगर निगम के संबंधित जोनों के उपायुक्त के साथ-साथ पीडब्ल्यूडी और दिल्ली नगर निगम के अन्य संबंधित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। संयुक्त निरीक्षण की शुरुआत ब्रिक्स सम्मेलन 2026 के आयोजन स्थल और भारत मंडपम के आसपास के क्षेत्रों से की गई। इस अवसर पर निगमायुक्त खिरवार ने व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय से स्वच्छता एवं इससे जुड़े कार्यों को और सुदृढ़ करने के जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिसमें ब्रिक्स सम्मेलन 2026 से जुड़े सभी चिन्हित मार्गों, आयोजन स्थलों, आसपास के क्षेत्रों, बाजारों, सड़कों, फुटपाथों, ग्रीन बेल्ट तथा अन्य संवेदनशील स्थानों पर गहन एवं विशेष सफाई सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई है। संयुक्त टीम ने दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के सराय काले खां, लोधी रोड और निजामुद्दीन सहित प्रमुख स्थानों एवं आगंतुकों के आवागमन वाले मार्गों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि ब्रिक्स सम्मेलन के अंतिम एवं महत्वपूर्ण चरण के दौरान सभी स्थानों पर पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मचारियों, मशीनरी एवं पर्यवेक्षण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान दक्षिण क्षेत्र के साकेत और शेख सराय क्षेत्रों में भी तैयारियों का जायजा लिया गया। आयुक्त खिरवार ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चिन्हित सभी स्थानों पर स्वच्छता एवं सफाई, सड़कों, फुटपाथों, हरित क्षेत्रों, सार्वजनिक सुविधाओं, प्रवर्तन, पशु नियंत्रण, वेक्टर नियंत्रण, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था तथा ब्रांडिंग में स्पष्ट एवं प्रभावी सुधार सुनिश्चित किया जाए।

दिल्ली के लिए अलग इंजीनियरिंग कैडर को केंद्र सरकार की मंजूरी

निर्माण कार्यों में तेजी, बेहतर जवाबदेही और अधिक पारदर्शिता होगी: रेखा गुप्ता

■ सरकार अपने इंजीनियरिंग तंत्र को बना सकेगी सशक्त

■ आने वाले दिनों अनेक भवनों और कार्यालयों का होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में अब निर्माण कार्यों में तेजी, बेहतर जवाबदेही और अधिक पारदर्शिता होगी। इसके साथ ही दिल्ली सरकार अपने इंजीनियरिंग तंत्र को सशक्त बना सकेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली के लिए अलग इंजीनियरिंग कैडर को मंजूरी मिलने के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली को विकसित, सुरक्षित और विश्वस्तरीय राजधानी बनाने की दिशा में केंद्र सरकार का यह ऐतिहासिक कदम है। सरकार से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में केंद्र सरकार ने दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के 3,214 स्वीकृत इंजीनियरिंग पदों को केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) कैडर से अलग कर स्वतंत्र दिल्ली पीडब्ल्यूडी इंजीनियरिंग कैडर के रूप में संचालित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह वही निर्णय है, जिसे दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार को आने वाले समय में नया सचिवालय, सभी 11 जिलों में मिनी सचिवालय, मंडियों, खेल मैदानों तथा अन्य प्रशासनिक और सार्वजनिक ढांचों को मजबूत करने के लिए अनेक भवनों और कार्यालयों का निर्माण करना है। इसके अलावा राजधानी में सड़कों, पुलों और अन्य आधारभूत संरचनाओं से जुड़े अनेक कार्य भी लगातार किए जाने हैं। इन सभी कार्यों के लिए मजबूत, सक्षम और उत्तरदायी इंजीनियरिंग व्यवस्था आवश्यक है।

जवाबदेही तय करने में भी होगी मदद

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अलग इंजीनियरिंग कैडर का उद्देश्य केवल कर्मचारियों की प्रशासनिक व्यवस्था बदलना नहीं है, बल्कि विकास कार्यों में गति के साथ-साथ जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करना भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले ऐसी स्थिति में, जहां किसी निर्माण कार्य में गंभीर कमी या अनियमितता सामने आती थी, वहां संबंधित अधिकारी के स्थानांतरण के कारण जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती थी। अलग कैडर के माध्यम से दिल्ली सरकार इंजीनियरिंग अधिकारियों की जिम्मेदारी और उनके कार्यों की निगरानी को अपनी प्रशासनिक व्यवस्था के साथ अधिक प्रभावी रूप से जोड़ सकेगी।

30 वर्षों से लंबित विषय पर दिल्ली सरकार ने लिया निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी के पास अब तक अपना स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर नहीं था। विभाग की इंजीनियरिंग सेवाएं मुख्य रूप से सीपीडब्ल्यूडी कैडर पर निर्भर थीं। पीडब्ल्यूडी, दिल्ली के इंजीनियरिंग विंग में 36 श्रेणियों में कुल 3,214 स्वीकृत पद सीपीडब्ल्यूडी कैडर के अंतर्गत थे और इन पदों पर नियुक्तियां केंद्र सरकार की व्यवस्था के माध्यम से होती रही थीं। यह व्यवस्था दिल्ली की अपनी प्रशासनिक और विकास संबंधी आवश्यकताओं के अनुरूप तत्काल निर्णय लेने में कई बार बाधा बनती थी।

दिल्ली में विकास कार्यों का स्वरूप और आवश्यकताएं अलग

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में विकास कार्यों का स्वरूप और आवश्यकताएं अलग हैं और राजधानी में लगातार नई सड़कों, पुलों, भवनों, कार्यालयों तथा अन्य सार्वजनिक ढांचों का निर्माण और रखरखाव करना पड़ता है। ऐसे में दिल्ली के पास अपना सक्षम और स्वतंत्र इंजीनियरिंग तंत्र होना आवश्यक था। लगभग 30 वर्षों से इस महत्वपूर्ण विषय पर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ था।

"पेगासस लैंड एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड"
कॉर्पोरेट कार्यालयः आर. ओ. एफ. ग्रुप, बिल्डिंग नंबर 80,
सेक्टर-44, गुरुग्राम, हरियाणा-122003 फोन नं.: 0124-4399399

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मैसर्स पेगासस लैंड एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित की जा रही अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट "आर. ओ. एफ. अतुल्यास" स्थित सेक्टर-93, गुरुग्राम, हरियाणा, हेतु लाइसेंस संख्याः 19 ऑफ 2020, दिनांक 01.08.2020 के अंतर्गत निर्माणित की गई है।

सह कि नीचे उल्लिखित इकाइयाँ अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी, 2013 के प्रावधानों कि अनुसार देय राशि का भुगतान न किए जाने के कारण डिफॉल्टरों की सूची में सम्मिलित हैं तथा एतद् द्वारा उन्हें इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के भीतर अपनी बकाया राशि का भुगतान करने हेतु अंतिम सूचना दी जाती है। यदि उक्त इकाइयों के विरुद्ध देय शेष राशि का भुगतान अगले 15 दिनों के भीतर प्राप्त नहीं होता है, तो अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी, 2013 के प्रावधानों के अनुसार नीचे उल्लिखित इकाइयों का आवंटन निरस्ता माना जाएगा।

क्र. सं.	आवेदन सं.	कारपेट एरिया + बालकनी (Sq. Ft.)	अपार्टमेंट सं.
1	1005, 3456, 1006, 133	3BHK TYPE-2 (641.426 SQ.FT + 168.348)	T1-1104, T2-604, T5-1108, T1-307
2	2487, 1093, 2783,	2BHK TYPE-2 (468.556 SQ.FT + 155.001)	T6-407, T7-208, T7-707,
3	1025, 1826	2BHK TYPE-1 (502.571 SQ.FT + 171.578)	T6-1202, T7-702
4	2259	2BHK + S.ROOM TYPE-3 (641.426 SQ.FT + 123.247)	T5-1203
5	4468, 1479, 3444, 1342	2BHK + S.ROOM TYPE-2 (641.426 SQ.FT + 123.247)	T4-403, T4-807, T4-503, T4-408

अतः सभी संबंधित व्यक्तियों/आवंटियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वे **हरियाणा** अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी, 2013 के प्रावधानों एवं शर्तों के अनुसार उक्त इकाइयों के आवंटन को निरस्त होने से बचाने हेतु 15 दिनों के भीतर अपनी समस्त बकाया राशि का भुगतान करना सुनिश्चित करें।

उपर्युक्त निर्धारित अवधि के भीतर भुगतान प्राप्त न होने की स्थिति में यह माना एवं समझा जाएगा कि संबंधित आवंटित/आवंटियों अथवा संबंधित व्यक्ति का इस सार्वजनिक सूचना के माध्यम से उक्त इकाइयों के संबंध में कोई दावा/आपत्ति नहीं है तथा, यदि कोई दावा/आपत्ति है, तो उसे त्याग दिया गया अथवा परित्यक्त माना जाएगा। इसके पश्चात किए गए ऐसे किसी भी दावे/आपत्ति का कोई विचार नहीं किया जाएगा तथा लागू नीति एवं प्रचलित कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और उपरोक्त यूनिट की अलॉटमेंट कैंसल मानी जाएगी।

पेगासस लैंड एंड हाउसिंग प्राइवेट लिमिटेड

स्थानः गुरुग्राम, (हरियाणा)

निदेशक

दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय

यातायात निर्देशिका

यातायात पुलिस दिल्ली

BRICS
INDIA 2026
BUILDING FOR RESILIENCE, INNOVATION, COOPERATION AND SUSTAINABILITY

अंतरराष्ट्रीय राष्ट्राध्यक्षों, गणमान्य अतिथियों और वैश्विक प्रतिनिधियों का
स्वागत

ब्रिक्स सम्मेलन 2026

11–13 सितंबर 2026 भारत मंडपम, नई दिल्ली

डायवर्जन पॉइंट : 22 | नियंत्रित सड़कें: 35+ | विस्तृत यातायात एवं वाहन संबंधी नियम लागू

वीआईपी काफिलों की सुचारु आवाजाही और आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष यातायात नियम एवं डायवर्जन लागू किए जाएंगे, मुख्यतः नई दिल्ली जिले और आसपास के मार्गों पर।

01 नियंत्रित क्षेत्र इन मार्गों से यात्रा न करें

सम्मेलन की अवधि के दौरान वाहन चालकों को निम्नलिखित मार्गों से होकर यात्रा करने की योजना नहीं बनानी चाहिए। आधिकारिक सूचना के साथ विस्तृत मानचित्र भी जारी किया गया है।

मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट – लोधी रोड फ्लाईओवर)	ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग
	शांति पथ
	शेर शाह सूरी मार्ग
तीस जनवरी मार्ग	डॉ. ज़ाकिर हुसैन मार्ग
जनपथ	तिलक मार्ग
सत्य मार्ग	सैन मार्टिन मार्ग
पृथ्वी राज रोड	राजेश पायलट मार्ग
फ़िरोज़ शाह रोड	अकबर रोड
अशोक रोड	सरदार पटेल मार्ग
तुग़लक रोड	एपीजे अब्दुल कलाम रोड
नीला गुंबद	कौटिल्य मार्ग
पंचशील मार्ग	भगवान दास रोड
सुब्रमण्यम भारती मार्ग	कमाल अतातुर्क मार्ग
मदर टेरेसा क्रिसेंट	कर्तव्य पथ
तीन मूर्ति मार्ग	पुराना किला रोड
अफ़्रीका एवेन्यू (भीकाजी कामाप्लेस - यशवंत प्लेस)	सफ़दरजंग रोड
'C' हेक्सागन	न्याय मार्ग

02 रेलवे स्टेशनों के लिए सुझाए गए मार्ग

■ **नई दिल्ली रेलवे स्टेशन**

मार्ग A: आईएसबीटी कश्मीरी गेट → बुलेवार्ड रोड → रानी झांसी मार्ग → डीबीजी रोड → पंचकुइयां रोड → कनॉट प्लेस का आउटर सर्कल
मार्ग B: आश्रम चौक → रिंग रोड → राजघाट → जेएलएन मार्ग
मार्ग C: वंदे मातरम् मार्ग → डॉ. अंबेडकर मार्ग → पंचकुइयां रोड → कनॉट प्लेस का आउटर सर्कल

■ **पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन**

मार्ग A: आईएसबीटी कश्मीरी गेट → रिंग रोड → हनुमान मंदिर → एस.पी. मुखर्जी मार्ग
मार्ग B: आश्रम चौक → रिंग रोड → राजघाट → रिंग रोड → हनुमान मंदिर → एस.पी. मुखर्जी मार्ग
मार्ग C: वंदे मातरम् मार्ग → डॉ. अंबेडकर मार्ग → रानी झांसी मार्ग → रानी झांसी फ्लाईओवर → बुलेवार्ड रोड → लोथीयन मार्ग

■ **हज़रत निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन**

मार्ग A: एम्स → रिंग रोड → आश्रम चौक → मथुरा रोड
मार्ग B: आईएसबीटी कश्मीरी गेट → रिंग रोड → राजघाट → रिंग रोड → आश्रम चौक → मथुरा रोड

03 हवाई अड्डे जाने के लिए सुझाए गए मार्ग

मेट्रो से यात्रा करने की विशेष सलाह
यातायात नियमों को देखते हुए वाहन चालकों को मेट्रो सेवा के माध्यम से हवाई अड्डे के टर्मिनलों तक जाने की सलाह दी जाती है।

■ **गुरुग्राम से**
- **T3 / T4 / T2:** NH-48 → राव गजराज सिंह मार्ग → पुरानी दिल्ली गुरुग्राम रोड → UER-II → सर्विस रोड → T3 टर्मिनल रोड
- **T1:** NH-48 → महिपालपुर फ्लाईओवर के नीचे → T-3 रोड
- **T1:** NH-48 → महिपालपुर फ्लाईओवर → NH-48 → उलानबटार मार्ग → T-1 रोड

■ **द्वारका से**
- **T3 / T4 / T2 / T1:** सेक्टर-22, द्वारका रोड → UER-II (T3 तक नई सुरंग)

■ **नई दिल्ली एवं दक्षिणी दिल्ली से**
- **T3:** रिंग रोड → एम्स चौक → मोती बाग चौक → RTR मार्ग → शंकर विहार फ्लाईओवर के नीचे → संजय टी-पॉइंट → सर्विस रोड → NH-48 → महिपालपुर फ्लाईओवर के नीचे, रंगपुरी → T-3 रोड
- **T3 / T4 / T2 / T1:** एम्स चौक → रिंग रोड → मोती बाग चौक → RTR मार्ग → शंकर विहार फ्लाईओवर → उलानबटार मार्ग

■ **पश्चिमी दिल्ली से**
- **T3 / T4 / T2 / T1:** पंजाबी बाग चौक → रिंग रोड → राजा गार्डन चौक → नजफगढ़ रोड → पंखा रोड → डाबड़ी → द्वारका रोड → रोड नंबर 224, डाबड़ी-गुरुग्राम रोड → सेक्टर-22, द्वारका रोड → UER-II → सर्विस रोड NH-48 → T3 टर्मिनल रोड

■ **उत्तर एवं पूर्वी दिल्ली से**
- **T3 / T4 / T2 / T1:** आईएसबीटी कश्मीरी गेट → रानी झांसी फ्लाईओवर → रोहतक रोड → पंजाबी बाग चौक → राजा गार्डन चौक → नजफगढ़ रोड → पंखा रोड → डाबड़ी → द्वारका रोड → रोड नंबर 224, डाबड़ी-गुरुग्राम रोड → सेक्टर-22, द्वारका रोड → UER-II → सर्विस रोड NH-48 → T3 टर्मिनल रोड

04 परिवहन सेवाएँ

- **बस:** VVIP आवागमन के दौरान आवश्यकतानुसार डायवर्जन लागू किए जा सकते हैं
- **मेट्रो: सभी स्टेशनों पर यात्रियों के लिए बिना किसी व्यवधान के उपलब्ध रहेगी**
- **टीएसआर / टैक्सी:** केवल निर्धारित स्थानों पर ही पार्किंग करें; VVIP आवागमन के दौरान यातायात डायवर्जन लागू किए जा सकते हैं

05 डायवर्जन पॉइंट वैकल्पिक रास्ते नियंत्रित क्षेत्र के बाहर

01	डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक (डब्ल्यू-पॉइंट)	**अनुमति नहीं:** मथुरा रोड, तिलक मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** बीएसजेड मार्ग → आई.पी. मार्ग – पूर्वी/दक्षिणी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** बीएसजेड मार्ग → दिल्ली गेट – मध्य/उत्तरी/पश्चिमी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** सिकंदरा रोड – नई दिल्ली/कनॉट प्लेस
02	राम चरण अग्रवाल चौक (ए-पॉइंट)	**अनुमति नहीं:** इस चौक से आगे W-पॉइंट तक वाणिज्यिक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा **डायवर्जन मार्ग:** आई.पी. मार्ग – पूर्वी/दक्षिणी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** डीडीयू मार्ग – नई दिल्ली/कनॉट प्लेस **डायवर्जन मार्ग:** बीएसजेड मार्ग → दिल्ली गेट – मध्य/उत्तरी/पश्चिमी दिल्ली
03	मीर दर्द चौक	**अनुमति नहीं:** महाराजा रणजीत सिंह मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** मीर दर्द मार्ग → अब्दुल गफ्फार मार्ग → डीडीयू मार्ग – नई दिल्ली/मध्य/ उत्तरी/पश्चिमी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** मीर दर्द मार्ग → कोटला मार्ग → बीएसजेड मार्ग/डीडीयू मार्ग – उत्तरी/ मध्य/ पूर्वी/ पश्चिमी/दक्षिणी दिल्ली
04	कस्तूरबा गांधी मार्ग / आउटर सर्कल, कनॉट प्लेस	**अनुमति नहीं:** C-हेक्सागन और कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल की ओर **डायवर्जन मार्ग:** आउटर सर्कल → जनपथ को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख मार्ग – नई दिल्ली/ दक्षिणी दिल्ली
05	जनपथ / कनॉट प्लेस	**अनुमति नहीं:** कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल से C-हेक्सागन की ओर **डायवर्जन मार्ग:** आउटर सर्कल → कस्तूरबा गांधी मार्ग को छोड़कर अन्य सभी प्रमुख मार्ग – नई दिल्ली/ दक्षिणी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** काली बाड़ी, शहीद भगत सिंह, पंचकुइयां, मिंटो एवं बाराखंभा रोड – मध्य/उत्तरी/ पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली
06	पटेल चौक	**अनुमति नहीं:** संसद मार्ग पर विंडसर प्लेस एवं आरबीआई की ओर **डायवर्जन मार्ग:** अशोका रोड → जीपीओ – नई दिल्ली/ दक्षिणी/पश्चिमी/मध्य दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** संसद मार्ग → कनॉट प्लेस – मध्य/ उत्तरी/पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली
07	आरएमएल अस्पताल गोलचक्कर	**अनुमति नहीं:** मदर टेरेसा क्रिसेंट एवं तालकटोरा रोड की ओर **डायवर्जन मार्ग:** शेख मुजीबुर रहमान मार्ग – मध्य/ दक्षिणी/पश्चिमी/उत्तरी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** बाबा खड़क सिंह मार्ग – कनॉट प्लेस/ पश्चिमी/उत्तरी/मध्य/पूर्वी दिल्ली
08	वंदे मातरम् मार्ग / साइमन बोलिवार मार्ग	**अनुमति नहीं:** साइमन बोलिवार मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** वंदे मातरम् मार्ग → धौला कुआँ – दक्षिणी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** वंदे मातरम् मार्ग → करोल बाग – नई दिल्ली/पूर्वी/उत्तरी/पश्चिमी/मध्य दिल्ली
09	धौला कुआँ फ्लाईओवर	**अनुमति नहीं:** सरदार पटेल मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** रिंग रोड (दोनों ओर) – दक्षिणी/ नई दिल्ली/पूर्वी दिल्ली एवं मध्य/पश्चिमी/ पूर्वी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** वंदे मातरम् मार्ग – नई दिल्ली/उत्तरी/ मध्य/पूर्वी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** NH-48/गुड़गांव रोड – आईजीआई हवाई अड्डा एवं गुरुग्राम
10	मोती बाग फ्लाईओवर	**अनुमति नहीं:** शांति पथ **डायवर्जन मार्ग:** रिंग रोड (दोनों ओर) – दक्षिणी/ नई दिल्ली/पूर्वी दिल्ली एवं मध्य/पश्चिमी/पूर्वी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** राव तुला राम मार्ग – दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली, आईजीआई हवाई अड्डा एवं गुरुग्राम
11	ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग गोलचक्कर	**अनुमति नहीं:** अफ्रीका एवेन्यू से यशवंत प्लेस की ओर। **डायवर्जन मार्ग:** ब्रिगेडियर होशियार सिंह मार्ग – नई दिल्ली/दक्षिणी/पूर्वी जिला **डायवर्जन मार्ग:** अफ्रीका एवेन्यू → भीकाजी कामा फ्लाईओवर – दक्षिणी/पूर्वी/ मध्य/उत्तरी/ पश्चिमी दिल्ली
12	मदरसा टी-पॉइंट	**अनुमति नहीं:** अरबिंदो मार्ग की ओर **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड – दक्षिणी/पूर्वी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** अरबिंदो मार्ग → सफदरजंग फ्लाईओवर – दक्षिणी/नई दिल्ली/पश्चिमी/ मध्य/उत्तरी दिल्ली
13	लोधी रोड / अमृता शेरगिल मार्ग	**अनुमति नहीं:** अमृता शेरगिल मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड – दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/ उत्तरी/नई दिल्ली
14	लोधी रोड / मैक्स म्यूलर मार्ग	**अनुमति नहीं:** मैक्स म्यूलर मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड – दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/ उत्तरी/नई दिल्ली
15	लोधी रोड / महर्षि रमण मार्ग	**अनुमति नहीं:** महर्षि रमण मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड – दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/ उत्तरी/नई दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** भीष्म पितामह मार्ग – दक्षिणी दिल्ली
16	लोधी रोड / आर्च बिशप माकारियस मार्ग	**अनुमति नहीं:** आर्च बिशप माकारियस मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड – दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/ उत्तरी/नई दिल्ली
17	लोधी फ्लाईओवर के नीचे	**अनुमति नहीं:** मथुरा रोड से भारत मंडपम की ओर। **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड → नीला गुंबद – दक्षिणी/ पूर्वी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** बारापुल्ला फ्लाईओवर – पूर्वी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड → मदरसा / लाला लाजपत राय मार्ग → दक्षिणी/पश्चिमी/मध्य/ उत्तरी/नई दिल्ली
18	नीला गुंबद	**अनुमति नहीं:** ओबेरॉय फ्लाईओवर / डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग की ओर **डायवर्जन मार्ग:** मथुरा रोड – आश्रम चौक – दक्षिणी/ पूर्वी/मध्य/उत्तरी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** लोधी रोड – दक्षिणी/पश्चिमी/मध्य/ उत्तरी/नई दिल्ली
19	ओबेरॉय फ्लाईओवर के नीचे	**अनुमति नहीं:** मथुरा रोड **डायवर्जन मार्ग:** डीपीएस मथुरा रोड के सामने अंडरपास में यू-टर्न लेकर लोधी फ्लाईओवर से – दक्षिणी/ पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली **अनुमति है: ओबेरॉय होटल और गोल्फ लिंक जाने वाले वाहनों को**
20	डीपीएस, मथुरा रोड के सामने यू-टर्न	**अनुमति नहीं:** भारत मंडपम की ओर **डायवर्जन मार्ग:** डीपीएस मथुरा रोड के सामने अंडरपास में यू-टर्न लेकर लोधी फ्लाईओवर से – दक्षिणी/पूर्वी/पश्चिमी/मध्य/उत्तरी/नई दिल्ली
21	रिंग रोड / भैरों रोड	**अनुमति नहीं:** भैरों मार्ग की ओर **डायवर्जन मार्ग:** रिंग रोड, सराय काले खाँ – दक्षिणी/पूर्वी/ नई दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** रिंग रोड, राजघाट – मध्य/उत्तरी/पूर्वी/ पश्चिमी दिल्ली
22	मंडी हाउस	**अनुमति नहीं:** फिरोज शाह रोड, भगवान दास रोड, कॉपरनिक्स मार्ग **डायवर्जन मार्ग:** बाराखंभा रोड – नई दिल्ली/मध्य/उत्तरी/ पश्चिमी/दक्षिणी दिल्ली **डायवर्जन मार्ग:** सिकंदरा मार्ग – पूर्वी/उत्तरी/पश्चिमी/ दक्षिणी/मध्य दिल्ली

06 महत्वपूर्ण निर्देश एवं जनसामान्य के लिए सलाह

प्राथमिकता वाले मार्ग एवं छूट
- **आपातकालीन एवं चिकित्सा वाहन:** दिल्ली भर में 24×7 प्राथमिकता एवं बिना किसी बाधा के आवागमन सुनिश्चित किया जाएगा
- **आवश्यक सेवाएँ एवं उपयोगिताएँ:** सभी क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और उपयोगिता सेवाओं के संचालन के लिए निर्बाध आवागमन की सुविधा उपलब्ध रहेगी

यात्रा योजना एवं सार्वजनिक परिवहन
- **परिवहन केंद्र:** हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों और आईएसबीटी की ओर जाते समय यात्रा के लिए अतिरिक्त समय रखें
- **सार्वजनिक परिवहन एवं मार्ग:** सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें तथा निर्धारित वैकल्पिक मार्गों और डायवर्जन पॉइंट का पालन करें
- **वाणिज्यिक यातायात:** जिन वाणिज्यिक वाहनों का गंतव्य दिल्ली नहीं है, उनके दिल्ली में प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा

यातायात नियम एवं पार्किंग
- **निर्धारित पार्किंग:** केवल अधिकृत स्थानों पर ही वाहन पार्क करें; नियंत्रित मार्गों के 200 मीटर के दायरे में सड़क किनारे पार्किंग सख्त रूप से प्रतिबंधित है
- **सड़क अनुशासन:** तैनात यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करें और धैर्यपूर्वक सभी यातायात नियमों का पालन करें

जनसुरक्षा एवं नवीनतम जानकारी
- **सुरक्षा सतर्कता:** किसी भी अज्ञात वस्तु या संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत निकटतम पुलिसकर्मी को दें
- **रियल-टाइम जानकारी:** दिल्ली पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया चैनलों और ट्रैफिक पोर्टल के माध्यम से नवीनतम जानकारी से अपडेट रहें

सभी के सुगम आवागमन एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आमजन से सहयोग की अपील की जाती है।

BRICS समिट-2026 के लिए ट्रैफ़िक एडवाइज़री हेतु QR कोड स्कैन करें

DP/9916/2026

https://www.facebook.com/dtptraffic | https://twitter.com/dtptraffic | https://www.instagram.com/dtptraffic | 8750871493 पर हमें फॉलो करें | ट्रैफिक प्रहरी बनें | Google Play या App Store से ऐप डाउनलोड करें | 24 घंटे ट्रैफिक हेल्पलाइन: 011-25844444/1095 | तुरंत पुलिस सहायता पाने के लिए 112 पर कॉल करें | आतंकवादी गतिविधियों की सूचना देने के लिए 14547 पर कॉल करें

खबर संक्षेप

अज्ञात वाहन की टक्कर से टैक्सी चालक की मौत

गुरुग्राम। बिलासपुर थाना क्षेत्र में केएमपी एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात सड़क हादसे में 31 वर्षीय टैक्सी चालक की मौत हो गई। हादसे को अंजाम देने के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, गुरप्रीत सिंह आनंद मूल रूप से फरीदाबाद के सेक्टर-22 के रहने वाले थे और टैक्सी चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। मंगलवार रात वह अपनी टैक्सी से फरीदाबाद से गुरुग्राम की ओर आ रहे थे। बिलासपुर थाना क्षेत्र में केएमपी एक्सप्रेसवे पर नूंह बॉर्डर के पास उन्होंने लघुशंका के लिए वाहन रोका और नीचे उतर गए। बताया गया है कि जैसे ही गुरप्रीत सड़क किनारे खड़े थे, तेज रफ्तार से आए एक अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

एक साल का मासूम बाल्टी में डूबा

फरीदाबाद। जीवन नगर पार्ट-2 में ईदगाह के पास मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। घर की छत पर खेल रहा एक साल का मासूम आर्यन बाथरूम के पास रखी पानी से भरी

बाल्टी में मुंह के बल गिर गया। काफी देर बाद परिजन को इसका पता चला। अस्पताल में डॉक्टरों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। आर्यन की दादी मीना के अनुसार परिवार के सभी सदस्य अपने-अपने घरेलू काम में व्यस्त थे। बच्चे की मां घर के ऊपर वाले कमरे में काम कर रही थी, जबकि पिता बजरंगी काम पर गए हुए थे। आर्यन कमरे के बाहर छत पर खेल रहा था। खेलते हुए वह बाथरूम के पास रखी पानी से भरी बाल्टी के पास पहुंच गया। इसी दौरान वह बाल्टी में सिर के बल गिर गया। पानी में डूबने के कारण उसकी मौत हो गई। दादी ने बताया कि काफी देर तक आर्यन की कोई आवाज नहीं सुनाई दी।

प्रधान भाटिया ने कहा-भारतीय संस्कृति का प्रतीक है दशहरा पर्व

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर में बांस काटकर हुई दशहरा पर्व की तैयारियों की शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर श्री सनातन धर्म महावीर दल मार्किट नंबर एक एवं पंजाबी सभा द्वारा आज दशहरा पर्व मनाने की विधिवत शुरुआत की गई। इस दौरान मंदिर के प्रधान डॉ राजेश भाटिया एवं पंजाबी सभा के प्रधान राजकुमार वोहरा ने बांस काटकर मूहर्त किया और दशहरा पर्व की तैयारियों का आरंभ किया। इस दौरान मंदिर के प्रधान डॉ राजेश भाटिया सहित मंदिर कमेटी के पदाधिकारी, सदस्यगण व गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर प्रधान डॉ राजेश भाटिया ने कहा कि दशहरा पर्व हमारी भारतीय संस्कृति का प्रतीक है और हर बार की तरह इस बार भी इस पर्व को मंदिर कमेटी द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर पिछले 75 वर्षों से दशहरा का आयोजन करता आ रहा है और हर बार दशहरा पर्व को नया स्वरुप देने के लिए कमेटी के सभी सदस्यगण अपना योगदान देते है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान से आए हमारे बुजुर्गों ने इस पर्व को मनाने की शुरुआत की थी, जो सिलसिला अब तक जारी है।

पर्व को मनाने की रूपरेखा तैयार की जाएगी

डॉ भाटिया ने कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि 18 अक्टूबर को लंका दहन 20 अक्टूबर को दशहरा व 21 अक्टूबर को राम-भरत मिलाप आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, बडखल के विधायक धनेश अदलखा, पूर्व विधायक चंद्र भाटिया सहित शहर के अनेकों गणमान्य लोग शामिल होंगे। डॉ राजेश भाटिया ने बताया कि जल्द ही शहर की सभी सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें दशहरा पर्व को मनाने की रूपरेखा तय की जाएगी और इस बार दशहरा पर्व को और भव्य बनाने के लिए सभी संस्थाओं से विचार विमर्श किया जाएगा। इस मौके पर मोहन लाल अरोड़ा, वेद भाटिया मामा, हरीश भाटिया, राधे श्याम भाटिया, विपिन भाटिया, बंसी लाल कुकरेजा, कैलाश गुगलानी, श्याम बांगा, कालू चौधरी, इंदर चावला, राजू भाटिया, चुन्नी लाल चावला, सन्नी चावला, सन्नी भाटिया, सचिन शर्मा, राजिंदर भाटिया, लोचन भाटिया, रवि कपूर, सौरव भाटिया, रिंकल भाटिया, प्रेम बब्बर, भारत कपूर, सुभाष नोनिहाल, रविंद्र गुलाटी, कमल कपूर, कपिल उपस्थित थे।

बिजली कर्मियों ने हड़ताली कर्मियों की गिरफ्तारी, बर्खास्तगी व निलंबन के खिलाफ किया आक्रोश प्रदर्शन

सरकार दमनकारी प्रयास छोड़ 13 मई के समझौते को लागू कर हड़ताल खत्म करवाएं: सुभाष लांबा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शहरी स्थानीय निकाय व अग्निशमन कर्मियों की हड़ताल बुधवार को 34वें दिन भी जारी रही। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा ने हड़ताल को 13 सितंबर तक आगे बढ़ा दिया गया। पिछली 6 अगस्त से चल रही यह हड़ताल पालिका रोल पर लगे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेकेदारी के मातहत अलग-अलग कार्यों में लगे ठेका कर्मियों को नगर निगमों, पालिकाओं व परिषदों के पे.रोल पर करने व आबादी व क्षेत्रफल के आधार पर नए पद सृजित कर पक्की भर्ती से भर बेरोजगारों को रोजगार देने व अग्निकांड में शहीद हुए भवी चंद व रणबीर सिंह के आश्रितों को 50-50 लाख रुपए आर्थिक सहायता व पक्की नौकरी देने आदि मांगों को लेकर चल रही है।बुधवार को हड़ताली कर्मियों की गिरफ्तारी, निलंबन व बर्खास्तगी और 13 मई के समझौते को लागू न करने की वादाखिलाफी के खिलाफ बिजली कर्मियों ने आक्रोश प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, एएचपीसी वर्कर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद गनी, सी सी सदस्य करतार सिंह व मनोज जाखड़ आदि शामिल हुए।

> हड़ताली कर्मियों की गिरफ्तारी, निलंबन व बर्खास्तगी और 13 मई के समझौते को लागू न करने की वादाखिलाफी के खिलाफ बिजली कर्मियों ने आक्रोश प्रदर्शन किया।

सरकार के खिलाफ नारेबाजी की

ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के बेनर तले सैकड़ों बिजली कर्मचारी जुलूस के साथ सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए नगर निगम मुख्यालय पर पहुंचे। हड़ताली कर्मियों ने नारेबाजी करते हुए गर्मजोशी से बिजली कर्मियों का स्वागत किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद गनी और सर्कल सचिव कृष्ण कुमार व रामचरण ने बिजली यूनियन की ओर से हड़ताल और मांगों का पुरजोर समर्थन किया। बुधवार को निगम मुख्यालय पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीनंद ढकोलिया की अध्यक्षता में हड़ताल के दौरान राज्य के अलग-अलग जिलों में शहीद हुए रोहित, कुलदीप, सूरजा व राजेश की शोक सभा का आयोजन किया।

40 हजार से ज्यादा कर्मचारी 34 वें दिन हड़ताल पर डटकर बैठे हैं

अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा व नगरपालिका कर्मचारी संघ के डिप्टी जरनल सेकेट्री सुनील चिंडालिया ने हड़ताली कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार के इशारे पर समाज के कुछ तथाकथित ठेकेदार हड़ताल और नेतृत्व के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस व रील बना सोशल मीडिया पर डाल कर दुष्प्रचार करने में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि इनके तमाम प्रयासों के बावजूद 40 हजार से ज्यादा कर्मचारियों ने 34वें दिन भी हड़ताल पर मजबूती से डटकर ऐसे नेताओं को करारा जवाब दिया है।

10-11 व 12 सितंबर को सभी जिलों में न्याय जन पंचायतों का आयोजन किया जाएगा

अगर यह सरकार व समाज के हितैषी है तो पे-रोल के कर्मियों को पक्का और ठेका कर्मियों को पालिका रोल पर करवाने का काम करें। उन्होंने कहा कि 10-11 व 12 सितंबर को सभी जिलों में जिला स्तरीय न्याय जन पंचायतों का आयोजन किया जाएगा और 13 सितंबर को मुख्यमंत्री के गृह जिले कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय न्याय पंचायत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबद्ध सभी विभागीय संगठनों, मजदूर, किसान, नौजवान, छात्र और महिला संगठनों के हजारों पदाधिकारी और कार्यकर्ता भाग लेंगे और हड़ताल को लेकर आंदोलन का ऐलान करेंगे। प्रदर्शन में सर्व कर्मचारी संघ की जिला कमेटी के नेता करतार सिंह जागलान, जगदीश चन्द्र, जयपाल राठी, मुकेश बेनीवाल, कमला, ब्लाक कमेटी के नेता रामकेश साहरण, अनिल कुमार, देवी सिंह, मनोज बालगुहेर, विजय चावला, प्रवेश बैसला, अनूप चिंडालिया, अशोक बिजली कर्मी नेता रमेश तेवतिया, वेद प्रकाश कर्दम, दिनेश शर्मा, असरफ आदि।

अली की नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल

कुंवर बासित अली के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से अल्पसंख्यक मोर्चे में नई ऊर्जा आएगी: इकरार मोहम्मद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर कुंवर बासित अली की नियुक्ति से भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। दिल्ली समेत देशभर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी जा रही हैं। इसी क्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा दिल्ली प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया, भारत सरकार के सदस्य इकरार मोहम्मद ने कुंवर बासित अली को बधाई दी। इकरार मोहम्मद ने कहा कि कुंवर बासित अली जमीनी स्तर पर सक्रिय, कर्मठ और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में मोर्चा महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि कुंवर बासित अली को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने से अल्पसंख्यक समाज में भाजपा के प्रति विश्वास और मजबूत होगा। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने एक योग्य और अनुभवी नेता को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

जिला रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटीज ने किया सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

फरीदाबाद ब्राह्मण सभा के चुनाव की अधिसूचना जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जिला फरीदाबाद ब्राह्मण सभा के संबंधित सदस्यों को सूचित किया जाता है की सभा के चुनाव एचआरआरएस एक्ट 2012 तथा सभा के लागू उप नियमों की प्रावधानों के अनुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी रूप से करवाए जा रहे हैं। सोसाइटीज चुनाव प्रक्रिया के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त कर दिया गया है। सदस्यों की सूची 7-9-2026 को जारी कर दी गई है, जिला ब्राह्मण भवन, नियर अनाज मंडी बल्लभगढ़ में चस्पा दी गई है तथा सूची की एक प्रति इस सूचना के साथ आपको भेजी जा रही है।

नई शाखा का हुआ शुभारंभ, बेहतर वर्कआउट वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा

फिट इंडिया अभियान को बढ़ावा देने के लिए खुली प्रो अल्टीमेट जिम्स की नई शाखा,देशभर में दो सौ से अधिक शाखाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

फिट इंडिया अभियान को बढ़ावा देने और लोगों में स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रो अल्टीमेट जिम्स ने नोएडा के सेक्टर-22 में अपनी नई शाखा शुरू की है। इस केंद्र पर स्थानीय लोगों को आधुनिक फिटनेस सुविधाएं, प्रशिक्षित फिटनेस विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और बेहतर वर्कआउट वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रो अल्टीमेट जिम्स के संस्थापक एवं चेयरमैन अभिषेक गगनेजा ने कहा कि फिटनेस केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि बेहतर जीवनशैली की नींव है। उनका कहना है कि बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के बीच लोगों को नियमित व्यायाम के लिए प्रेरित करना समय की जरूरत है और इसी सोच के साथ कंपनी विभिन्न शहरों में अपनी पहुंच बढ़ा रही है। साल 2012 में अभिषेक गगनेजा द्वारा शुरू

नई शाखा का शुभारंभ करते।

किया गया प्रो अल्टीमेट जिम्स देशभर में 200 से अधिक शाखाओं के साथ अपनी पहचान बना चुका है। कंपनी का कहना है कि नोएडा में नई शाखा खोलने का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों तक गुणवत्तापूर्ण फिटनेस सुविधाएं पहुंचाना और नियमित व्यायाम को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है। नई शाखा में आधुनिक जिम उपकरणों के अलावा पर्सनल ट्रेनिंग, स्टीम, मसाज चेयर और आइस-कोल्ड बाथ जैसी रिकवरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सदस्यों की जरूरत के अनुसार अलग-अलग स्तर के प्रशिक्षकों की व्यवस्था की गई है, ताकि हर आयु वर्ग और फिटनेस स्तर के लोग अपनी आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

रैपिडो बाइक से गिरने पर कारपेंटर की मौत

गुरुग्राम। सेक्टर-56 क्षेत्र में मंगलवार दोपहर हुए सड़क हादसे में 44 वर्षीय कार पेंटर शान मोहम्मद की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जानकारी अनुसार, उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के रगडांज गांव निवासी शान मोहम्मद वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-51 में परिवार के साथ रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, शान मोहम्मद मंगलवार दोपहर सेक्टर-56 से सेक्टर-51 जाने के लिए रैपिडो बाइक पर सवार हुए थे। इसी दौरान सेक्टर-56 के पास अचानक बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में शान मोहम्मद गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल शान मोहम्मद को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कार्रवाई शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में हादसा बाइक गिरने से होना सामने आया है, पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संस्कृत भाषा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया

खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता का हुआ भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

राजकीय माध्यमिक विद्यालय पहलादपुर माजरा डीग में संस्कृत सप्ताह के अंतर्गत आयोजित खंड स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन संस्कृत आयाम के सहयोग से स्वर्गीय डा. रुद्रदत्त शास्त्री की स्मृति में किया गया।

प्रतियोगिता में खण्ड के विभिन्न विद्यालयों से कक्षा छठी से आठवीं तक के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा श्लोकोच्चारण, गीतिका, लघु नाटिका एवं भाषण के माध्यम से संस्कृत भाषा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।कार्यक्रम के संयोजक सेवानिवृत्त प्रवक्ता इंद्रसेन शास्त्री रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त प्रवक्ता गीता आर्या ने की।

यह लोग उपस्थित रहे

मुख्य अतिथि के रूप में स्वर्गीय डॉ. रुद्रदत्त शास्त्री की धर्मपत्नी वीनू शर्मा उपस्थित रहीं। इस अवसर पर सुशील यादव शास्त्री, महेंद्र शर्मा शास्त्री, प्रो. जोरावर सिंह नेहरू कॉलेज, राकेश , पुरुषोत्तम शास्त्री सहित अनेक संस्कृत विद्वान विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में भागीरथ शास्त्री, सुंदर भड़ाना, मोहन शास्त्री, देवराज शास्त्री, वंदिता लाम्बा, रेखा गोहली एवं सुषमा रानी ने निर्णायक मंडल के रूप में छात्र-छात्राओं की प्रतिभा का मूल्यांकन किया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C./84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **पवन कुमार, पुत्र, स्व. ऋषि कुमार पताः बी–852, दूसरी मंज़िल, शास्त्री नगर, दिल्ली,** ने **CC No.2444/2019 U/s 138 NI Act थानाः अलीपुर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **पवन कुमार,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गए है कि उक्त अभियुक्त **पवन कुमार,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No. 2444/2019 U/s 138 NI Act थानाः अलीपुर, बाहरी उत्तरी जिला, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **पवन कुमार,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.10.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रियंका राजपूत
सीजेएम/उत्तर, कमरा नंबर 115,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/12722/ON/2026
(Court Matter)

मंच ने किया फैसले का स्वागत

पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट ने भी आरटीई को माना जायज, 25 प्रतिशत गरीब बच्चों को देना ही होगा दाखिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने राइट टू एजुकेशन एक्ट के तहत प्राइवेट स्कूलों में गरीब बच्चों के दाखिले को पूरी तरह जायज ठहराया है और इसे लागू करने के कड़े निर्देश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी जनवरी 2026 के अपने आदेश में कहा था कि आरटीई के तहत राज्य सरकारों को पात्र छात्रों को दाखिला दिलवाना चाहिए और प्राइवेट स्कूलों को भी अपने स्कूल में गरीब बच्चों को दाखिला देना चाहिए। हरियाणा अभिभावक एकता मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा व जिला महासचिव एडवोकेट बीएस विरदी ने फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री से मांग की है कि प्रदेश के जिन प्राइवेट स्कूल संचालकों ने शिक्षा विभाग के आदेश के बाद भी आरटीई के हकदार पात्र छात्र-छात्राओं को दाखिला नहीं दिया है उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई करते हुए उनकी मान्यता रद्द की जाए। पंजाब प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की ओर से आरटीई दाखिले के खिलाफ दायर की गई एक याचिका को खारिज करते हुए हाईकोर्ट की डबल बेंच ने कहा है कि त्त्प एक्ट में गरीब बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना पूरी तरह से कानूनी सही है। हाईकोर्ट ने साफ किया कि सभी प्राइवेट बिना सहायता प्राप्त स्कूलों को कक्षा 1 या एंट्री लेवल में 25 प्रतिशत सीटें आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित करनी ही होंगी। यह उनका कानूनी और संवैधानिक कर्तव्य है। कोर्ट ने पंजाब सरकार के ऑनलाइन आवेदन, स्कूल मैपिंग और ड्रॉ ऑफ लॉट्स (लकी ड्रा) के जरिए दाखिला देने की पूरी व्यवस्था को जायज और सही ठहराया है। अदालत ने यह भी साफ किया कि जिन बच्चों का नाम ऑनलाइन ड्रा में आ चुका है, प्राइवेट स्कूल उन्हें दाखिला देने से मना नहीं कर सकते। मंच के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ओपी शर्मा व जिला अध्यक्ष एडवोकेट शिवकुमार जोशी ने कहा है कि हरियाणा सरकार गरीब बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में दाखिला दिलाने में पूरी तरह से असफल साबित हुई है। जिला शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद ने गत वर्ष सीबीएसई के 28 स्कूलों व इस वर्ष 44 स्कूलों द्वारा पात्र छात्रों को दाखिला न देने की सूची व शिकायत शिक्षा निदेशक को भेजकर दोषी स्कूलों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की सिफारिश की थी।

हत्या का मामला दर्ज

पीजी संचालक की गोली मारकर हत्या करने का आरोपी पूर्व फौजी दिल्ली से दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

सेक्टर-14 थाना क्षेत्र में रुपयों के लेन-देन को लेकर हुए विवाद में 32 वर्षीय पीजी संचालक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटों के भीतर आरोपी पूर्व फौजी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान 40 वर्षीय अमरजीत ग्रेवाल उर्फ अमरजीत फौजी निवासी गांव बामला, जिला भिवानी के रूप में हुई है। आरोपी ने पीजी संचालक ने वर्ष 2021 में करीब 6.5 लाख रुपए उधार लिए थे। इसी रकम को लेकर हुए विवाद के दौरान पूर्व फौजी ने गुस्से में अपनी लाइसेंसी पिस्टल से गोली चला दी। पुलिस अब आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने बताया कि मंगलवार 8 सितंबर को सूचना मिली थी कि आचार्य पुरी (गंगा विहार) निवासी हेमंत कौशिक को गोली लगी है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस टीम अस्पताल पहुंची, जहां डॉक्टरों ने हेमंत को मृत घोषित कर दिया।

मृतक के दोस्त की शिकायत पर सेक्टर-14 थाने में हत्या सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि हेमंत कौशिक और अमरजीत ग्रेवाल के बीच लंबे समय से रुपयों के लेन-देन का विवाद चल रहा था। मंगलवार शाम अमरजीत पैसे लेने के लिए हेमंत से मिलने पहुंचा था। बातचीत के दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर अमरजीत ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकालकर हेमंत के माथे में गोली मार दी और मौके से फरार हो गया।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दलीप उर्फ जस्सी उर्फ सनी पुत्र श्री सरदार सिंह निवासी मकान नंबर एच–37, दूसरी मंजिल, संतगढ़ तिलक नगर, नई दिल्ली** ने **FIR No. 460/2024 U/S 304(2)/317(2)/3(5), अन्तर्गत थाना तिलक नगर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दलीप उर्फ जस्सी उर्फ सनी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दलीप उर्फ जस्सी उर्फ सनी** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये खुद को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 460/2024 U/S 304(2)/317(2)/3(5), अन्तर्गत थाना तिलक नगर, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दलीप उर्फ जस्सी उर्फ सनी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.10.2026** को या इरासे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री विकास मदान
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–07 (पश्चिम)
कमरा नंबर 289, दूसरी मंजिल
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/12764/WD/2026(Court Matter)

सत्य निकेतन हादसा : इमारतों पर चला हथौड़ा, 34 भवनों में तोड़फोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सत्य निकेतन क्षेत्र में बुधवार को नगर निगम ने पी-13 वाली खतरनाक इमारत को ढहाने की कार्रवाई शुरू कर दी। यह इमारत रविवार को जमींदोज हुए उसी के साथ जुड़ी हुई थी। हादसे के समय ही निगम ने साथ वाली पी-13 इमारत को खतरनाक घोषित करते हुए तीन दिन में तोड़ने का नोटिस जारी किया था। नोटिस के तीन दिन पूरे होने के बाद बुधवार को सुबह ही निगम का तोड़फोड़ दस्ता पहुंच गया और अधिकारियों के दिशा निर्देश पर तोड़ फोड़ शुरू कर दी।

वहीं दूसरी तरफ निगम ने खतरनाक एवं अवैध भवनों के खिलाफ सभी 12 जोनों में कार्रवाई तेज कर दी। निगम द्वारा दी गई जानकारी अनुसार बुधवार को 34 भवनों पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। जबकि निगम ने 17 संपत्तियों को सील कर दिया गया। वहीं निगम ने 22 को कारण बताओ नोटिस एवं 4 के लिए ध्वस्तीकरण आदेश जारी कर दिए। एमसीडी ने राजधानी के सभी 12 जोनों में खतरनाक भवनों, अनधिकृत निर्माण तथा दिल्ली के मास्टर प्लान और भवन उपनियमों के उल्लंघन के खिलाफ अपनी प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी है। निगम ने कल भी प्रवर्तन कार्रवाई की गई थी, जिसके दौरान दिल्ली के मास्टर प्लान एवं भवन उपनियमों के उल्लंघन के चलते 17 संपत्तियों को ध्वस्त किया गया तथा 5 अन्य संपत्तियों को सील किया गया। निगम अनुसार प्रवर्तन अभियान के दौरान संपत्ति संख्या 1412, गली गोंडनी वाली, कूचा चेलान, जामा मस्जिद में ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ग्राउंड फ्लोर की छत के दो पैनल तथा एक पार्टिशन दीवार को थाना जामा मस्जिद पुलिस स्टाफ की सहायता से ध्वस्त कर दिया गया। इसी प्रकार, संपत्ति संख्या 3881, सड़क प्रेम नारायण, बाजार सीताराम में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। इसके अलावा, विकास नगर और सेक्टर-17, द्वारका में खतरनाक घोषित संपत्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई संरचनात्मक रूप से असुरक्षित भवनों के विरुद्ध एमसीडी द्वारा चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। संपत्ति संख्या सी-1/19, राणा प्रताप बाग में ध्वस्तीकरण कार्रवाई के दौरान तीसरी मंजिल पर आरसीसी छत के चार पैनल तथा पहली मंजिल पर आरसीसी स्लैब के एक पैनल को ध्वस्त किया गया। इसी प्रकार, संपत्ति संख्या डी-2ए सरदार नगर, मॉडल टाउन में भी ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। एमसीडी ने स्पष्ट किया है कि अनधिकृत निर्माण, संपत्तियों के दुरुपयोग तथा खतरनाक भवनों के खिलाफ प्रवर्तन कार्रवाई आने वाले दिनों में और तेज की जाएगी। ऐसी कई अन्य संपत्तियों की पहचान की जा चुकी है, जिनके खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जानी है।

बुलडोजर संग खुलेगी फाइलों की परतें: रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में अवैध निर्माण की बेलगाम व्यवस्था पर अब सिर्फ बुलडोजर नहीं चलेगा, बल्कि उन फाइलों की भी परतें खोली जाएंगी जिनके बीच वर्षों से अवैध मंजिलें खड़ी होती रहीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली नगर निगम को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि अवैध निर्माण के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की जाए और दिल्ली के विभिन्न इलाकों में नियमों के विरुद्ध खड़ी इमारतों पर कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही दिल्ली के सभी पीजी और हॉस्टलों का सघन निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। लेकिन मुख्यमंत्री के आदेश का सबसे अहम और सबसे तीखा हिस्सा यह है कि कार्रवाई केवल भवन मालिक या संचालक तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार अब यह भी जानना चाहती है कि जिस भवन में अवैध निर्माण हुआ, वह किस वर्ष हुआ, उस समय संबंधित क्षेत्र किसके अधिकार क्षेत्र में था और आखिर जिम्मेदार अधिकारी क्या कर रहे थे। यानी सवाल सिर्फ यह नहीं कि अवैध इमारत किसने बनाई? अब सवाल यह भी उठेगा कि उसे बनने किसने दिया? इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने दिल्ली नगर निगम के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को भी ग्राउंड पर रहने और कार्रवाई की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। यानी अब केवल फाइलों में नोटिंग और नीचे के अधिकारियों से रिपोर्ट मंगाने के बजाय वरिष्ठ स्तर पर भी मौके की जवाबदेही तय करने की तैयारी है।

मुख्यमंत्री ने दिल्ली के सभी पीजी और हॉस्टलों का सघन निरीक्षण कराने के निर्देश दिए हैं। जांच में यह देखा जाएगा कि भवन स्वीकृत नक्शे के अनुसार बना है या नहीं, कहीं अतिरिक्त मंजिलें तो नहीं जोड़ी गईं, भवन का इस्तेमाल अनुमति के अनुरूप हो रहा है या नहीं और सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा है या नहीं। हाल के हादसों के बाद खास तौर पर उन इलाकों पर नजर रहेगी जहां बड़ी संख्या में छात्र, नौकरीपेशा युवा और अन्य लोग पीजी या किराये के हॉस्टलों में रह रहे हैं।

हादसे के बाद खुली सरकारी सिस्टम की आंखें?

दिल्ली में हाल ही में हुए सत्य निकेतन भवन हादसे और कुछ माह पहले हुए अन्य भवन हादसों के बाद अवैध निर्माण और जर्जर इमारतों को लेकर सरकारी तंत्र पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। हर हादसे के बाद जांच, कार्रवाई और जिम्मेदारी तय करने की बात होती है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब किसी इमारत में एक के बाद एक अतिरिक्त मंजिलें बन रही थीं, निर्माण सामग्री पहुंच रही थी और भवन का स्वरूप बदल रहा था, तब निगरानी तंत्र आखिर कहां था?

'पुराने बिल्डिंग रिकॉर्ड खंगालने के दिए निर्देश'

सत्य निकेतन भवन हादसे के बाद अब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस पूरी व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा कर दिया है। उन्होंने दिल्ली नगर निगम को केवल कार्रवाई करने के बजाय पुराने बिल्डिंग रिकॉर्ड खंगालने के निर्देश दिए हैं। संबंधित भवन की स्वीकृति, नक्शा, निर्माण का इतिहास और अवैध हिस्से के बनने की अवधि की जांच की जाएगी। इससे उन मामलों में अधिकारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में आ सकती है, जहां अवैध निर्माण लंबे समय तक चलता रहा और कार्रवाई समय रहते नहीं हुई।

'सिर्फ मालिक पर कार्रवाई से नहीं चलेगा काम'

दिल्ली में अवैध निर्माण का सवाल वर्षों पुराना है। किसी इमारत पर कार्रवाई होती है तो भवन मालिक या निर्माणकर्ता को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। लेकिन जिस व्यवस्था के सामने यह निर्माण हुआ, उसकी भूमिका अक्सर सवालों के घेरे में आने के बावजूद स्पष्ट नहीं हो पाती। यही वजह है कि मुख्यमंत्री के नए निर्देश को महज एक सामान्य अतिक्रमण या डिमोलिशन ड्राइव से अलग माना जा रहा है। यदि रिकॉर्ड की वास्तविक और निष्पक्ष पड़ताल हुई तो यह सामने आ सकता है कि अवैध निर्माण किस अवधि में हुआ, उस दौरान निरीक्षण किस अधिकारी के जिम्मे था, कोई शिकायत दर्ज हुई थी या नहीं और शिकायत के बाद कार्रवाई क्यों नहीं हुई। मुख्यमंत्री का निर्देश साफ संदेश देता है कि बुलडोजर सिर्फ दीवारों पर नहीं चलेगा, अब जवाबदेही की फाइलें भी खुल सकती हैं।

'अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त रूप अपनाएं अधिकारी'

दिल्ली के कई इलाकों में कार्रवाई शुरू की जानी है और एमसीडी अधिकारियों को अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाने को कहा गया है। लेकिन इस पूरे अभियान की असली परीक्षा कार्रवाई के बाद होगी। क्या केवल कुछ इमारतों पर बुलडोजर चलाकर अभियान खत्म हो जाएगा? या फिर उन अधिकारियों और जिम्मेदार तंत्र की भी पहचान होगी जिनकी निगरानी में नियमों की धज्जियां उड़ती रहीं? क्योंकि अवैध इमारतें रातोंरात आसमान से नहीं उतरतीं। एक-एक ईंट लगती है, मंजिल-दर-मंजिल निर्माण होता है और सवाल यह है कि इस दौरान सिस्टम की नजर आखिर कहां थी?

पीजी संचालक सुधांशु भी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सत्य निकेतन पीजी इमारत हादसे के सिलसिले में पांचवी गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने पीजी का संचालन करने वाले सुधांशु को गिरफ्तार किया है। एक दिन पहले पुलिस ने लेबर ठेकेदार सनोज को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पीजी संचालक सुधांशु से पूछताछ की जा रही है। इससे पहले पुलिस ने भवन ढहने के सिलसिले में इमारत की मालिक 75 वर्षीय उर्मिला गुप्ता, वायु सेना से सेवानिवृत्त 81 साल के उनके पति हरिराम गुप्ता और उनके बेटे महेश गुप्ता (52) को गिरफ्तार किया था। वहीं इमारत के बेसमेंट में मरम्मत का काम करवा रहे ठेकेदार सनोज को उत्तर प्रदेश के कासगंज से गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान महेश ने कहा कि वह अपने माता पिता की ओर से इमारत की रखरखाव का काम देखता था। परिवार ने अगस्त 2025 में पीजी संचालक 'हॉस्टल डेज' को यह इमारत लीज पर दी थी। सूत्रों ने बताया कि इमारत के मालिक महेश ने अगस्त 2025 में सुधांशु और उसके कारोबारी साझेदार शुभम त्यागी को इमारत लीज पर दी थी। बाद में दोनों ने 'हॉस्टल डेज' नाम से पीजी शुरू कर दिया। त्यागी फिलहाल फरार है और उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

'पीजी भवनों में पहुंच रही है निगम की टीमें'

नई दिल्ली। सत्य निकेतन में रविवार को इमारत ढहने के हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम के भवन विभाग की टीमें अलग अलग क्षेत्रों में चल रहे पीजी भवनों में दस्तक दे रही है। निगम का दावा है कि दिल्ली भर में पेइंग गेस्ट (पीजी) के आवासीय भवनों का व्यापक फील्ड सर्वेक्षण किया जा रहा है। इसका उद्देश्य एक व्यापक डेटाबेस तैयार करना तथा आगे की कार्रवाई के लिए रणनीति निर्धारित करना है। निगम द्वारा दी गई जानकारी अनुसार अब तक किए गए सर्वेक्षण के दौरान लगभग 1,243 ऐसे भवनों की पहचान की गई है, जहां पीजी सुविधाएं संचालित हो रही हैं। इन भवनों में लगभग 24,000 लोग रह रहे हैं। एमसीडी द्वारा अब ऐसे संवेदनशील पीजी भवनों की पहचान और वर्गीकरण किया जा रहा है, जिनमें आरसीसी फ्रेम्ड संरचना वाले 5 से अधिक मंजिलों के भवन अथवा लोड-बेयरिंग ईंट की दीवारों वाले 4 से अधिक मंजिलों के भवन शामिल हैं। निगम का कहना है कि फील्ड सर्वेक्षण के आधार पर भवनों को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा रहा है, दृष्टिगत रूप से सुरक्षित, दृष्टिगत रूप से मरम्मत योग्य , मामूली मरम्मत आवश्यक, दृष्टिगत रूप से मरम्मत योग्य, व्यापक मरम्मत आवश्यक, दृष्टिगत रूप से संवेदनशील, खतरनाक। सर्वेक्षण का कार्य दिल्ली भर में जारी है और इसे 10 सितंबर, 2026 तक पूरा करने के निर्देश जारी किए गए हैं। एमसीडी द्वारा चिन्हित भवनों की लगातार निगरानी की जा रही है तथा जहां भी नियमों का उल्लंघन, संरचनात्मक कमजोरी, अनधिकृत निर्माण अथवा सुरक्षा संबंधी अन्य चिंताएं पाई जाएंगी, वहां लागू प्रावधानों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा एमएलए अनिल शर्मा हैं पीजी संचालक, सरकार करे कार्रवाई : संजीव

नई दिल्ली। आदम आदमी पार्टी ने सत्य निकेतन में पीजी संचालकों को भाजपा विधायक अनिल शर्मा का संरक्षण प्राप्त होने के आरोप लगाए है। बुधवार को विधायक संजीव झा ने प्रेसवार्ता के दौरान आरोप लगाए कि भाजपा विधायक अनिल शर्मा 500 वर्ग गज के पीजी व 500 वर्ग गज के मकान मालिक कैसे बन गए, इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1986 के लैंड रिकॉर्ड के अनुसार अनिल शर्मा के पिता को 307 वर्ग गज ही जमीन अलॉट हुई थी। लेकिन वह बढ़ कैसे गई इसकी भी जांच होनी चाहिए। एमएलए ने कहा कि भाजपा सरकार को चाहिए कि वह इस क्षेत्र में बुलडोजर की कार्रवाई अनिल शर्मा के अवैध पीजी से ही शुरू कर एक नजीर पेश करे। इस मौके पर झा के अलावा विधायक कुलदीप कुमार व राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा भी मौजूद थे। झा ने आरोप लगाए कि सत्य निकेतन में चल रहे अवैध पीजी कारोबार को लेकर वहां की एक बच्ची का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें बताया गया है कि यह सब विधायक अनिल शर्मा के संरक्षण में चल रहा है। सीएम रेखा गुप्ता भी वहां गई थी तो लोगों ने उन्हें भी ये जानकारी जरूर दी होगी। उन्होंने कहा कि 500 वर्ग गज में बने पीजी के बगल में विधायक अनिल शर्मा का घर भी 500 गज में पीजी है।

पीड़ित परिवारों को दो-दो करोड़ का मुआवजा दें सरकार : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भाजपा सरकार से सत्य निकेतन पीजी छात्रावास इमारत ढहने में मरने वाले पांच छात्रों के माता-पिता को तत्काल दो-दो करोड़ रुपये और घायल छात्रों को 50-50 लाख रुपये का वित्तीय मुआवजा देने की अपील की है। घायल छात्रों को पूरी तरह से ठीक होने में कई महीने लगेंगे और फिर से पढ़ाई शुरु करने में उन्हें मुआवजे की राशि से मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मृतक छात्रों की पहचान अभिषेक, युवराज सोनी, पवन, अर्पित जाज और अक्षत सिंह यादव के रूप में की गई है, जबकि अन्य दो अन्यों में एक मजदूर और क्षेत्र का एक वृद्ध निवासी शामिल है। हमारी मांग है कि उनके परिवारों को भी दो-दो करोड़ रुपये की वित्तीय राहत दी जानी चाहिए। यादव ने कहा कि हालांकि कोई भी राशि पीड़ति माता-पिता के नुकसान और दर्द की भरपाई नहीं कर सकती है, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए अपने बच्चों को काफी खर्च करके दिल्ली पढ़ने के लिए भेजा। ताकि उनका भविष्य उज्ज्वल हो और एक दिन वे भी डॉक्टर, इंजीनियर, कंपनियों के प्रशासकों या सीईओ के रूप में देश के विकास और विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। परंतु अत्यंत दर्दनाक है कुछ व्यक्तियों और अधिकारियों के लालच और भ्रष्टाचार के कारण एक झटके में धराशाही हुई इमारत ने युवाओं के जीवन को ही छीन लिया। यादव ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने वाले अधिकांश छात्रों के माता-पिता आम लोग हैं जो अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए किसी भी प्रकार का त्याग और पीड़ा सहन करके उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं।

बुधवार को गीता कॉलोनी में एक बिल्डिंग में तोड़-फोड़ करते निगम कर्मचारी। फोटो : एजेंसी

आप की छात्र इकाई ने छात्रों की याद में आयोजित की श्रद्धांजलि सभा

नई दिल्ली। सत्य निकेतन पीजी में मासूम बच्चों के दर्दनाक निधन पर आप पार्टी की छात्र विंग एसैप ने बुधवार को तालकटोरा स्टेडियम में श्रद्धांजलि एवं प्रार्थना सभा का आयोजन कर उनको याद किया। श्रद्धांजलि सभा में आप प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, एसैप के डूसू प्रेसिडेंट के उम्मीदवार पंकज कुमार, कई पार्षद और छात्र सहित आम लोग शामिल थे। इस अवसर पर भारद्वाज सहित सभी पीजी हादसे में दिवंगत छात्रों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। अपने सबोधन में भारद्वाज ने कहा कि रविवार को हुए इस हादसे ने पीजी में रह कर पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों को झकझोर दिया है इस मौके पर पंकज कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों के लिए जल्द हॉस्टल बनाए और हॉस्टल बनने तक उन्हें पीजी का किराए दे। उन्होंने कहा कि एसैप केंद्र सरकार से यह मांग करती है कि छात्रों के लिए जल्द से जल्द एक हॉस्टल की जमीन अलॉट कराई जाए। अगर सरकार हॉस्टल के लिए जमीन अलॉट नहीं करा सकती है, तो जितने भी बच्चे पीजी और फ्लैट में रह रहे हैं, उनके किराए का पूरा भुगतान केंद्र सरकार को करना चाहिए।

छात्रों के लिए वैकल्पिक आवास की संभावनाएं तलाशे डीडीए: संधू

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सत्य निकेतन पीजी भवन हादसे के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू ने बुधवार को लोक निवास में डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवन कुमार से मुलाकात की और छात्रों के लिए वैकल्पिक आवास की संभावनाओं की समीक्षा की। उन्होंने डीडीए अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीजी (पेइंग गेस्ट) आवास के लिए उपयुक्त भूमि के भूखंड़ों की पहचान की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। इसके साथ ही एक ठोस एवं क्रियान्वयन योग्य कार्ययोजना भी तैयार की जाए तथा विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ मिलकर नए मास्टर प्लान में हॉस्टल सुविधाओं के विकास से संबंधित प्रावधानों पर काम किया जाए। उपराज्यपाल ने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दिल्ली में छात्रों को सुरक्षित, किफायती और सम्मानजनक आवास की सुविधा उपलब्ध हो।

'निजी पीजी स्थलों में मची है भगदड़, छात्रों के सामने नए कमरों की समस्या'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सत्य निकेतन में रविवार को निजी पीजी हादसे में सात की मौत के बाद एक्शन में आई दिल्ली सरकार व नगर निगम के बाद राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे पीजी व निजी हॉस्टल संचालकों में खलबली मची हुई है। इनमें विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस के इर्द गिर्द के क्षेत्रों में सबसे ज्यादा खलबली देखने को मिल रही है। जैसे मुखर्जी नगर, जीटीबी नगर, किंग्सवे कैंप, विजय नगर, कमला नगर, शक्ति नगर, गुलाबी बाग, मल्कागंज, तिमारपुर, गांधी विहार, गोपालपुर, सोनिया विहार आदि। इनके अलावा कटवारिया सराय, लक्ष्मी नगर, राजेंद्र नगर, करोल बाग, ग्रेटर कैलाश, मुनिरका, उत्तम नगर, देवली, अंबेडकर नगर, साकेत, ढका गांव, धीरपुर, निरंकारी आदि शामिल है। नॉर्थ कैंपस के नजदीक निजी पीजी की संख्या सबसे अधिक है। सत्य निकेतन हादसे के बाद कई इन संचालकों ने छात्रों को जल्द से जल्द पीजी छोड़ने के लिए दबाव बना रखा है। मजबूरी में छात्रों को पीजी खाली कर अन्य क्षेत्रों में ठिकाना तलाशने के लिए धक्के खाने पड़ रहे है।

इनमें लड़कियों के सामने लड़कों से कहीं ज्यादा दिक्कत खड़ी हो रही है। ऐसे छात्रों ने अपने अपने घर माता पिता व अन्य को वस्तु स्थिती से अवगत करा दिया है। कई अभिभावकों ने दिल्ली में अपने दूर दराज के पहचान व रिश्तेदारों को फोन द्वारा रहने के लिए जगह तलाशने में बच्चों की मदद करने की अपील की है। ऐसे में बढ़ा सवाल है कि एकाएक आसानी से कमरा किराए पर कहां और कैसे मिलेगा। मजबूरी में छात्र अब बुराड़ी, मजलिस पार्क, आदर्श नगर, रानी बाग, त्रिनगर, शालीमार बाग, पीतमपुरा, मॉडल टाउन, आजादपुर आदि जगहों पर नए आशियाने की तलाश कर रहे है। नाम नहीं छापने की शर्त पर मुखर्जी नगर के एक बड़े पीजी संचालक ने बताया कि बेशक हमारी इमारत में कोई कमी नहीं है। लेकिन जब सरकार सख्ती करती है तो कुछ भी हो सकता है। इसलिए फिलहाल पीजी खाली करने के लिए छात्रों से बार बार कहना पड़ रहा है। विजय नगर डबल स्टोरी में गत पांच साल से ठेके पर इमारत लेकर पीजी संचालन करने वाले बड़े भाई (क्षेत्रीय नाम) का कहना है कि हादसा कहीं भी हो गाज हम जैसों पर भी गिरती है। बड़े भाई का कहना है कि कुछ दिनों की बात है फिर मामला शांत होते ही सब सामान्य हो जाएगा। छात्र देवाषिश का कहना है कि हमारे पीजी संचालक ने जल्द से जल्द कमरा खाली करने के लिए दबाव बना रखा है।

ऐसे में मेरे परिवार ने फिलहाल चितरंजन पार्क में रहने वाले एक रिश्तेदार से कमरे का इंतजाम करने के लिए बोला है। बता दें कि दिल्ली विवि से संबंधित कॉलेजों में से लगभग 20 कालेज परिसरों में छात्रावास बने है, जिनकी क्षमता 7 हजार बिस्तर है। ऐसे में जाहिर है कि शेष हजारों छात्रों को निजी छात्रावास या निजी पीजी में रहना पड़ता है। हर साल कुछ विदेशी सहित देशभर से दिल्ली विवि में लगभग 72 हजार के आसपास छात्र दाखिला लेते है। ऐसे में उनके रहने के लिए उचित छात्रावास की कमी ने पीजी व निजी हॉस्टल संचालकों के लिए मोटी कमाई का रास्ता खोल रखा है। एक कमरे में अकेले से लेकर दो छात्रों के लिए रहने की व्यवस्था होती है। सुख सुविधाओं व लोकेशन के हिसाब से एक कमरे का किराया 4 से 25 हजार रुपए तक हो सकता है। संपन्न परिवारों से आने वाले छात्र अकसर निजी पीजी को ज्यादा पसंद करते है। क्योंकि जहां सरकारी छात्रावास में कई प्रकार की बंदिशें व पाबंदियां होती हैं वहीं पीजी में घूमने फिरने, खाने पीने, आने जाने की अधिक सुविधा होती है।

बिना किसी देरी के छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला: सूद

नई दिल्ली। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने कहा कि चिराग दिल्ली में जर्जर इमारत में दरार सामने आने के बाद दिल्ली सरकार ने बिना किसी देरी के प्री-एम्प्टिव एक्शन लेते हुए छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला और उनके रहने की तत्काल व्यवस्था की। लेकिन सवाल उन लोगों से भी है, जो आज अकाउंटेबिलिटी की बातें कर रहे हैं। मंत्री सूद ने विपक्ष पर निशान साधते हुए कहा कि हमारी सरकार का फोकस पहले सुरक्षा पर है और बाद में राजनीति करने पर है। दिल्ली सरकार विवादों में नहीं, समाधान में विश्वास करती है। आम आदमी पार्टी के बेरोज़गार नेता 10 साल तक इस क्षेत्र के विधायक रहे, सरकार में मंत्री रहे और आज भी यहां आम आदमी पार्टी का पार्षद है। ऐसे में उन्हें दूसरों से सवाल पूछने से पहले अपने कार्यकाल और अपने संगठन की भूमिका पर भी जवाब देना चाहिए।

न्यूट्रिशस डाइट-एक्सरसाइज और मेडिटेशन से रहता हूं हेल्दी-फिट

इन दिनों सोनी सब चैनल पर टेलिकास्ट हो रहे माइथॉलॉजिकल सीरियल 'हस्तिनापुर के वीर' में महामंत्री विदुर का किरदार एक्टर विकास सलगोत्रा निभा रहे हैं। वे अपनी हेल्थ, फिटनेस को लेकर काफी कॉन्शस रहते हैं। इसके लिए वे किस तरह के एफर्ट्स करते हैं, अपना फिटनेस फंडा शेयर कर रहे हैं अपनी जुबानी।

फिटनेस फंडा
विकास सलगोत्रा

मेरा मानना है कि फिट रहने के लिए सिर्फ एक्सरसाइज ही नहीं, बल्कि सही डाइट, पर्याप्त मात्रा में पानी पीना और मानसिक शांति भी जरूरी है। मैं सप्ताह में कम से कम पांच दिन एक्सरसाइज जरूर करता हूं। अपने फिटनेस रूटीन में मसल बिल्डिंग के साथ कैलिस्थेनिक्स को भी शामिल करता हूं।

मेरा डाइट प्लान

मेरे लिए एक अच्छा डाइट प्लान वह है, जिसमें शरीर और दिमाग को मजबूत बनाने के लिए जरूरी सभी पोषक तत्व और फाइबर सही मात्रा में शामिल हों। मेरी डाइट में प्रोटीन, फाइबर, हेल्दी फैट्स, विटामिंस और मिनरल्स का बैलेंस्ड कॉम्बिनेशन होता है। मेरा मानना है कि फिटनेस के लिए सिर्फ कैलोरी पर ध्यान देने के बजाय पोषण पर भी ध्यान देना बहुत जरूरी है। इसलिए मेरी डाइट में सभी न्यूट्रिएंट्स बैलेंस्ड मात्रा में उपस्थित रहते हैं।

मेरा वर्कआउट रूटीन

मैं आमतौर पर सप्ताह में पांच दिन एक्सरसाइज करता ही हूं। मेरे वर्कआउट रूटीन में मसल बिल्डिंग के साथ कैलिस्थेनिक्स का कॉम्बिनेशन रहता है। इससे स्ट्रेंथ और बॉडी कंट्रोल दोनों पर मैं वर्क कर पाता हूं। इससे मुझे एनर्जेटिक और एक्टिवनेस फील होती है। बिजी शेड्यूल के बावजूद थकावट महसूस नहीं होती है।

टाइम करता हूं मैनेज

वैसे तो मैं जिम में जाकर वर्कआउट करना प्रेफर करता हूं लेकिन अगर शूटिंग की वजह से बहुत ज्यादा बिजी रहता हूं और जिम जाने का समय नहीं मिल पाता, तो मैं घर पर ही कुछ देर वर्कआउट करना पसंद करता हूं। बॉडी-वेट एक्सरसाइज और योग को अपनी रूटीन में शामिल कर लेता हूं। मेरा मानना है कि फिटनेस के लिए जरूरी नहीं कि हर बार जिम ही जाना पड़े, बल्कि उपलब्ध समय और जगह में भी एक्टिव रहा जा सकता है। इसलिए मैं टाइम मैनेज करता हूं और सुविधानुसार घर या जिम में कुछ समय वर्कआउट जरूर करता हूं। हमें इस बात को समझना होगा कि जैसे हमारा वर्क, प्रोफेशन जरूरी है, उतना ही अधिक जरूरी हमारी हेल्थ का फिट रहना भी है। इसलिए अपनी हेल्थ-फिटनेस के लिए टाइम जरूर मैनेज करता हूं।

मेंटल हेल्थ के लिए

मानसिक रूप से स्वस्थ और शांत महसूस करने के लिए ध्यान यानी मेडिटेशन करता हूं और कुछ योगासनों का भी अभ्यास करता हूं। रोजाना भ्रामरी और भस्त्रिका प्राणायाम करने की कोशिश करता हूं। इससे मन को शांत रखने में मदद मिलती है और मुझे लगता है कि यह मानसिक एकाग्रता और ब्रेन की क्षमता को बेहतर बनाने में भी सहायक है।

मेरा फिटनेस आइडल

मेरे फिटनेस आइडल अक्षय कुमार हैं। उनकी फिटनेस, डिसिप्लीन और लगातार खुद को फिट रखने की प्रतिबद्धता मुझे काफी प्रेरित करती है। उन्होंने अपने आपको जिस तरह से मेंटेन किया हुआ है, वैसा कम ही लोग कर पाते हैं, इसीलिए वे बहुत से लोगों के फिटनेस आइडल हैं।

पाठकों को मैसेज

मेरा फिटनेस फंडा बहुत सिंपल है, फ्रेश और हेल्दी खाना खाएं, जंक फूड से बचें और ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें, जिनमें ज्यादा प्रिजर्वेटिव्स हों। फ्राइड फूड से भी जितना हो सके बचना चाहिए। सप्ताह में कम से कम तीन दिन एक्सरसाइज जरूर करें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। फिटनेस के लिए निरंतरता सबसे ज्यादा जरूरी है। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

आप कितनी लंबी उम्र जिएंगे, ओल्ड एज में आपका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य कैसा रहेगा, यह इस बात पर भी बहुत निर्भर करता है कि आपने मिड एज से किस तरह की लाइफस्टाइल को अपनाया है। अगर आप मिड एज से गुजर रहे हैं तो अपनी लाइफस्टाइल और फूड हैबिट में जरूरी सुधार तुरंत कर लें। इससे बढ़ती उम्र में आप लंबे समय तक हेल्दी रहेंगे।

मिडिल एज में ऐसी हो लाइफस्टाइल स्वस्थ रहेगा तन-मन-जिएंगे लंबी आयु

हेल्थ एडवाइस
शिखर चंद जैन

चालीस से पचास की उम्र में आप अपने शरीर और मन के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, उसका आने वाले दशकों में आपकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उम्र बढ़ने से जुड़ी कई बीमारियों, जिनमें हृदय रोग, मधुमेह, कैंसर और डिमेंशिया शामिल हैं के बीज मध्य आयु में ही पड़ने लगते हैं। इसलिए इस उम्र में ही बचाव के उपाय शुरू करना बेहद महत्वपूर्ण है। अमेरिका की ब्रांडीज यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर और 'प्राइम टाइमः अ न्यू विजन फॉर मिडलाइफ' की लेखिका मार्जी लैकमैन कहती हैं कि मध्य आयु बदलाव करने का आदर्श समय है। इससे आपको न केवल वर्तमान में लाभ मिलता है, बल्कि भविष्य में भी इसका फायदा मिलता है। विशेषज्ञों से बातचीत के आधार पर सामने आए कुछ छोटे-छोटे उपाय जीवन में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

इंटरवल ट्रेनिंग

हृदय और फेफड़ों की अच्छी क्षमता लंबी उम्र के सबसे बेहतर संकेतकों में से एक है। उम्र बढ़ने के बाद भी सक्रिय और गतिशील बने रहने के लिए कार्डियो-रेस्पिरेटरी फिटनेस महत्वपूर्ण है। इसे बेहतर बनाने का एक तरीका इंटरवल ट्रेनिंग है। उदाहरण के लिए, ट्रेडमिल पर सामान्य गति से 30 सेकेंड चलें, फिर 30 सेकेंड तेज दौड़ें और उसके बाद 30 सेकेंड आराम करें। इस क्रम को लगभग 10 बार दोहराया जा सकता है। इस तरह का छोटा वर्कआउट लंबे समय तक सामान्य गति से व्यायाम करने की तुलना में अधिक प्रभावी हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, व्यायाम करते समय स्वयं को थोड़ा चुनौती देना जरूरी है।

डेली पर्याप्त नींद लें

बहुत कम नींद लेना कई स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ा हुआ है। इनमें मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और डिमेंशिया जैसी बीमारियां शामिल हैं। कम

नींद का संबंध जीवनकाल कम होने से भी जोड़ा गया है। विशेषज्ञ सामान्यतः रात में लगभग आठ घंटे की नींद लेने की सलाह देते हैं, हालांकि हर व्यक्ति की आवश्यकता अलग हो सकती है। सिर्फ नींद के घंटों की संख्या पर ध्यान देने के बजाय नियमित नींद की आदत बनाना अधिक महत्वपूर्ण है। हर दिन लगभग एक ही समय पर सोने और जागने की कोशिश करें। सोने और जागने का नियमित समय अच्छी नींद का मजबूत संकेतक माना जाता है और अलग-अलग कई शोधों में इस नियम को नींद की कुल अवधि से भी अधिक महत्वपूर्ण पाया गया है।

दोस्तों के लिए समय निकालें

कई विशेषज्ञों ने सामाजिक संबंधों को लंबे समय तक अच्छे शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है। लोग अकसर सामाजिक संपर्क को केवल मनोरंजन मानते हैं, जबकि वास्तव में यह स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि किसी दोस्त के साथ मिलकर ऐसे काम करें, जो आपकी कार्य सूची में शामिल हों।

उदाहरण के लिए, किसी दोस्त के साथ टहलने जाएं, साथ में व्यायाम करें या साथ-साथ किराने का सामान खरीदने जाएं। इससे शारीरिक गतिविधि और सामाजिक मेलजोल दोनों एक साथ हो जाते हैं। साथ ही आपका काम भी हो जाएगा।

फर्मेंटेड फूड्स खाएं

जब हम शरीर के स्वास्थ्य के बारे में सोचते हैं तो अकसर आंतों में रहने वाले खरबों सूक्ष्मजीवों यानी गट माइक्रोबायोम को भूल जाते हैं। एक हेल्दी गट माइक्रोबायोम, अच्छी हेल्थ और लंबी उम्र से जुड़ा हुआ है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को नियंत्रित करने और शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है। शरीर में लंबे समय तक रहने वाली सूजन उम्र से जुड़ी कई बीमारियों का प्रमुख कारण मानी जाती है। अपने माइक्रोबायोम की देखभाल करने का एक अच्छा तरीका किण्वित यानी फर्मेंटेड खाद्य पदार्थ खाना है। इनमें ऐसे सूक्ष्मजीव होते हैं, जो आंतों के लिए लाभकारी हो सकते हैं। आप दिन की शुरुआत दही से कर सकते हैं। इसके अलावा किमची, कोंबुचा, इडली, कफिर जैसे खाद्य पदार्थ भी शामिल किए जा सकते हैं।

पर्याप्त मात्रा में लें प्रोटीन

30 की उम्र के बाद शरीर में मांसपेशियों का कम होना शुरू हो जाता है और 60 की उम्र के आस-पास यह प्रक्रिया और तेज हो सकती है। ऐसे में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन खाना और साथ में प्रतिरोधक रेजिस्टेंस ट्रेनिंग करना, मांसपेशियों के नुकसान को रोकने में मदद कर सकता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि हर व्यक्ति को बहुत अधिक मात्रा में प्रोटीन लेना चाहिए। सामान्य तौर पर शरीर के प्रत्येक किलोग्राम वजन के लिए लगभग 0.8 से 1.2 ग्राम प्रोटीन पर्याप्त माना जाता है। कुछ विशेषज्ञ 68 किलोग्राम वजन वाले व्यक्ति के लिए प्रतिदिन लगभग 54 से 81 ग्राम प्रोटीन की सलाह देते हैं। इसलिए आप वेजिटेरियन हों या नॉनवेजिटेरियन, प्रोटीन को हर भोजन में शामिल करना चाहिए।

वेट ट्रेनिंग को रूटीन में अपनाएं

एरोबिक फिटनेस जितनी जरूरी है, उतनी ही महत्वपूर्ण मांसपेशियों की ताकत भी है। शोध बताते हैं कि मांसपेशियों की ताकत का संबंध लंबी उम्र और वृद्धावस्था में स्वतंत्र रूप से जीवन जीने की क्षमता से है। इसके विपरीत, बहुत अधिक मांसपेशियां खो देना कमजोरी और गिरने के जोखिम को बढ़ा सकता है। रेजिस्टेंस ट्रेनिंग के दौरान मांसपेशियां शरीर को कुछ ऐसे अणु बनाने के लिए प्रेरित करती हैं, जिन्हें मायोकाइन्स कहा जाता है। इनमें से कुछ शरीर में सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं।

अगर आप जिम में डंबल वाली एक्सरसाइज को टाइम देते हैं तो अपने लिए थोड़ा अधिक वजन चुनने से डरें नहीं। लेकिन यदि आपने अभी शुरुआत की है तो धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं और सही तकनीक सीखें। इसका उद्देश्य यह होना चाहिए कि व्यायाम के बाद आपको लगे कि आपकी मांसपेशियों ने वास्तव में काम किया है, लेकिन इतना भी नहीं होना चाहिए कि अत्यधिक थकान या दर्द हो।

आंतों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें

हमारी आंतों में रहने वाले सूक्ष्मजीवों का समुदाय हमारे स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता है। स्वस्थ माइक्रोबायोम, प्रतिरक्षा प्रणाली को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करता है और शरीर में सूजन को नियंत्रित करता है। इसलिए भोजन में विभिन्न पोषक पदार्थों को शामिल करना, फाइबर से भरपूर खाद्य पदार्थ खाना और फर्मेंटेड फूड्स को शामिल करना आंतों के लिए उपयोगी है। इन बातों पर अमल करना बहुत लाभकारी हो सकता है। *

पैरेंट्स की हेल्थ हिस्ट्री को रखें ध्यान

जीवनशैली कई बीमारियों के जोखिम को प्रभावित करती है, लेकिन आनुवंशिकता की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए पैरेंट्स और फैमिली में किन बीमारियों का इतिहास रहा है, इसकी जानकारी भी रखें। अपने माता-पिता और अन्य करीबी रिश्तेदारों से उनके स्वास्थ्य के बारे में बात करें। अपने डॉक्टर से भी पूछें कि परिवार में किसी बीमारी का इतिहास होने पर आपको किस उम्र से कौन-सी जांच नियमित रूप से करवानी चाहिए और किन लक्षणों पर विशेष ध्यान देना चाहिए? इससे आपको अपनी हेल्थ केयर में हेल्प मिलेगी।

हल्दी सेवन करने के फायदे

आयुर्वेद
ललिता गोयल

किचेन में मौजूद हल्दी भारतीय रसोई का केवल एक मसाला नहीं है, बल्कि यह औषधीय गुणों का एक ऐसा खजाना है, जिसका इस्तेमाल सदियों से आयुर्वेद में किया जा रहा है। इसका पीला रंग और इसमें पाया जाने वाला मुख्य तत्व करक्यूमिन इसे एक शक्तिशाली प्राकृतिक औषधि बनाते हैं।

हल्दी एक ऐसा मसाला है, जिसे सेहत के लिए बेहद गुणकारी माना जाता है। आमतौर पर हल्दी को किसी भी खाने में कलर और स्वाद को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन हल्दी को गुणों का भंडार भी कहा जाता है। हल्दी को स्वाद, सेहत और सुंदरता को बढ़ाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

एंटीसेप्टिक-एंटीबायोटिक गुणों से भरपूर: हल्दी में एंटीसेप्टिक और एंटीबायोटिक गुण पाए जाते हैं। इतना ही नहीं इसमें कैल्शियम, आयरन, सोडियम, एनर्जी, प्रोटीन, विटामिन ई, विटामिन सी और फाइबर जैसे तत्व भी पाए जाते हैं, जो शरीर को कई लाभ पहुंचाने में मददगार होते हैं।

डाइट में ऐसे करें शामिल: हल्दी वाला दूध जिसे 'गोल्डन मिल्क' भी कहा जाता है, जोड़ों के दर्द में आराम, अच्छी नींद लाने में मदद करता है। एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पावडर मिलाकर पीने से सर्दी-जुकाम और शरीर दर्द से भी निजात मिलती है। रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास गरम पानी में आधा चम्मच हल्दी और काली मिर्च पावडर मिलाकर पीने से वजन कंट्रोल में रहता है और मेटाबॉलिज्म अच्छा होता है। सुबह खाली पेट एक गिलास गुनगुने पानी में आधा चम्मच हल्दी पावडर मिलाकर पीने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। दोपहर या रात के भोजन में, दाल, सब्जी और सूप में हल्दी का यूज करने से न्यूट्रीशन की डेली डोज मिलती है और डाइजेशन बेहतर होता है। शाम के समय हल्दी की हर्बल-टी पीने से गले की खराश और तनाव से राहत मिलती है।

मिलते हैं ये फायदे: हल्दी में एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-फंगल गुण होते हैं। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर मौसम बदलने पर होने वाले सर्दी, जुकाम और कफ से बचाती है। करक्यूमिन शरीर में पुरानी सूजन को कम करने में मदद करता है। *

(डाइटीशियन सवी जैन से बातचीत पर आधारित)

जाती हुई बारिश के इन दिनों में फ्रेश और एनर्जेटिक फील करने के लिए बार-बार चाय पीना फायदेमंद नहीं है। ऐसे में आप कुछ हर्बल ड्रिंक्स पी सकते हैं। इन्हें बनाना बहुत ईजी है और ये टेस्टी भी लगते हैं।

फील करें फ्रेश-एनर्जेटिक पिएं हर्बल-टेस्टी ड्रिंक्स

सजेशन
रेखा देशराज

बारिश के इस मौसम में चाय के बजाय एक नया विकल्प आपकी रसोई में जगह बना सकता है। ये है- हर्बल आइस टी और इन्फ्यूज्ड वाटर। ताजी जड़ी बूटियों, फलों, मसालों और पानी से तैयार ये पेय स्वाद में हल्के, देखने में आकर्षक और रोजमर्रा की हाइड्रेशन को मजेदार और बेहतर बनाने के शानदार विकल्प हैं।

क्या है इन्फ्यूज्ड वाटर: इन्फ्यूज्ड वाटर का मतलब है पानी में फल, सब्जियां, जड़ी बूटियां या मसालों की थोड़ी मात्रा डालकर कुछ समय के लिए छोड़ देना ताकि उनका स्वाद और सुगंध पानी में आ जाए। इसमें फलों का रस निकालकर मिलाना जरूरी नहीं होता। खीरा-पुदीना, नीबू-तुलसी, सेब-दालचीनी और संतरा-पुदीना जैसे संयोजन घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं। यह उन लोगों के लिए खास तौर पर उपयोगी हो सकता है, जिन्हें सादा पानी कम पसंद है और वो पानी पीने से कतराते हैं।

नहीं है डिटॉक्स वाटर: सोशल मीडिया में आमतौर पर इन्फ्यूज्ड वाटर को डिटॉक्स वाटर के रूप में प्रचारित किया जाता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि शरीर को डिटॉक्स करने का काम मुख्य रूप से हमारा लिवर और किडनी करते हैं, इसलिए ऐसे पेयों को चमत्कारिक डिटॉक्स उपचार के रूप में न देखें। बस स्वादिष्ट पानी के रूप में पिएं।

अगर बिना अतिरिक्त चीनी के इन्हें प्राकृतिक फ्लेवर में लिया जाए तो ये मीठे शीतल पेयों की तुलना में बेहतर विकल्प बन सकते हैं।

तुलसी-नीबू: तुलसी-नीबू वाटर का फ्रेश टेस्ट आपको बहुत भाएगा। इसे बनाना बहुत आसान है। एक जग में तुलसी की कुछ साफ पत्तियां डालें और नीबू के पतले-पतले टुकड़े काटकर भी डालें। अब इस जग को कुछ घंटे तक फ्रिज में रख दें। पानी में नीबू की खटास और तुलसी की खुशबू न सिर्फ उतर आएगी बल्कि यह पानी को खुशबूदार बना देगी। ध्यान रखिए नीबू के टुकड़ों को बहुत लंबे समय तक पानी में न रखें वरना पानी का स्वाद कड़वा हो सकता है। इस मामले में यह भी बेहतर होगा कि पानी का इस्तेमाल उसी दिन कर लें।

पुदीना-खीरा: पुदीने की कुछ पत्तियां और खीरे के कुछ पतले-पतले टुकड़े कांच की बोतल या जग में डाल लें। यह संयोजन खास तौर पर उमस भरे दिनों में सबसे शानदार अनुभव देता है। इसमें चीनी डालने की जरूरत नहीं होती। लेकिन हल्की मिठास पसंद है तो प्राकृतिक रूप से किसी मीठे फल का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पानी न केवल पीने में स्वादिष्ट लगता है बल्कि यह सेहत के लिए भी शानदार है।

हर्बल आइस टी: हम जब भी हर्बल टी कहते हैं तो आमतौर पर जहन में ब्लैक टी या नीबू टी की ही तस्वीर आती है। लेकिन हर्बल टी केवल यहीं तक नहीं सीमित होती है। हर्बल टी, हर्बल आइस टी के रूप में भी पसंद की जाती है। तुलसी, पुदीना, लेमन ग्रास या अदरक से तैयार यह हल्की हर्बल टी, ठंडा करके भी पी जा सकती है। इसके लिए तुलसी, पुदीना और लेमनग्रास की पत्तियों को गर्म पानी में थोड़ी देर के लिए डुबोकर रख दें। अब पेय को छानकर ठंडा कर लें और अगर पसंद हो तो बर्फ डाल लें और धीरे-धीरे सिप करें, अगर बर्फ नहीं डालना चाहते तो ऐसे भी पी सकते हैं। बिना बर्फ के भी इसे फ्रिज में ठंडा करके भी पिया जा सकता है। चीनी की जगह इसमें शहद का इस्तेमाल करें।

अदरक-लेमन ग्रास: अदरक और लेमन ग्रास का संयोजन बारिश के दिनों में खासा फायदेमंद माना जाता है। दोनों को गर्म पानी में कुछ देर उबालकर छान लें और ठंडा होने के बाद हल्का नीबू मिला लें। ध्यान रहे इस पेय में अदरक की मात्रा कम हो। अगर अदरक ज्यादा हुई तो यह पेय ज्यादा तीखा हो सकता है। इसी तरह फल भी डालकर इसे नया फ्लेवर दे सकते हैं। स्ट्रॉबेरी, सेब, संतरा, अनार या कुछ अन्य फल इन इन्फ्यूज्ड वाटर को रंग और स्वाद दोनों तरह से बदलते हैं। हालांकि फल डालने का मतलब यह नहीं है कि पानी में फलों के पर्याप्त तत्व मिल जाएंगे। इसलिए इसे फल खाने का विकल्प न बनाएं बल्कि स्वादयुक्त फलों वाले पानी के रूप में इस्तेमाल करें। *

खबर संक्षेप

बेटे ने बांस से पीट-पीटकर मां की हत्या की

दरभंगा। दरभंगा के फेकला थाना क्षेत्र के बिसबीघा गांव में बेटे ने मां की बांस से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया गया कि मां ने पोते की पिटाई करने से बेटे को रोका था। इसी बात से नाराज आरोपी ने उसके सिर पर बांस से कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। बिसबीघा गांव में एक बेटे ने अपनी मां की बांस से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

सोरेन की याचिका पर हाई कोर्ट ने ईडी से मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में बड़गाईं की 8.86 एकड़ जमीन के कथित फर्जीवाड़े से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित हेमंत सोरेन की याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। अदालत ने जवाब दाखिल करने के लिए 16 सितंबर तक का समय दिया है। हेमंत सोरेन की ओर से ईडी कोर्ट द्वारा डिस्चार्ज याचिका को खारिज किए जाने के आदेश पर रोक लगाने के साथ मामले की आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगाने का आग्रह किया गया।

बस ने दो बाइकों में मारी टक्कर,5 की मौत

मुजफ्फरनगर। जनपद में बुढ़ाना थाना क्षेत्र के भैसाना गांव के पास बड़ौत मार्ग पर रोडवेज बस ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। भीषण हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बागपत के पिता-पुत्री, कांधला के दो युवक और बुढ़ाना क्षेत्र का एक युवक शामिल है। हादसा बड़ौत मार्ग पर भैसाना गांव के पास हुआ। बताया गया कि रोडवेज बस ने सामने से आ रही दो बाइकों को टक्कर मार दी।

जीएलए के छात्र रौनक बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए गुरुवार को लंदन के लिए रवाना होंगे

लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई करेंगे जीएलए विधि के छात्र रौनक उपमन्यु

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मथुरा

जीएलए विश्वविद्यालय संस्थान के विधि संकाय के प्रतिभाशाली छात्र रहे रौनक उपमन्यु की उपलब्धियों को देखते हुए उन्हें लंदन की क्यून मैरी लॉ यूनिवर्सिटी में बैरिस्टर (एलएमएम) की शिक्षा अर्जित करने का अवसर मिला है, जहां उनकी पढ़ाई एवं अन्य खर्चे जीएलए यूनिवर्सिटी संस्थान वहन करेगा। छात्र बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए गुरुवार को लंदन के लिए रवाना होंगे। विदित रहे कि जीएलए के विधि छात्र रहे एडवोकेट रौनक उपमन्यु ने मून एवं यूथ पार्लियामेंट की 596 डिबेटो में भाग लिया और 312 प्रथम पुरस्कार हासिल कर देश भर में इतिहास रचा है तथा इस वर्ष ऑल इंडिया बार काउंसिल का भी पहली बार में ही टेस्ट पास कर लिया है। राष्ट्रीय स्तर पर भी जीएलए की श्रेष्ठ विधि शिक्षा, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गुणवत्ता की ऐसी छाप छोड़ी है, जो एक मिसाल बनी है। छात्र ने अब तक देशभर के प्रतिष्ठित आईआईटी दिल्ली में पांचवीं बार लगातार एमयूएन जीत कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। विदित रहे कि इसी सप्ताह रौनक ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मेडिकल कॉलेज में भी युवा संसद को जीतकर ब्रज का नाम रोशन किया, आईआईएम और शीर्ष विश्वविद्यालयों में आयोजित 596 बहस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। इनमें वे 235 प्रमुख डिबेट प्रतियोगिताओं में जज भी रहे तथा 21 प्रतियोगिताओं को खुद रौनक उपमन्यु ने ऑर्गेनाइजेशन किया और सैकड़ो प्रतियोगिताओं में बहस करते हुए 312 बार प्रथम स्थान हासिल कर वे देश के पहले ऐसे छात्र-डिबेटर बन गए हैं, जिन्होंने इतनी बड़ी संख्या में शीर्ष स्थान प्राप्त करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। यह उपलब्धि न केवल जीएलए विश्वविद्यालय, बल्कि संपूर्ण ब्रज क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

जीएलए के छात्र रौनक उपमन्यु के साथ कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता एवं सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल

उपमन्यु ने देश की कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में निर्णायक भूमिका निभाई है

छात्र ने 340 प्रतियोगिताओं में भाग लेकर 312 में प्रथम पुरस्कार जीतकर यह सिद्ध किया कि कठिन परिश्रम, तर्कशक्ति और वक्तृत्व कौशल का समन्वय सफलता का वास्तविक आधार है। रौनक उपमन्यु ने देश की कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका भी निभाई। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में आयोजित एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर उन्हें केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अलावा इंदौर इंस्टिट्यूट ऑफ लॉ, आईआईटी दिल्ली तथा इंडियन नेशनल कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता में भी वे प्रथम स्थान पर रहे, जहां उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला एवं सांसद राजीव शुक्ला द्वारा सम्मानित किया गया।

छात्र जीएलए विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेगा

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक विद्यार्थी की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उसकी प्रतिभा, परिश्रम और जीएलए विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के उत्कृष्ट समन्वय का परिणाम है। रौनक उपमन्यु ने जिस प्रकार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी तर्कशक्ति, वक्तृत्व कौशल और विधिक समझ का प्रदर्शन किया है, वह निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई के लिए जीएलए द्वारा सहयोग प्रदान करना विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने के लिए हरसंभव अवसर उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। हमें विश्वास है कि रौनक भविष्य में विधि के क्षेत्र में देश और ब्रज का नाम और अधिक गौरवान्वित करेंगे। कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि रौनक उपमन्यु की उपलब्धियां उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और अद्भुत वक्तृत्व कौशल का परिणाम हैं। लंदन में बैरिस्टर की पढ़ाई का अवसर उनकी प्रतिभा को वैश्विक मंच प्रदान करेगा। सीएफओ डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि रौनक की उपलब्धि जीएलए के विद्यार्थियों की प्रतिभा और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। लंदन में उनकी उच्च शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय का सहयोग उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वहीं विधि संकाय के डीन प्रो. सोमेश धमीजा ने रौनक उपमन्यु को बधाई दी। रौनक उपमन्यु, एनयूजेआई के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा ब्रज प्रेस क्लब के अध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट के सुपुत्र हैं।

70 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों का बदला स्वरूप, 1.56 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंच रही पोषण सेवाए

2017 से पहले पोषाहार आपूर्ति में था शराब माफिया का दखल : सीएम योगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ वाराणसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को वाराणसी में 9वें राष्ट्रीय पोषण माह का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले बच्चों के पोषाहार की आपूर्ति में शराब माफिया का दखल था। तीन-तीन महीने तक राशन नहीं पहुंचता था। आंगनवाड़ी केंद्रों पर न पेयजल था, न शौचालय और न गर्म भोजन की व्यवस्था। गलती कोई और करता था, लेकिन गाली आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को मिलती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में 70 हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्रों का कायाकल्प किया गया है। प्रदेश में 1.90 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से 1.56 करोड़ लाभार्थियों तक पोषण सेवाएं पहुंच रही हैं। 35.46 लाख बच्चों को हॉट-कुक्ड मील दिया जा रहा है। टीएचआर व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए 204 प्लांट स्थापित किए गए हैं। इनमें 20 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। पोषाहार की निगरानी जीपीएस और क्यूआर कोड के जरिए की जा रही है।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़कर 12 हजार, पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा कवर

5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा कवर भी दिया गया

योगी ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र प्रारंभिक शिक्षा की पहली पाठशाला हैं। बाल वाटिकाओं में बच्चों को खेल-खेल में अक्षर और अंकों का ज्ञान दिया जा रहा है। बेसिक शिक्षा के 1.60 करोड़ बच्चों को दो-दो यूनिफॉर्म, बैग, किताबें, जूते-मोजे और स्वेटर दिए जा रहे हैं। अब बाल वाटिकाओं के बच्चों को भी दो-दो यूनिफॉर्म मिलेंगी। उन्होंने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाकर 12 हजार और सहायिकाओं का छह हजार रुपये किया गया है। कार्यकत्रियों, सहायिकाओं और उनके परिवारों को पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर भी दिया गया है।

यशोदा मइया की तरह जिम्मेदारी निभा रहीं बहनें

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आंगनबाड़ी से जुड़ी बहनें द्वापर युग में यशोदा मइया की तरह अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे का मां के बाद सबसे पहले संवाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से होता है। इसलिए बच्चों के पोषण और प्रारंभिक विकास में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कल से पोषण माह शुरू हो रहा है। सरकार चाहती है कि आंगनबाड़ी केंद्र स्मार्ट दिखाई दें और इस बदलाव की घोषणा डंके की चोट पर की जा सके। इसी उद्देश्य से अयोध्या में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

सरकार-संगठन और समाज को एक सूत्र में पिरोएगा सेवा संकल्प अभियान

- शासन तंत्र के मिथक को तोड़कर जन-जन की आवाज बने पीएम मोदी : नायब सैनी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पूरी दुनिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, समर्पण, बलिदान और त्याग के 25 वर्षों को महसूस किया है। इस नान स्टॉप सेवाकाल के दौरान उन्होंने अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समाज की मुख्यधारा में लाने का काम किया है। 17 सितंबर से एक माह का सेवा संकल्प अभियान नई पीढ़ियों को उनके जीवन से राष्ट्र सेवा की प्रेरणा और सीख लेने का अवसर प्रदान करेगा। यह अभियान सरकार, संगठन और समाज को एक सूत्र में पिरोते हुए जनकल्याण और सेवा की भावना को मजबूत करेगा। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पंचकमल में सेवा संकल्प अभियान पर सरकार-संगठन की समन्वय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश मे राजनीतिक दलों द्वारा गठजोड़ करके लंबे समय से शासन तंत्र चलाया जा रहा था, जिसे 25 साल पहले मुख्यमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने तोड़ने का काम किया और इसी तरह उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जन-जन का भरोसा जीतकर नान स्टॉप सरकार चलाने का काम किया है।

आमजन की भागीदारी बढ़ाने पर मंथन : गुप्ता

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता सेवा संकल्प अभियान में अपनी भागीदारी करने और आमजन की भागीदारी को बढ़ाने के लिए सुनियोजित तरीके से काम कर रहे हैं। डॉ गुप्ता ने कहा कि 17 सितंबर को सेवा दिवस के मौके पर प्रदेशभर में भाजपा कार्यकर्ता और आमजन की भागीदारी के साथ प्रदेशभर में 20 लाख दीये लगाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना आशीर्वाद प्रेषित करेंगे।

पेज एक का शेष...

चिरकाल तक स्मृतियों में ...

अर्पित करने को अपना परम सौभाग्य और सम्मान के रूप में देखता हूं। यह स्थान भारतीय सेना के उन वीर जवानों के साहस और बलिदान की स्थायी गवाही देता है। जिन्होंने श्रीलंका की शांति, एकता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनके आदर्श, समर्पण तथा निःस्वार्थ सेवा की भावना हमारे लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। भारत, श्रीलंका के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध व आमजनों के मध्य एक स्थायी आत्मीय रिश्ता है। स्मारक पर स्मरण किए जा रहे वीरों का बलिदान हमें लगातार दोनों देशों की शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करता रहे। जिससे हम समूचे क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाएं'।

राजनाथ ने निभाया अपना वादाः गौरतलब है कि भारत में ऑपरेशन पवन के सैन्य नायकों के सम्मान में व्यक्तिगत रूप से अभी तक कोई स्मारक नहीं बनाया गया है। न ही इनसे जुड़ा हुआ कोई वार्षिक योगदान दिवस मनाया जाता है। नई दिल्ली में पहली बार 2025 में पूर्व सेनाप्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) पर जाकर अभियान से जुड़े शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए थे। जबकि मौजूदा साल में 14 जनवरी को सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस के मौके पर आयोजित एक समारोह में रक्षा मंत्री ने दो टूक अंदाज में कहा था कि भारत को ऑपरेशन पवन के शहीदों को सार्वजनिक रूप से सम्मान देना चाहिए। जिसके वो बीते चार दशक से हकदार हैं।

पूर्व सरकारों की अनदेखी ...

से संबंधित शांति समझौते पर द्वीपीय देश के तत्कालीन राष्ट्रपति जे.आर.जयवर्धने के साथ हस्ताक्षर किए थे। सैन्य विशेषज्ञ भारत की आजादी के बाद ऑपरेशन पवन को उस पहले बड़े सैन्य अभियान के रूप में देखते हैं। जिसमें भारत ने अपनी सेना को किसी दूसरे देश के भूभाग की रक्षा करने के लिए तैनात करने की मंजूरी दी थी।

कैबिनेट ने 21 ...

विश्वसनीयता में सुधार होगा। साथ ही, रेलवे मार्गों पर मौजूदा भीड़भाड़ कम करने और परिचालन को सुचारु बनाने में भी मदद मिलेगी। मंत्री ने बताया कि दक्षिण भारत से जुड़ी पांच मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है। ये परियोजनाएं तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना के 17 जिलों को कवर करेंगी और मौजूदा रेलवे नेटवर्क में करीब 540 किलोमीटर की वृद्धि करेंगी। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 10,021 करोड़ रुपये से अधिक है और इन्हें 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इन परियोजनाओं में अरक्कोणम-रेनिगुंटा तीसरी और चौथी लाइन, व्हाइटफील्ड-बेंगलुरु तीसरी और चौथी लाइन तथा होसुर-ओमलूर रेल लाइन का दोहरीकरण प्रमुख रूप से शामिल है। इन परियोजनाओं से करीब 2,100 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिनकी कुल आबादी लगभग 52 लाख है।

सात हाई डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-लाइनः अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने देश के सभी सात हाई डेंसिटी रेलवे कॉरिडोर को फोर-लाइन या क्वाड्रपलिंग करने का फैसला किया है। इन महत्वपूर्ण कॉरिडोर में दिल्ली-हावड़ा, मुंबई-हावड़ा, दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-गुवाहाटी, दिल्ली-चेन्नई, हावड़ा-चेन्नई और मुंबई-चेन्नई मार्ग शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सात हाई डेंसिटी कॉरिडोर की कुल लंबाई करीब 11 हजार किलोमीटर है। इनमें से लगभग 2,000 किलोमीटर मार्ग की फोर-लाइनिंग पूरी की जा चुकी है। शेष हाई डेंसिटी नेटवर्क से संबंधित फोर-लाइनिंग परियोजनाओं को भी चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है। सरकार का मानना है कि इन परियोजनाओं से देश के प्रमुख औद्योगिक, आर्थिक और महानगरीय केंद्रों के बीच रेल परिवहन की क्षमता बढ़ेगी। माल और यात्री ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुचारु होने के साथ रेलवे नेटवर्क पर दबाव और परिचालन संबंधी बाधाएं कम होंगी।

कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन

- बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन
- 27 एमटीपीए तक अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता
- कोयला, सीमेंट, लौह-अयस्क और इस्पात परिवहन को बढ़ावा
- 4,790 गांवों और 56 लाख आबादी को फायदा
- 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य
- खरसिया-नया रायपुर-परमालकसा 278 किमी डबल लाइन—7,854 करोड़ की अलग बड़ी परियोजना पहले से मंजूर
- छत्तीसगढ़ में कुल 36 रेल परियोजनाएं, 48,202 करोड़ का निवेश

कटनी से बिलासपुर ...

करें, तो बिलासपुर से पेंड्रा और पेंड्रा से आगे कटनी की ओर अभी कुछ जगहों पर तीन लाइनें बनी हुई हैं, जबकि कुछ जगहों पर डबल रेलवे ट्रैक है। अब बिलासपुर से कटनी तक के पूरे सेक्शन को चार-लेन वाला बनाया जाएगा। इससे बिलासपुर और कटनी तक आने जाने में कोई समस्या नहीं होगी। बताया जा रहा है कि 6528 करोड़ की लागत वाले इस 367 किलोमीटर लंबे प्रोजेक्ट से भारी भीड़-भाड़ कम होगी, ज्यादा ट्रेनें चल पाएंगी और माल ढुलाई बेहतर होगी। रेल मंत्री ने कहा कि झारसुगुडा के अलावा छत्तीसगढ़ में भी ऐसे प्रोजेक्ट हैं, जहां बहुत ज्यादा भीड़-भाड़ (कंजेशन) की समस्या है। वहां पिछले 50-60 सालों से नेटवर्क का विकास नहीं हुआ था। उस पर काफी ध्यान नहीं दिया गया। पिछले 12 सालों में छत्तीसगढ़ में एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई है, क्योंकि यह एक आदिवासी इलाका है और यहां के लोगों की कई उम्मीदें हैं, जिन्हें पूरा करना जरूरी है। यह आर्थिक रूप से भी बहुत अहम है और देश की ऊर्जा सुरक्षा के नजरिए से भी यह इलाका बहुत अहम है।

कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइनः कटनी से पेंड्रा रोड के बीच 201 किमी लंबी चौथी लाइन बनाई जाएगी। परियोजना पर 2,975 करोड़ रुप खर्च होंगे और इसे 4 साल में पूरा करने का लक्ष्य है। मध्य प्रदेश के अनूपपुर, शहडोल, उमरिया और कटनी के साथ छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले को इसका फायदा मिलेगा। यह कोटा-पारादीप सेक्शन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मौजूदा लाइन की क्षमता 95% इस्तेमाल हो रही है, जो परियोजना के बिना 107% तक पहुंच सकती थी। इससे हर साल 8 एमटीपीए अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता मिलेगी, जिसमें 7.70 एमटीपीए कोयला होगा।

कनेक्टिविटी और संचालन में सुधारः इन नई रेल लाइनों के बिछने से देश के 4,790 गांवों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और लगभग 56 लाख अतिरिक्त यात्री सुविधाजनक सफर कर सकेंगे। इसके साथ ही मालगाड़ियों के संचालन में तेजी आएगी, जिससे सालाना 27 मीट्रिक टन अतिरिक्त कार्गो का ट्रांसपोर्ट संभव हो सकेगा।

मप्र को सौगात देने के लिए ...

कि मप्र से संबंधित कटनी-पेंड्रा रोड चौथी रेल लाइन निर्माण एवं बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी रेल लाइन निर्माण से दोनों राज्यों के बीच रेल कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा यात्री आवागमन एवं माल परिवहन की क्षमता भी और अधिक बढ़ेगी।

तारिक रहमान ब्रिक्स ...

को ब्रिक्स सम्मेलन में बिम्सटेक समूह के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया है। इसके अलावा नई दिल्ली की तरफ से उन्हें सम्मेलन के आउटरीच सत्रों में भी भागीदारी करने के लिए बुलाया गया है। वहीं, बांग्लादेश की तरह ही चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भी इस अहम आयोजन में भागीदारी को लेकर अभी तस्वीर पूरी तरह से साफ नहीं हुई है। बीते कुछ वक्त पहले इसे लेकर उनके आगमन की सूचना थी। लेकिन ताजा माहौल में चीन ने पुष्टि नहीं की है।

भाजपा की तिजोरी ...

अनुसार उसी अवधि के दौरान केवल उसके केंद्रीय मुख्यालय में प्राप्तियों को दर्शाता है। केरल और बंगाल चुनावों के लिए पार्टी की व्यय रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई हैं। इसके चलते पार्टी को मिलने वाली रकम में और बढ़ोतरी संभव है। 15 मार्च, 2026 को पार्टी का बैलेंस 6,722.60 करोड़ रुपये था, जो छह मई, 2026 को चुनाव खत्म होने पर बढ़कर 7,627.20 करोड़ रुपये हो गया। भाजपा ने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों पर कुल 160 करोड़ रुपये खर्च किए।

कितने पैसे हुए खर्च?ः इसमें पार्टी का केंद्रीय मुख्यालय और संबंधित राज्य और जिला इकाइयां भी शामिल हैं। वहीं, कांग्रेस की वित्तीय स्थिति चुनावों के दौरान गिरी। उसने चुनावी अवधि की शुरुआत लगभग 169.06 करोड़ रुपये से की और लगभग 103.2 करोड़ रुपये पर खत्म हुई, यानी 65.86 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। भाजपा के व्यय विवरणों से पता चलता है कि उसने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में लगभग 159.70 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें से 130.4 करोड़ रुपये सामान्य पार्टी प्रचार पर और शेष उम्मीदवारों और संबंधित खर्चों पर गए। असम में 96.27 करोड़ रुपये का व्यय हुआ, जिसमें 76.73 करोड़ रुपये सामान्य पार्टी प्रचार पर और 19.54 करोड़ रुपये उम्मीदवारों पर खर्च किए गए।

तमिलनाडु चुनाव में कितना खर्च : तमिलनाडु में भाजपा ने 51.56 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें 44.51 करोड़ रुपये सामान्य प्रचार पर और 7.05 करोड़ रुपये उम्मीदवारों पर खर्च किए गए। पुडुचेरी में भाजपा ने 11.90 करोड़ रुपये का व्यय रिपोर्ट किया। कांग्रेस ने सभी पांच राज्यों में सामान्य पार्टी प्रचार पर 143 करोड़ रुपये और उम्मीदवारों पर 105.55 करोड़ रुपये खर्च करने की जानकारी दी, जिससे उसका कुल चुनाव व्यय 248.55 करोड़ रुपये हो गया।

सऊदी अरब पर जारी ...

अन्य वैश्विक व्यापारिक जलमार्ग बाब-अल-मंदेब में नौवहन की स्वतंत्रता के लिए खतरा पैदा करने वाले ऐसे हमले हमारे देश को कतई स्वीकार नहीं हैं।

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले दिया बयान : गौरतलब है कि आगामी 12 से 13 सितंबर तक राष्ट्रीय राजधानी में भारत की मेजबानी में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। सऊदी अरब भी इस समूह में बतौर सदस्य के रूप में शामिल है। सम्मेलन से ठीक पहले भारत की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। बहुत संभावना है कि इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान होने वाली चर्चाओं में इस मामले को भी सऊदी अरब की तरफ से उठाया जा सकता है। ऐसे में कूटनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो भारत का यह बयान काफी महत्वपूर्ण हो जाता है।

पाक, सऊदी अरब, तुर्किये के समझौते की खुली पोलः उधर, एक ध्यान देने वाली एक जरूरी बात यह भी है कि हालिया समय में पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच एक त्रिपक्षीय रक्षा समझौता हुआ है। जिसके बावजूद सऊदी अरब पर हुए हूती के इन हमलों के बाद पाकिस्तान ने अब तक खाड़ी के इस देश को कोई सैन्य मदद प्रदान नहीं की है। जबकि उक्त रक्षा समझौता साफतौर पर यह कहता है कि दुनिया के किसी भी अन्य पक्ष या देश द्वारा तीनों देशों पर किया गया हमला सभी एक साथ अपने ऊपर किए गए हमले के तौर पर मानेंगे और उसके लिए कार्रवाई करेंगे।

कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने ...

पेश करने को कहा गया था। छात्र ने इसके बाद वीडियो जारी कर कार्रवाई पर सवाल उठाए थे। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता विश्वजीत भट्टाचार्य ने मामले की जानकारी सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ को दी। उन्होंने कहा कि नोटिस बाद में वापस ले लिया गया। इस पर सीजेआई ने कहा कि कोर्ट इस मामले में जिला मजिस्ट्रेट से जवाब मांगेगा। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के छात्र अक्षत त्रिपाठी को ग्रेटर नोएडा पुलिस द्वारा 5 लाख रुपए का निजी मुचलका भरने का नोटिस जारी किया गया था। पुलिस का आरोप था कि छात्र ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में अन्य विद्यार्थियों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया था। यह नोटिस 4 सितंबर को ग्रेटर नोएडा आयुक्तालय के तृतीय कार्यकारी मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 130 के तहत जारी किया गया था। सहायक पुलिस आयुक्त की सिफारिश पर धारा 126 और 135 के तहत यह कार्यवाही शुरू की गई थी।

गजवा-ए-हिंद के नाम ...

इसमें हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने से जुड़े व्यावहारिक निर्देश भी मौजूद थे।

'लोन मुजाहिद पॉकेट बुक' से ले रहे थे जानकारी : एनआईए की चार्जशीट में लोन मुजाहिद पॉकेट बुक 'हत्यारा कैसे बनें' नाम के एक दस्तावेज का भी जिक्र किया गया है। आरोपी इस किताब या मैनुअल में दी गई जानकारी का कथित तौर पर इस्तेमाल कर रहे थे। यह दस्तावेज एक्यूएपी यानी अल-कायदा इन द अरबियन पेनिनसुला से जुड़ा बताया गया है और इसमें विस्फोटक, हथियार, गुप्त ऑपरेशन और आईईडी से जुड़ी जानकारी दी गई थी। इस दस्तावेज में टीएटीपी जैसे विस्फोटक का जिक्र है। और रिमोट कंट्रोल के जरिए विस्फोट करने की तकनीक का विस्तृत ज्ञान बताया गया था। इसके अलावा इसमें लड़ाई, निगरानी, सुरक्षा एजेंसियों से बचने, भाग निकलने और गुप्त तरीके से काम करने जैसी तकनीकों से जुड़ी जानकारी भी मौजूद थी।

पीएम मोदी ने केवल देश का विकास ...

के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा हर बार प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर 'सेवा पखवाड़ा' का आयोजन करती है लेकिन इस बार यह सुखद संयोग बन रहा है कि 07 अक्टूबर 2026 को प्रधानमंत्री मोदी जनसेवा में एक संवैधानिक प्रमुख (मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री) के रूप में अपने 25 वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। इसलिए, इस बार हमने जन सेवा और समर्पण के इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हमने एक महीने का सेवा संकल्प अभियान मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य पीएम नरेन्द्र मोदी की 25 वर्षों की सेवा, सुशासन और जनकल्याणकारी योजनाओं से आए बदलावों को जन-जन तक पहुंचाना तथा 'विकसित भारत 2047' का संकल्प मजबूत करना है। देश भर में भाजपा कार्यकर्ता और आम जन की इस अभियान में सहभागिता होगी और हम सब मिलकर 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के संदेश को आगे बढ़ाएंगे।

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जड़ों को भी मजबूत कियाः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केवल विकास ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की जड़ों को भी मजबूत किया गया। आज अगर भव्य राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, सोमनाथ और महाकाल कॉरिडोर की बात करते हैं, तो देश की सांस्कृतिक धरोहर को पूरी तरह से सृजित और विकसित करने में पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। स्टार्टअप और यूनिकॉर्न के माध्यम से भारत आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप नेशन बना है और हमारे युवा आगे आकर केवल जॉब सीकर्स नहीं, बल्कि जॉब गिवर्स बनकर उभरे हैं।

महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की : भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कल तक वुमेन डेवलपमेंट की बात होती थी, लेकिन माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वुमेन-लेड डेवलपमेंट की बात को आगे लाया। आज बेटी बचाओ से लेकर बेटी पढ़ाओ तक जिस सफर की शुरुआत हुई, वह आज लखपति दीदी तक पहुंचा है। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से देश की महिलाओं को उनका अधिकार और नीति-निर्धारण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास चल रहा है। इन सबके पीछे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सतत भाव सेवा का रहा है।

वोकल फॉर लोकल की कल्पना दीः आपदा की घड़ी में, जब पूरा देश कोरोना के कालखंड में खड़ा था, तब मोदी ने आत्मनिर्भर भारत और वोकल फॉर लोकल की कल्पना दी और पूरा देश उससे जुड़ा। श्री नवीन ने कहा कि आज इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ की बात करें, मैनपावर से मैन्युफैक्चरिंग पावर की बात करें, डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की बात करें, कृषि विभाग से कृषि कल्याण विभाग की बात करें या स्पेस सेक्टर की बात करें, इन सभी सेक्टरों की चर्चा इसलिए की गई, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी के पूरे कार्यकाल में इन सेक्टरों में किस प्रकार से ग्रोथ हुई और किस प्रकार से देश को अग्रणी भूमिका में लाने का प्रयास किया गया, वह हम सबके सामने है।

कांग्रेस की आपत्ति को उसकी 'भारत विरोधी सोच' करार दियाः नवीन ने आम आदमी पार्टी पर भी हमला बोला और पंजाब में उसके शासन के दौरान "अराजकता" का आरोप लगाया। नितिन नवीन ने वंदे मातरम् के पूर्ण संस्करण के गायन पर कांग्रेस की आपत्ति को उसकी 'भारत विरोधी सोच' करार दिया। नवीन ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनके 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रमों को लेकर कहा कि इसकी 'गूंज' उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं से आगे नहीं जाएगी। जनवरी में भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद यहां भाजपा मुख्यालय में अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में नवीन ने आम आदमी पार्टी पर भी हमला बोला और पंजाब में उसके शासन के दौरान "अराजकता" का आरोप लगाया।

राशन उपलब्ध कराया, सामाजिक ...

में बदलाव लाना हो, यह सब उनके प्रयासों का परिणाम है। 200 करोड़ कोविड के मुफ्त टीके और 4 करोड़ से अधिक गरीबों के लिए आवास बनाना सामान्य घटना नहीं है। देश के प्रधान सेवक के रूप में उन्होंने जिस प्रकार काम को आगे बढ़ाया है, यह उनके स्पष्ट विजन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है। जब उन्होंने देश का नेतृत्व संभाला, तब पूरे देश में निराशा और अंधकार का माहौल था। पॉलिसी पैरालिसिस का दौर था और हमारी इकोनॉमी को फ्रैजाइल-5 के रूप में देखा जाता था। लेकिन आज भारत दुनिया की तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में सामने आ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की जो अलग पहचान बनी, भारत की साख और सम्मान में जो लगातार वृद्धि हुई, यह उसी का परिणाम है।

पीएम मोदी ने ...

भी बढ़ाया। आज हर एक भारतीय अपने आप को सुरक्षित और सम्मान के साथ आगे बढ़ा रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नक्सलवाद को उसकी जड़ों से समाप्त करने का काम किया और 200 से अधिक जिलों को, जो प्रभावित जिले थे, आज नक्सल मुक्त जिलों के रूप में पूरी तरह से आम जनजीवन की तरह आगे बढ़ाया जा रहा है।

चिंतन

अर्थव्यवस्था पर दबाव डालेगा कच्चे तेल का बढ़ता मूल्य

मध्य-पूर्व में बढ़े तनाव के बीच कच्चे तेल का 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचना भारत के लिए किसी मामूली आर्थिक खबर की तरह नहीं देखा जा सकता। भारत की अर्थव्यवस्था भले ही आज पहले के मुकाबले अधिक मजबूत और सक्षम हो, लेकिन उसकी ऊर्जा जरूरतों की एक बड़ी निर्भरता अब भी आयातित तेल पर है। इसलिए दुनिया के किसी हिस्से में युद्ध या तनाव बढ़ता है और कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर के पार जाती है तो उसकी तपिश भारत के बाजार से लेकर आम आदमी की रसोई तक महसूस की जा सकती है। दिलचस्प यह है कि महंगे तेल की यह चुनौती ऐसे समय आई है जब भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी मजबूती का शानदार प्रदर्शन किया है। अप्रैल से जून की तिमाही में भारत की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। यह आंकड़ा बताता है कि घरेलू मांग, विनिर्माण और सेवाओं के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी तेज गति से आगे बढ़ रही है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का सबसे पहला और सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। पेट्रोल और डीजल केवल कार और मोटरसाइकिल चलाने के लिए जरूरी नहीं हैं। देश में माल ढुलाई से लेकर कृषि, निर्माण और उद्योग तक का बड़ा हिस्सा पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर है। महंगाई का सबसे ज्यादा दबाव उस मध्यवर्ग पर पड़ता है जिसके पास इससे बचने के सीमित रास्ते हैं। दूसरी बड़ी चिंता रुपये पर दबाव है। भारत कच्चे तेल के लिए डॉलर में भुगतान करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने का अर्थ है कि समान मात्रा में तेल खरीदने के लिए भारत को अधिक डॉलर खर्च करने होंगे। इससे डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव आ सकता है। रुपया कमजोर हुआ तो तेल के साथ-साथ कई दूसरे आयात भी महंगे हो सकते हैं। इसका असर उद्योगों की लागत और अंततः उपभोक्ता कीमतों पर दिखाई देगा। तीसरा असर देश के चालू खाते और व्यापार घाटे पर पड़ सकता है। महंगे तेल का मतलब बड़ा आयात बिल है। भारत को जितना ज्यादा पैसा तेल के आयात पर खर्च करना पड़ेगा, उतना ही दबाव उसके बाहरी क्षेत्र पर बढ़ेगा। हालांकि भारत का मजबूत सेवा निर्यात और विदेशी मुद्रा भंडार इस झटके को सहने की क्षमता देते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि महंगे तेल का कोई असर नहीं होगा। सरकार के सामने सबसे कठिन सवाल घरेलू ईंधन कीमतों को लेकर होगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने के बावजूद यदि पेट्रोल-डीजल की कीमतों को स्थिर रखा जाता है तो तेल विपणन कंपनियों पर दबाव बढ़ेगा। यदि कीमतें बढ़ाई जाती हैं तो आम उपभोक्ता पर बोझ बढ़ेगा। सरकार को इन दोनों के बीच ऐसा संतुलन बनाना होगा जिससे न तो कंपनियों की वित्तीय स्थिति बिगड़े और न ही महंगाई को अनावश्यक ईंधन मिले। दुनिया में जब भी भू-राजनीतिक तनाव बढ़ेगा, तेल की कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था की परीक्षा लेंगी। इसका स्थायी समाधान केवल कीमतों को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि आयातित तेल पर निर्भरता घटाना है। ऊर्जा के स्रोत जितने विविध होंगे, भारतीय अर्थव्यवस्था उतनी ही सुरक्षित होगी। फिलहाल तस्वीर के दोनों पहलू सामने हैं। एक तरफ 7.8 प्रतिशत की तेज आर्थिक वृद्धि भारत की मजबूती की कहानी कह रही है, दूसरी तरफ 100 डॉलर का कच्चा तेल दुनिया की अस्थिरता की याद दिला रहा है। चुनौती यह है कि तेल की आग विकास की रफ्तार तक न पहुंचे। भारत ने आर्थिक मजबूती हासिल करने में लंबा सफर तय किया है। अब परीक्षा इस बात की है कि वह वैश्विक ऊर्जा झटकों से अपनी इस रफ्तार को कितनी कुशलता से बचा पाता है।

मेजबानी

डॉ. मोनिका शर्मा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का बढ़ता महत्व

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आज दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में गिना जाता है। महिलाओं के पेशेवर क्रिकेट खेलने को पुरुषों के समान ही महत्व मिलने लगा है। अब न केवल मैदान में बल्ला घुमाती बेटियों के प्रति लोगों की सोच बदली है, बल्कि महिलाओं का खेल देखने में भी रुचि बढ़ी है। ऐसे में भारत को पहली महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिलना क्रिकेट के खेल में महिलाओं के बढ़ते दखल और महिला क्रिकेट के बढ़ते महत्व से जुड़ा सुखद समाचार है। पहली बार होने जा रहे महिला चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट का आयोजन 14 से 28 फरवरी तक होगा। गौरतलब है कि आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी-2027 से पहले महिला आईसीसी के महिला क्रिकेट से जुड़े दो ही आयोजन होते रहे हैं। ऐसे में वनडे विश्व कप और टी20 विश्व कप के साथ अब महिला चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन होना, महिला क्रिकेट से ही नहीं खेल-जगत से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम भी है। दरअसल, कुछ साल पहले बीसीसीआई से अनुबंधित महिला क्रिकेट खिलाड़ियों को पुरुषों के बराबर मैच फीस मिलने के निर्णय के बाद से इस मोर्चे पर बड़ा बदलाव देखा गया। साथ ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा वर्ल्ड कप में पुरुषों और महिलाओं को समान पुरस्कार राशि दिए जाने का निर्णय भी अहम भी रहा। असल में पुरुष क्रिकेट भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों में दशकों से एक लोकप्रिय खेल बना हुआ है। पुरुषों के मुकाबले इस खेल में महिलाओं की भागीदारी की ओर ध्यान जरा कम रहा है। गौरतलब है कि दुनिया का पहला महिला क्रिकेट विश्व कप 1973 में इंग्लैंड में आयोजित किया गया था। वहीं पुरुषों के पहले क्रिकेट विश्व कप का आयोजन 1975 में हुआ। महिला क्रिकेट विश्व कप का आयोजन दो वर्ष पहले होने एक बावजूद इस खेल में पुरुषों के मुक़ाबले कम ही चर्चा मिली। लोगों का रुझान भी बहुत धीमी गति से बढ़ा। आगे चलकर इंटरनेशनल महिला क्रिकेट परिषद का विलय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद में हुआ। इससे महिला क्रिकेट को पुरुषों के समान संसाधन, मीडिया कवरेज और वैश्विक मंच मिलना शुरू हुआ। भारत में 2006 में भारतीय महिला क्रिकेट संघ का विलय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में होने के बाद से महिला क्रिकेटरों को बेहतर सुविधाएं और अच्छे अनुबंध मिलने शुरू हुए। उस समय यह अनुमान लगाना भी मुश्किल था कि बीसीसीआई के भावी निर्णय और महिला खिलाड़ियों की लगन इस खेल को इतनी ऊंचाई पर ले जाएंगे। हालिया वर्षों में शुरू हुए टी20 और आईपीएल आयोजनों के बाद से महिला क्रिकेट खिलाड़ियों की बहुत प्रभावी पहचान बन गई है। कुछ समय पहले आई आईसीसी की महिला वनडे रैंकिंग के अनुसार स्मृति मंधाना दुनिया की नंबर-1 बल्लेबाज हैं। इन दिनों दुबई में चल रहे महिला एशिया कप-2026 में भी हमारी टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। ध्यातव्य है कि भारत में 2017 में आईसीसी महिला विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम के पहुंचने के बाद से ही महिला क्रिकेट को गंभीरता से लिया जाने लगा। अपने बेहतरीन प्रदर्शन को कायम रखते हुए हमारी महिला टीम 2020 में टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में भी पहुंची थी। साथ ही 2022 में बर्मिंघम में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भी टीम ने रजत पदक हासिल किया था। आईसीसी महिला एक दिवसीय विश्व कप-2025 का खिताब भी हमारी महिला क्रिकेट टीम ने जीता था। इतना ही नहीं, अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में भी भारतीय टीम ने भी वैश्विक स्तर पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल के साथ ही महिला क्रिकेटर अपने खेल का दमखम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैदानों पर जमकर दिखा रही हैं। ऐसी उपलब्धियों के चलते ही कभी पुरुषों का खेल माने जाने वाले क्रिकेट में अब महिला खिलाड़ियों के प्रदर्शन की खूब चर्चा होने लगी है। देखने में भी आ रहा है कि अब भारत में अधिक संख्या में महिलाएं क्रिकेट खेल रही हैं। घर-परिवार में भी बेटियों के इस खेल से जुड़ने के मोर्चे पर सहजता आई है। हर पहलू पर हो रहे सकारात्मक बदलाव का ही परिणाम है कि दर्शक भी बड़े पैमाने पर महिला मुकाबलों में रुचि लेने लगे हैं। 2025 में घरेलू मैदान पर अपना पहला महिला विश्व कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम हर आयोजन में अपनी बेहतरीन क्षमता का परिचय दे रही है। स्पष्ट है कि महिला चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट की मेजबानी से महिला क्रिकेट को लेकर आमजन का रुझान और रोमांच और बढ़ेगा। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका की टीमों की हिस्सेदारी वाले इस आयोजन से देश ही नहीं, दुनियाभर में महिला खिलाड़ियों के मान-मनोबल की चर्चा होगी। बेटियों को क्रिकेट के खेल से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी।

(लेखिका स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्दा

प्रणय कुमार

मानवता व विरोध का वैचारिक ईकोसिस्टम

> पश्चिमी समाजों में वाम-उदारवादी विचारधारा और कट्टरपंथी-जिहादी राजनीति के बीच बढ़ता वैचारिक सामंजस्य स्वतंत्रता, बहुलता, धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल्यों की व्याख्या को भी प्रभावित करता दिखाई दे रहा है। जिस अमेरिका ने दशकों तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपने लोकतंत्र की आत्मा और असहमति के अधिकार को अपनी सभ्यतागत पहचान बताने का दंभयुक्त दावा किया, उसी अमेरिका में अब किसी विचार, संगठन अथवा व्यक्ति की स्वीकार्यता कई बार इस बात से तय होती दिखाई देती है कि वह उसके प्रचलित वैचारिक आख्यान के अनुकूल है या उसके प्रतिकूल। न्यूयॉर्क में आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' इसी बदलते विमर्श का उल्लेखनीय उदाहरण है।

मानवाधिकार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और परमाणु अप्रसार जैसे मुद्दों पर पश्चिमी जगत लंबे समय से स्वयं को वैश्विक नैतिकता का पहरेदार बताता आया है। जब इन्हीं आदर्शों को वास्तविक आचरण की कसौटी पर परखा जाता है, तो कथित नैतिक श्रेष्ठता के पीछे छिपे उसके दोहरे मापदंड बार-बार उजागर होते हैं। विडंबना यह है कि यह विरोधाभास अब केवल उसकी विदेश नीति अथवा वैश्विक राजनीति तक सीमित नहीं रहा। पश्चिमी समाजों में वाम-उदारवादी विचारधारा और कट्टरपंथी-जिहादी राजनीति के बीच बढ़ता वैचारिक सामंजस्य स्वतंत्रता, बहुलता, धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता जैसे मूल्यों की व्याख्या को भी प्रभावित करता दिखाई दे रहा है। जिस अमेरिका ने दशकों तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को अपने लोकतंत्र की आत्मा और असहमति के अधिकार को अपनी सभ्यतागत पहचान बताने का दंभयुक्त दावा किया, उसी अमेरिका में अब किसी विचार, संगठन अथवा व्यक्ति की स्वीकार्यता कई बार इस बात से तय होती दिखाई देती है कि वह उसके प्रचलित वैचारिक आख्यान के अनुकूल है या उसके प्रतिकूल। न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में पिछले दिनों आयोजित 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' इसी बदलते विमर्श का उल्लेखनीय उदाहरण है।

विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक समुदायों के बीच संवाद, सह-अस्तित्व और सार्वभौमिक एकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का संबोधन हुआ। आयोजन 'अमेरिकन हिंदूज़ फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग' द्वारा किया गया था और इसे विभिन्न हिंदू-अमेरिकी संगठनों का समर्थन प्राप्त था। अमेरिका के लगभग 39 राज्यों, 853 शहरों तथा 31 देशों से आए लगभग 6,000 प्रतिनिधियों और 250 से अधिक हिंदू-अमेरिकी संगठनों की सहभागिता ने इसकी व्यापकता को रेखांकित किया। इसके बावजूद न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कार्यक्रम के प्रति सार्वजनिक असहमति जताई और 61 संगठनों ने कार्यक्रम रद्द करने की मांग की। कार्यक्रम अंततः संपन्न हुआ और अपने घोषित उद्देश्य में पूर्णतया सफल रहा, लेकिन इससे एक मूलभूत लोकतांत्रिक प्रश्न उठा, क्या किसी वक्ता को सुने बिना ही उसके विचारों और संगठन को 'बहिष्कारी' अथवा अस्वीकार्य घोषित कर देना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुलतावाद की उस उदार परंपरा के अनुरूप है, जिन्हें पश्चिम लंबे समय से वैश्विक मानक के रूप में प्रस्तुत व प्रचारित करता रहा है? विरोध की इस श्रृंखला में 'हिंदूज़ फॉर ह्यूमन राइट्स' (एचएफएचआर) भी प्रमुख रूप से सक्रिय था। घोर आश्चर्य है कि जिस संगठन के नाम के साथ 'हिंदूज' जुड़ा है, वह भारत, हिंदुत्व और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े मुद्दों पर आलोचनात्मक अभियानों का संचालन करता रहा है। इस संगठन के वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार इसके सलाहकार सदस्यों में तीस्ता सीतलवाड़, फादर आनंद मैथ्यू, सैयदा हमीद, स्वरा भास्कर, अपूर्वानंद, हर्ष मंदर आदि के नाम सम्मिलित हैं। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि संघ-प्रमुख मोहन भागवत के कार्यक्रम के विरुद्ध वह क्यों खड़ी थीं?

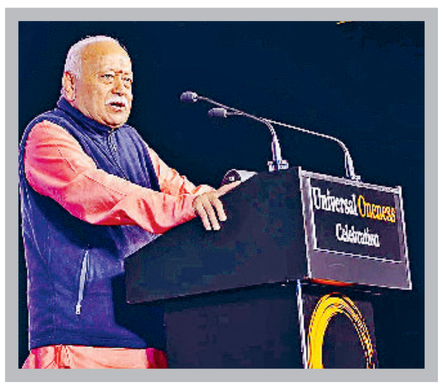

विरोध करने वाले 61 संगठनों की सूची में 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' (आईएएमसी), 'जस्टिस फॉर ऑल', 'इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क' सहित अनेक धार्मिक, नागरिक अधिकार और एक्टिविस्ट संगठन दिखाई देते हैं। आईएएमसी और इसके प्रमुख मुहम्मद जवाद भारत में हिंदुत्व, संघ और मोदी सरकार से जुड़े मुद्दों पर लंबे समय से विरोधी अभियान चलाते रहे हैं। गाजा और इजरायल के प्रश्न पर भी उनका रुख अत्यंत मुखर रहा है। 'जस्टिस फॉर ऑल' के अध्यक्ष अब्दुल मलिक मुजाहिद लंबे समय से अमेरिकी मुस्लिम एक्टिविज्म और अंतर्धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं। इसी संदर्भ में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी की भूमिका भी प्रश्नों के घेरे में आती है। वे भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा इजरायल से जुड़े प्रश्नों पर भी मुखर राजनीतिक रुख अपनाते रहे हैं।

इसलिए यह पूछना असंगत नहीं होगा कि उनकी निष्ठा लोकतांत्रिक परंपराओं व मान्यताओं में है या मज़हबी रिवाजों, तक़रीरों व यकीनों में? विरोध के इसी क्रम में 26 अगस्त को अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग (यूएससीआईआरएफ) के अध्यक्ष आसिफ महमूद द्वारा डॉ. मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा के संदर्भ में भारत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर लगाए गए गंभीर आरोप तथा संघ से जुड़े लोगों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के समर्थन ने इस विमर्श के पीछे सक्रिय टूलकिट की सच्चाई सामने रखी। भारत पर आयोग के पूर्ववर्ती वक्तव्यों और सुनवाइयों में सीएए, एनआरसी, जम्मू-कश्मीर, उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे विषयों को धार्मिक स्वतंत्रता के विमर्श से जोड़ा जाता रहा है। इस पूरी श्रृंखला को केवल अलग-अलग संगठनों की स्वतंत्र प्रतिक्रियाओं के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। न्यूयॉर्क की स्थानीय राजनीति, एक्टिविस्ट संगठनों, भारत-केंद्रित मुस्लिम एवं मानवाधिकार समूहों और धार्मिक-स्वतंत्रता संस्थाओं की भूमिकाओं को एक साथ रखने पर एक ऐसा वैचारिक ईकोसिस्टम दिखाई देता है, जिसमें अलग-अलग मंचों से उठने वाले आरोप और नैरेटिव कई बार एक-दूसरे को पुष्ट करते हैं। एक मंच पर लगाया गया आरोप दूसरे मंच पर संदर्भ बनता है, दूसरा मंच उसे वैधता देता है और अंततः वही आरोप सार्वजनिक विमर्श में स्थापित तथ्य की तरह प्रस्तुत होने लगता है। इन समस्त विरोधों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि स्वयं डॉ. मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में क्या कहा? उन्होंने 'अस्तित्व की एकता' को अपनी विश्व-दृष्टि का आधार बताया और स्पष्ट किया कि एकता के लिए एकरूपता आवश्यक नहीं है। उनके अनुसार मनुष्य की श्रेष्ठता दूसरों पर प्रभुत्व में नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के प्रति अपने दायित्व को समझने में है। न्यूयॉर्क से उनका यह संदेश भारत की उस दीर्घ सभ्यतागत दृष्टि का वैश्विक प्रतिपादन था, जिसमें 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना निहित है।

विडंबना यह है कि जिस मंच से एकता, संवाद, सह-अस्तित्व और मानवता का संदेश दिया जाना था, उसी मंच के वक्ता के विचार सुने बिना उसके विरोध में अभियान चलाया गया। किसी व्यक्ति के विचारों से असहमति लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसे सुने बिना ही अस्वीकार्य घोषित कर देना बहुलतावाद की मूल भावना पर प्रश्नचिह्न लगाता है। लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा सहमति में नहीं, असहमति को सहने की क्षमता में होती है। पश्चिमी लोकतंत्रों की परिपक्वता की एक कसौटी यह भी होनी चाहिए कि वे अपने समाजों में उभरते वामी-जिहादी गठजोड़ को पहचानें और उसकी विभाजनकारी एवं कट्टरपंथी प्रवृत्तियों पर प्रभावी अंकुश लगाएं, ताकि कलह, वैमनस्य और संघर्ष से पीड़ित विश्व को वास्तविक शांति और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग मिल सके।

(लेखक,शिक्षाविद एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

हृदय का करें अनुसरण

संकलित

दर्शन

कोई भी धर्मग्रंथ हमें धार्मिक नहीं बना सकता। चाहे हम दुनिया के सारे धर्मग्रंथ पढ़ डालें, परंतु फिर भी ईश्वर या धर्म का हमें तनिक भी ज्ञान नहीं होता। हम सारी उम्र धर्म या ईश्वर संबंधी बातें करते रहें, पर हमारी आध्यात्मिक उन्नति नहीं होती। दुनिया के विद्वानों ने भले ही हमारी बुद्धि प्रखर कर दी हो, पर हम ईश्वर तक नहीं पहुंच सके। पाश्चात्य संस्कृति का दोष यह है कि हम बुद्धि का संस्कार करते समय हृदय के संस्कार की ओर ध्यान ही नहीं देते। इसका परिणाम यह होता है कि मनुष्य दस गुना स्वार्थी हो जाता है। यदि हृदय और बुद्धि में विरोध उत्पन्न हो, तो तुम हृदय का अनुसरण करो, क्योंकि बुद्धि केवल एक तर्क के क्षेत्र में ही काम कर सकती है, वह उसके परे जा ही नहीं सकती, पर वह केवल हृदय ही है, जो हमें उच्चतम भूमिका पर आरूढ़ करता है। वहां तक बुद्धि कभी नहीं पहुंच सकती। हृदय, बुद्धि का अतिक्रमण कर अंतःस्फूर्ति को पा लेती है। बुद्धि से कभी अंतःस्फूर्ति प्राप्त नहीं हो सकती। अंतःस्फूर्ति का कारण केवल ज्ञानोदय बासित हृदय ही है। बुद्धिप्रधान, किंतु हृदय शून्य मनुष्य कभी स्फूर्तिमान नहीं बन सकता। प्रेममय पुरुष की समस्त क्रियाएं उसके हृदय से अनुप्राणित होती हैं। एक ऐसा उच्चतर साधन, जिसे बुद्धि कभी नहीं दे सकती, अगर किसी ने पाया है तो हृदय ने ही, और वह साधन है अंतःस्फूर्ति। जिस तरह बुद्धि ज्ञान का साधन है, उसी तरह हृदय अंतःस्फूर्ति का। शुरुआत में हृदय इतना शक्तिशाली नहीं होता, जितनी कि बुद्धि। एक अनपढ़ मनुष्य को कोई ज्ञान नहीं होता, पर वह थोड़ा बहुत भावना प्रधान होता है।

अपनी गठरी टटोलें

संकलित

प्रेरणा

दो आदमी यात्रा पर निकले! दोनों की मुलाकात हुई, दोनों का गंतव्य एक था तो दोनों यात्रा में साथ हो चले। सात दिन बाद दोनों के अलग होने का समय आया तो एक ने कहा- भाई साहब! एक सप्ताह तक हम दोनों साथ रहे क्या आपने मुझे पहचाना? दूसरे ने कहा- नहीं, मैंने तो नहीं पहचाना। पहला यात्री बोला- महोदय मैं एक नामी ठग हूँ परन्तु आप तो महाठग हैं। आप मेरे भी गुरू निकले। दूसरा यात्री बोला- कैसे? पहला यात्री- कुछ पाने की आशा में मैंने निरंतर सात दिन तक आपकी तलाशी ली, मुझे कुछ भी नहीं मिला। इतने दिन साथ रहने के बाद मुझे यह पता है आप बहुत धनी व्यक्ति हैं और इतनी बड़ी यात्रा पर निकले हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि आपके पास कुछ भी नहीं है? बिल्कुल खाली हाथ हैं! दूसरा यात्री- मेरे पास एक बहुमूल्य हीरा है और थोड़ी-सी रजत मुद्राएं भी है। पहला यात्री बोला- तो फिर इतने प्रयत्न के बावजूद वह मुझे मिले क्यों नहीं? दूसरा यात्री- मैं जब भी बाहर जाता, वह हीरा और मुद्राएं तुम्हारी पोटली में रख देता था और तुम सात दिन तक मेरी झोली टटोलते रहे। अपनी पोटली संभालने की जरूरत ही नहीं समझी। तो फिर तुम्हें कुछ मिलता कहां से! ईश्वर नित नई खुशियां हमारी झोली में डालते हैं परन्तु हमें अपनी गठरी पर निगाह डालने की फुर्सत ही नहीं है, यही सबकी मूलभूत समस्या है। जिस दिन से इंसान दूसरे की ताकझाक बंद कर देगा उस क्षण सारी समस्या का समाधान हो जाएगा। अपनी गठरी टटोलें! जीवन में सबसे बड़ा गूढ मंत्र है स्वयं को टटोले और जीवन-पथ पर आगे बढ़े सफलताएं आप की प्रतीक्षा में है।

अंतर्मन

आज की पाती

जहरीली शराब से मौतें, जिम्मेदार कौन?

बहुत ही निंदनीय है कि मध्य प्रदेश में लापरवाही कुछ लोगों की जान पर भारी पड़ गई। यह लापरवाही सरकार, प्रशासन और खुद नशा करने वाले लोगों की मानी जा सकती है। यहां जहरीली शराब बहुत से लोगों की जान की दुश्मन बन गई। हमारे देश में नशा बहुत से लोगों की जान पर भारी पड़ता आ रहा है, लेकिन सरकारें और प्रशासन इस पर कोई खास गंभीर नहीं दिखते, तभी तो देश में जहरीली शराब पीने से होने वाली मौतों का आंकड़ा भी चिंताजनक स्थिति में है। एक तरफ सरकारें नशे पर नकेल कसने के दावे करती हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जहरीली शराब का दानव समय-समय पर सिर उठाकर सैकड़ों लोगों को मौत की नींद जब सुलाता है तो इन सभी खोखले दावों की हकीकत को बयां कर देता है। - *राजेश वर्मा, कांकेर*

ट्रेंड

मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 3 मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी दी है। इन प्रोजेक्ट्स से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 656 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। इनकी अनुमानित लागत 10,783 करोड़ है।
- नितिन गडकरी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

समान भागीदार

महिलाएं अब केवल शिक्षा और रोज़गार के अवसरों तक ही सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि अपनी आबादी के अनुपात में हर क्षेत्र में समान भागीदार बनेंगी। इसके लिए डबल-इंजन सरकार अपने सभी कार्यक्रमों को लगातार आगे बढ़ा रही है।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, यूपी

कानून-व्यवस्था नहीं

मणिपुर के जाने-माने संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह जी की भीड़ द्वारा बेरहमी से की गई हत्या, बीजेपी के शासन में पूरी तरह से कानून-व्यवस्था के न होने की एक और डरावनी याद दिलाती है। छात्र सुरक्षित नहीं हैं। महिलाओं को हर दिन अत्याचार का सामना करना पड़ता है।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

बाहर जाने की मनाही

जो लोग कहते हैं कि मैं भारत आने से इनकार करने वाला भगोड़ा हूँ, उन्हें बता दूँ कि मैं 1992 से यूनाइटेड किंगडम का स्थायी निवासी हूँ और अभी कानूनी तौर पर मुझे इस देश से बाहर जाने की मनाही है।
- विजय माल्या, पूर्व राज्यसभा सदस्य

करंट अफेयर

ब्रिटेन ने साइबर हमले की आशंका से किया इनकार

ब्रिटेन की राष्ट्रीय हवाई यातायात सेवा (एनएटीएस) ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि देश के हवाईअड्डों पर बड़े पैमाने पर हुए व्यवधान का कारण साइबर हमला था। इस व्यवधान से भारत आने-जाने वाली कई उड़ानें भी प्रभावित हुईं। मंगलवार को हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली में आई तकनीकी समस्या के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और करीब 2,000 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। इसके दुष्प्रभाव दूसरे दिन भी जारी रहे। इस व्यवधान के कारण हजारों यात्रियों को दिक्कत हुई। ब्रिटेन के सबसे व्यस्त हीथ्रो हवाई अड्डे के अलावा गैटविक, स्टैनस्टेड, ल्यूटन और मैनचेस्टर हवाई अड्डों पर भी बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और देरी हुई। एनएटीएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्टिन रॉल्फ ने बीबीसी से कहा, 'हम बहुत गहन जांच करेंगे। फिलहाल, हमने साइबर हमले की आशंका को खारिज किया है।' उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हमने इससे पहले कभी ऐसी घटना देखी है जो एक से अधिक बार हुई हो। यह ऐसी घटना होगी, जिसे हमने 50 से अधिक वर्षों के संचालन में नहीं देखा है। मैं कहूंगा कि सुरक्षा और आपदा से निपटने की क्षमता, दोनों के लिहाज से ब्रिटेन की दुनिया में सबसे अच्छी साख है।'

ऑफ बीट

स्वीडन में पूंजीपतियों को लेकर नजरिया बदल रहा

फर्नीचर कंपनी आईकिया के संस्थापक इंग्वार कम्पराड के मामले में स्वीडन के लोगों को यह बात खास तौर पर पसंद थी कि वह पुरानी कार चलाते थे (स्वाभाविक रूप से वोल्वो)। वह अपने स्टोर में काम करने वाले कर्मचारियों के बीच जाकर उनसे बातचीत करते थे और हर साल खुद उन्हें क्रिसमस के तोहफे देते थे। उनका यह साधारण दिखने का अंदाज (जिसे कुछ लोग सोची-समझी रणनीति भी कह सकते हैं) लोगों का ध्यान इस बात से हटा देता था कि कम्पराड दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक थे और स्वीडन के ऊंचे करों से बचने के लिए स्विट्जरलैंड चले गए थे। लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने स्वीडन में आए हैरान करने वाले पूंजीवादी कायापलट पर लिखा है और 'फाइनेंशियल टाइम्स' ने इस धारणा पर खबर की है कि यह देश अब अरबपतियों से भरा गया है। बीबीसी ने 2024 में 'सुपर-रिच स्वेड्स' नाम से एक वृत्तचित्र पॉडकास्ट भी प्रसारित किया। और इस दिलचस्पी के पीछे ठोस वजहें हैं। लंबे समय तक स्वीडन दुनिया में सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में शामिल रहा, लेकिन पूंजी और संपत्ति पर कर लगाने के मामले में अब स्थिति अलग है। मसलन, देश में अब संपत्ति कर, विरासत कर या अचल संपत्ति कर नहीं है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

पीएम मोदी समेत कई दिग्गजों ने खुद नहीं बनाई तस्वीर और न ही शेयर की

दिग्गजों में खुद को 1980 के दशक का दिखाने की लगी होड़ पीएम मोदी,राहुल,पीयूष और शिवराज की तस्वीरें हो रहीं वायरल

ओपन एआई अस्त्र ने कर दिया टाइम ट्रैवल, सोशल मीडिया यूजर्स ट्रेंड को कर रहे पसंद

वीरेंद्र विश्वकर्मा ▶▶ भोपाल

अलग खबर

राहुल गांधी

पीयूष गोयल

शिवराज सिंह

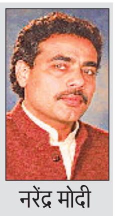
नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी तक कई नेताओं की 1980 स्टाइल वाली एआई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान समेत कई नाम इस रेट्रो ट्रेंड का हिस्सा बने हैं, जहां एआई ने आज की तस्वीरों को 1980 के दशक के पुराने फैशन और विंटेज अंदाज में बदल दिया है। सोशल मीडिया पर इन दिनों '80s AI Photo Trend' तेजी से वायरल हो रहा है। इस ट्रेंड में लोग अपनी मौजूदा तस्वीरों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से 1980 के दशक के रेट्रो और विंटेज लुक में बदल रहे हैं। तस्वीरों में पुराने जमाने के कपड़े, हेयरस्टाइल, कैमरा इफेक्ट और उस दौर जैसा बैकग्राउंड नजर आता है। इंस्टाग्राम पर यह ट्रेंड खूब शेयर किया जा रहा है। इस ट्रेंड की सबसे खास बात यह है कि इसके लिए किसी पुराने फोटो स्टूडियो या महंगे कैमरे की जरूरत नहीं है। लोग एआई टूल्स की मदद से अपनी सामान्य फोटो को 80 के जमाने की तस्वीर में बदल रहे हैं। फोटो में पुराने कैमरे जैसी क्वालिटी, हल्का ग्रेन, रेट्रो कलर टोन और उस दौर की फैशन स्टाइल जोड़ी जा रही है। यानी एक क्लिक में आज की तस्वीर सीधे 40 साल पीछे पहुंच जाती है। यही वजह है कि सोशल मीडिया यूजर्स इस ट्रेंड को काफी पसंद कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी 1980 के स्टाइल वाली एआई तस्वीरें सोशल मीडिया पर देखने को मिल रही हैं। हालांकि, इन तस्वीरों को उनके आधिकारिक अकाउंट से शेयर किए जाने और फैन पेज या डिजिटल क्रिएटर्स द्वारा बनाए जाने में अंतर समझना जरूरी है। एआई के जरिए किसी भी व्यक्ति की तस्वीर को पुराने दौर के कपड़े, हेयरस्टाइल और बैकग्राउंड के साथ तैयार किया जा सकता है। इसी वजह से नेताओं और सेलिब्रिटीज के पुराने जमाने वाले काल्पनिक लुक भी तेजी से वायरल हो रहे हैं। वायरल ट्रेंड में कई चर्चित नाम भी शामिल हो चुके हैं। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी एआई की मदद से तैयार अपनी रेट्रो तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की। उनकी तस्वीर में 80 के दशक का खास अंदाज देखने को मिला। तस्वीर सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी 80 के लुक वाली एआई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी के मुताबिक उन्होंने खुद इस ट्रेंड के तहत कोई तस्वीर शेयर नहीं की है। डिजिटल क्रिएटर्स और फैन पेजों ने उनकी तस्वीरों को एआई की मदद से रेट्रो अंदाज में तैयार किया है। इन तस्वीरों में उन्हें 80 के दशक के कॉलेज स्टूडेंट या पुराने स्कूल इयरबुक स्टाइल में दिखाया गया है। सोशल मीडिया यूजर्स इस लुक को काफी दिलचस्प बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का रेट्रो लुक भी चर्चा में आ गया।

ये है वायरल होने की मूल वजह

दरअसल, 80 का दशक अपने अलग फैशन, हेयरस्टाइल, कैमरा क्वालिटी और रंगीन तस्वीरों के लिए जाना जाता है। एआई ने इसी पुराने अंदाज को आज की डिजिटल दुनिया में वापस ला दिया है। लोगों को अपनी तस्वीरों में वह पुराना दौर देखने को मिल रहा है।

एआई पर चेहरा अपलोड प्राइवेसी को खतरा

एआई टूल्स और ऐप्स पर अपनी फोटो अपलोड करने से डेटा प्राइवेसी को लेकर जोखिम हो सकता है। फेशियल डेटा के लीक होने का खतरा बना रहता है। संबंधित कंपनी का सर्वर हैक होता है, तो चेहरे से जुड़ी संवेदनशील जानकारी गलत हाथों में पहुंच सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि फोटो अपलोड करने से पहले ऐप की प्राइवेसी पॉलिसी और डेटा इस्तेमाल की शर्तें जरूर समझ लें। बता दें कि ओपन एआई ने अपने चैटजीपीटी का लेटेस्ट एआई मॉडल रिलीज किया है। नए एआई मॉडल का नाम जीपीटी-6 अस्त्र रखा है।

खबर संक्षेप

मेधा मामले में सुप्रीम कोर्ट जाएगी यूपी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने जा रही है। अपने आदेश में हाईकोर्ट ने गौतम बुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम को कड़ी फटकार लगाई गई थी।

सीएम विजय की अगुवाई में बना ' विक्ट्री फ्रंट'

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल से जुड़े गठबंधन ने बुधवार को अपनी राजनीतिक पहचान को नया नाम दे दिया।सीएम और टीवीके अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय की अगुवाई में सहयोगी दलों की बैठक में गठबंधन का नाम रखा गया। बैठक के बाद मणिकम टैगोर ने बताया कि गठबंधन को 'सेक्युलर, सोशल जस्टिस, विक्ट्री फ्रंट' नाम दिया है।

बस ने दो बाइकों में मारी टक्कर, 5 की मौत

मुजफ्फरनगर। जनपद में बुढ़ाना थाना क्षेत्र के भैसाना गांव के पास बड़ौत मार्ग पर रोडवेज बस ने 2 बाइकों को टक्कर मार दी। इसमें दोनों बाइकों पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में बागपत के पिता-पुत्री, कांधला के दो युवक और बुढ़ाना क्षेत्र का एक युवक शामिल है। हादसा बड़ौत मार्ग पर भैसाना गांव के पास हुआ।

रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक

विकास कार्यों और योजनाओं की भी समीक्षा की

राहुल ने दिखाई डीएम को गड्ढों की फोटो सड़कों की खस्ता हालत पर मांगा जवाब

राहुल ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना फंड से पूरे हुए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरे को 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों और इंडिया गठबंधन की मजबूती से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं भाजपा ने उनके इस दौरे पर राजनीतिक तंज भी कसा।

एजेंसी ▶▶ रायबरेली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जिले की सड़कों की खस्ता हालत का मुद्दा उठाया। उन्होंने बैठक के दौरान जिला प्रशासन को गड्ढों वाली सड़कों की तस्वीरें दिखाईं और जिलाधिकारी से सड़कों की स्थिति को लेकर जवाब मांगा।

राहुल ने जिलाधिकारी से पूछा कि जिले में सड़कों की हालत खराब क्यों है और इनके रखरखाव को लेकर क्या कार्रवाई की जा रही है? इस पर जिलाधिकारी ने बताया कि बारिश की वजह से कुछ सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इनमें से कई सड़कों की मरम्मत करा दी गई है, जबकि बाकी सड़कों की निगरानी और मरम्मत का काम लोक निर्माण विभाग देख रहा है। मीटिंग के दौरान राहुल गांधी ने रायबरेली में चल रहे विकास कार्यों और योजनाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय स्तर पर विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली। कामों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया।

बैठक के दौरान विकास से जुड़े मुद्दों पर अधिकारियों से जानकारी भी ली

कामों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया

बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों से भी मिले

इससे पहले राहुल गांधी का काफिला कोटवा मदानिया के पास कुछ देर रुका था, जहां बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों ने उनसे मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। इसके बाद उनका काफिला महाराजगंज होते हुए जिला मुख्यालय पहुंचा था।

राहुल ने अन्य लोगों की भी समस्याएं सुनी

राहुल 2 दिवसीय दौरे पर मंगलवार को संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे थे। दौरे के दौरान उन्होंने व्यापारियों, वकीलों, फार्मासिस्टों और अन्य स्थानीय प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रतिनिधिमंडलों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और समाधान के प्रयास किए जाएंगे। राहुल ने प्रभु टाउन में व्यापारियों से मुलाकात की। इस दौरान सराफा कारोबारियों ने सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी और आभूषणों पर लगने वाले जीएसटी समेत कारोबार से जुड़ी समस्याएं उनके सामने रखीं।

भाजपा का साथ देने की सजा भुगत रहा व्यापारी

राहुल ने प्रधानमंत्री की हालिया आभूषण न खरीदने संबंधी अपील को गैरजरूरी बताते हुए कहा कि मंदी और महंगाई से जूझ रहे व्यापारियों के लिए ऐसे बयानों से चिंता और बढ़ती है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से भाजपा का समर्थन करने वाला व्यापारी वर्ग आज उसकी नीतियों से परेशान है और एक तरह से भाजपा का साथ देने की सजा भुगत रहा है।

वे टीआरपी बढ़ाने आए, दिल्ली से आए 3 लोग दे रहे थे लिखकर पर्ची

दिनेश प्रताप का हमला

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कांग्रेस सांसद की 'दिशा' की बैठक पर कहा कि सब कोई जानता है कि राहुल गांधी रायबरेली के विकास के लिए नहीं आते हैं, अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए आते हैं। दिशा की बैठक में पूरे अनुसरण के दौरान हमने देखा कि राहुल को दिल्ली से आए हुए 3 लोग पर्ची लिखकर दे रहे थे। जितना उन्हें दिया जा रहा था, वे केवल उतना ही बोल पा रहे थे। अगर हमारी सरकार के अधिकारी और कर्मचारी को आपको बताना पड़ा कि किस योजना में क्या होता है तो आप अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं कर पाएंगे। उन्होंने (राहुल गांधी) एक अधिकारी से पूछा कि बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ कार्यक्रम में होता क्या है? प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा अथवा भारत सरकार के द्वारा, राहुल को रायबरेली के विकास को गति देने की जिम्मेदारी दी गई है। जब उन्हें योजना के बारे में पता ही नहीं है तो वे उसका अनुसरण क्या करेंगे?

योगी के मंत्री ने किया पलटवार

राजनीतिक दलों से जुड़े टैक्स घोटाले की जांच के लिए कांग्रेस ने की जेपीसी गठन की मांग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने 3,260 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के जरिए हुए 10,000 करोड़ से अधिक के टैक्स घोटाले की जांच के लिए तत्काल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग की है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि इस मामले में गंभीर अनियमितताओं के सामने आने के बावजूद मोदी सरकार ने एक साल से अपने चहेतों को बचाने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की है। बेहद संगीन खुलासा करते हुए गोहिल ने कहा कि इस घोटाले को लेकर अगस्त 2025 में एडीआर की रिपोर्ट आई थी, लेकिन मोदी सरकार ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। झारखंड आयकर विभाग के कुछ निष्पक्ष अधिकारियों ने भी इस फर्जीवाड़े में आपराधिक मामला दर्ज करने की सिफारिश की थी, तो सत्ता में बैठे आकाओं ने उन्हें रोक दिया।

सबसे बड़ा टैक्स गोटाला बताया

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने इसे देश के इतिहास का सबसे बड़ा टैक्स घोटाला बताते हुए कहा कि भाजपा ने देशभर में 3,260 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अपनी 'सी-टीम' के रूप में खड़ा कर बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी और काले धन को सफेद करवाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे फर्जी दलों को चंदा देकर टैक्स चोरी करने वाले बोगस डोनर्स पर आयकर अधिनियम के तहत 200 प्रतिशत जुर्माना लगाने तथा आपराधिक मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि इस घोटाले में शामिल चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और फर्जी दलों के कर्ता-धर्ताओं के खिलाफ भी सख्त आपराधिक कार्रवाई हो, फर्जीवाड़ा करने वाले लोगों और कंपनियों के नाम सार्वजनिक किए जाएं। साथ ही यह भी उजागर किया जाए कि इन फर्जी दलों को चलाने वाले कितने लोग अब भाजपा में शामिल हैं। गोहिल ने बताया कि आयकर नियमों के अनुसार पांच करोड़ रुपये से अधिक की आय पर कुल 42.7 प्रतिशत टैक्स लगता है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत राजनीतिक दलों को दिए गए चंदे पर टैक्स-छूट संबंधी प्रावधान हैं, जिनका दुरुपयोग कर इन फर्जी राजनीतिक दलों को दस हजार करोड़ रुपये से अधिक का चंदा दिया गया। इसके बदले इन फर्जी दलों के लोगों ने दो से 15 प्रतिशत तक अपना कमीशन काटकर शेष राशि चंदा देने वालों को लौटा दी। उन्होंने कहा कि आयकर विभाग और टैक्स ट्रिब्यूनल ने भी इस फर्जीवाड़े को स्वीकार किया है।गोहिल ने बताया कि इस तरह के फर्जीवाड़े से निपटने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि आयकर अधिनियम के तहत डिडक्शन की पूरी राशि वापस लेने के साथ-साथ उस पर ब्याज और 200 प्रतिशत तक टैक्स लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त धारा 276सी(1) और धारा 277 के तहत इस तरह की जालसाजी करने वालों पर आपराधिक मुकदमा चलाकर सात साल तक की जेल का प्रावधान है। गोहिल ने यह भी कहा कि वर्ष 2014 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसके तहत राज्य चुनाव अधिकारियों की यह जिम्मेदारी थी कि वे राजनीतिक दलों को मिले चंदे और उनके खर्च का पूरा ब्योरा अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करें तथा आयकर विभाग को सूचित करें, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं किया गया।

'सीड एक्ट' पर देशभर के किसान नेताओं के साथ शिवराज सिंह चौहान की बैठक आज, जानेंगे राय

प्रस्तावित नए सीड बिल पर देश के किसान संगठनों से राय लेंगे चौहान; घटिया बीज बेचने वालों पर कसेगा शिकंजा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार नकली और अमानक बीजों के खिलाफ सख्त 'सीड एक्ट' लाने की तैयारी में है। इस कानून को अंतिम रूप देने से पहले केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार 10 सितंबर को कृषि भवन, नई दिल्ली में देशभर के प्रमुख किसान संगठनों के शीर्ष नेताओं के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक करेंगे। चौहान द्वारा आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य सीड कानून के मसौदे पर सीधे किसानों के जमीनी अनुभव, सुझाव और पक्ष को शामिल करना है ताकि बीज माफियाओं के खिलाफ एक अचूक और प्रभावी व्यवस्था खड़ी की जा सके। प्रस्तावित नए 'सीड एक्ट' के तहत नकली, मिलावटी या घटिया बीज बेचने वाली कंपनियों और कारोबारियों के खिलाफ भारी जुर्माने और जेल की सजा जैसे बेहद सख्त कानूनी प्रावधान किए जा रहे हैं। कई बार खराब बीज के कारण किसान की महीनों की गाढ़ी कमाई और खून-पसीने की मेहनत बर्बाद हो जाती है। केंद्र सरकार का स्पष्ट रुख है कि कानून ऐसा बने जो बीज की गुणवत्ता और पारदर्शी ट्रेसिंग सिस्टम की शत-प्रतिशत गारंटी दे, साथ ही किसानों के पारंपरिक बीजों के अधिकारों की भी रक्षा करे। 10 सितंबर को आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय विमर्श में कश्मीर से कन्याकुमारी तक के किसान प्रतिनिधि एक मंच पर उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में भारतीय किसान संघ, बीकेयू (विभिन्न घटक), अखिल भारतीय किसान समन्वय समिति, किसान महापंचायत, भारतीय कृषक समाज, गांव किसान उन्नयन और सोसाइटी फॉर इंडिपेंडेंट फार्मर्स एसोसिएशन का शीर्ष नेतृत्व शामिल होगा। इसके साथ ही कर्नाटक रैयत संघ, तेलंगाना रैयत संघ, महाराष्ट्र का शेतकारी संगठन, गुजरात का खेदुत समाज, राजस्थान व बिहार की राष्ट्रीय किसान प्रोग्रेसिव एसोसिएशन, तमिलनाडु का व्यवसाइगल संघम, झारखंड का प्रगतिशील कृषि मंच तथा केरल के कोट्टायम का कृषक संगठन सहित कई राज्यों के जमीनी किसान प्रतिनिधि भी सीधे कृषि मंत्री के समक्ष अपनी बात रखेंगे।

नवीन ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण व विभाजनकारी राजनीति,दलितों के अपमान का आरोप लगाया

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में विस्तारित राज्य कार्यसमिति बैठक को संबोधित किया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को उत्तराखंड के हल्द्वानी में विस्तारित राज्य कार्यसमिति बैठक को संबोधित किया और कहा कि देवभूमि की ऊर्जा से प्रेरणा लेकर भाजपा विकास और राष्ट्र प्रथम के लिए संकल्पित है। नवीन ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सड़क, सैनिक सम्मान, यूसीसी, महिला सशक्तीकरण और गरीब कल्याण को रेखांकित किया। नवीन ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण, विभाजनकारी राजनीति और दलितों के अपमान का आरोप लगाया और 'वंदे मातरम' को एकता और विकसित भारत का प्रतीक बताया।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से एक-एक बूथ मजबूत कर 2027 में उत्तराखंड में हैट्रिक और 2029 के लक्ष्य के लिए जुटने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, केंद्रीय मंत्री अजय टम्टा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तीरथ सिंह रावत और रेखा वर्मा, राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख अनिल बलूनी सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे। नवीन ने कहा कि एक समय यहां के पहाड़ों में लोग यह कहते थे कि सड़क बनाना, सड़क की चिंता करना और लोगों को आवागमन की सुविधा देना उनके लक्ष्य और कार्यक्रम में ही नहीं था। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के विकास के लिए हमेशा अपने संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाया है। आज दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से लेकर चारधाम ऑल वेदर रोड तक कई सड़क परियोजनाओं का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो रहा है। कांग्रेस के सत्ता में रहने के समय इन दुर्गम पहाड़ियों में हमारे लोगों का जीवन कैसे अनुकूल हो और उन्हें सुख-सुविधाएं कैसे मिलें, इसकी चिंता नहीं होती थी। 2012 में मुझे अरुणाचल की यात्रा पर जाने का मौका मिला। जब हम तवांग के बॉर्डर बोमला तक गए, तो हमने वहां करीब 400 किलोमीटर तक कच्ची सड़कें देखीं। जब वे चीन के बॉर्डर तक गए, तो उन्होंने देखा कि चीन की तरफ पक्की सड़कें बनी थीं और भारत की सीमाओं में कच्ची सड़कें थीं। मैंने वहां के लोगों और मिलिट्री के अधिकारियों से पूछा कि आखिर हमारे देश में क्या कमी है?नवीन ने कहा कि हम 'राष्ट्र प्रथम' के नारे से काम करते हैं और यह उनकी कार्यपद्धति से स्पष्ट दिखाई देता है। हमारे लिए 'नेशन फर्स्ट' है, 'पार्टी नेक्स्ट' है और 'सेल्फ लास्ट' है और भाजपा इसी पद्धति से काम करती है। इस देश में ऐसे भी दल के लोग हैं, जो 'वंदे मातरम' कहने में भी शर्मिंदगी महसूस करते हैं। हम राहुल गांधी से कहते हैं कि वे 'वंदे मातरम' का महत्व समझ ही नहीं सकते, क्योंकि उन्होंने भारतीय संस्कृति के महत्व को ही नहीं समझा। राहुल गांधी तो विदेशी संस्कृति में ही पले-बढ़े हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए 27वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता 2025-26

संसद भवन का दीदार कर सकेंगे राष्ट्रीय युवा संसद के धारदार विजेता वक्ता, आज संसदीय परिसर में केंद्रीय मंत्री रिजिजू करेंगे उन्हें पुरस्कृत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए आयोजित 27वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता 2025-26 का पुरस्कार वितरण समारोह गुरुवार को नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समारोह की अध्यक्षता करेंगे और प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता विद्यार्थियों तथा संबंधित विद्यालयों को पुरस्कार प्रदान करेंगे। संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, समारोह में प्रतियोगिता में मेधावी प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और विद्यालयों को सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में संसदीय लोकतंत्र, लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और संसदीय कार्यप्रणाली के प्रति समझ विकसित करना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और तर्कपूर्ण विचार रखने की क्षमता को बढ़ावा देना है।

30 वर्षों से आयोजित हो रही युवा संसद प्रतियोगिता

संसदीय कार्य मंत्रालय पिछले करीब 30 वर्षों से जवाहर नवोदय विद्यालयों में युवा संसद प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। इस पहल के माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों को संसद की कार्यप्रणाली से परिचित कराने और लोकतांत्रिक मूल्यों को व्यवहारिक रूप से समझने का अवसर मिलता है। युवा संसद के दौरान विद्यार्थी संसद की तरह विभिन्न भूमिकाएं निभाते हैं। वे निर्धारित विषयों पर चर्चा करते हैं, सवाल उठाते हैं, पक्ष-विपक्ष के तर्क रखते हैं और संसदीय नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्यवाही संचालित करते हैं। इससे विद्यार्थियों में सार्वजनिक मुद्दों पर विचार करने, तार्किक ढंग से अपनी बात रखने और दूसरों के विचार सुनने की क्षमता विकसित होती है।

100 जवाहर नवोदय विद्यालयों ने लिया हिस्सा

27वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन देशभर में जवाहर नवोदय विद्यालय समिति के 8 क्षेत्रों में फैले 100 विद्यालयों के बीच किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने संसदीय कार्यप्रणाली के अनुरूप विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़े इन विद्यालयों की भागीदारी के कारण प्रतियोगिता को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक स्वरूप मिला। विद्यार्थियों ने संसदीय बहस, चर्चा और लोकतांत्रिक संवाद की प्रक्रिया को समझने के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

छात्रों में लोकतांत्रिक चेतना विकसित करने पर जोर

युवा संसद प्रतियोगिता को विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक चेतना विकसित करने की दिशा में अहम पहल माना जाता है। इससे विद्यार्थियों को यह समझने का अवसर मिलता है कि संसद में जनहित के विषयों पर किस प्रकार चर्चा विचार-विमर्श किया जाता है तथा विभिन्न मतों के बीच संवाद के जरिए लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ती है। प्रतियोगिता विद्यार्थियों को देश के सामाजिक, आर्थिक और सार्वजनिक मुद्दों के प्रति जागरूक बनाने में मदद करती है। उनमें नेतृत्व, वक्तृत्व, आत्मविश्वास जैसे गुणों के विकास पर जोर दिया जाता है।

विजेता विद्यार्थियों और विद्यालयों को मिलेगा सम्मान

संसद भवन परिसर में होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों और जवाहर नवोदय विद्यालयों को सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू विजेता प्रतिभागियों और विद्यालयों को पुरस्कार प्रदान करेंगे।वोमंत्रालय का मानना है कि युवा संसद जैसी गतिविधियां विद्यार्थियों को देश की संसदीय परंपरा और लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके जरिए नई पीढ़ी में संविधान, संसद और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति समझ और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।

जारकीहोली से जुड़े 18 ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

बेंगलुरु। कर्नाटक के पीडब्ल्यूडी मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सतीश जारकीहोली से जुड़े ठिकानों पर ईडी ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी की टीमें कर्नाटक के बेंगलुरु और बेलगावी के अलावा महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में करीब 18 परिसरों की तलाशी ली। इनमें बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी स्थित सतीश जारकीहोली का आवास भी शामिल है। टीम सीआरपीएफ के साथ दो वाहनों में मंत्री के सरकारी आवास पहुंची। इसके बाद परिसर में तलाशी अभियान शुरू किया।

एफपीसीईई ने राज्यों पर कानून ठीक से लागू नहीं करने का लगाया आरोप

रेरा कानून ठीक से लागू न होने से 27.6 लाख घर खरीदारों की रकम फंसी: एफपीसीईई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- 27.6 लाख घर खरीदार आवासीय परियोजना में देरी के कारण फंसे है
- रेरा 2016 में लागू हुआ, 10 साल पूरे होने पर रिपोर्ट हुई जारी
- नियामकीय नाकामी से घर खरीदारों को हो रहे नुकसान का उल्लेख

घर खरीदारों के संगठन एफपीसीईई ने रियल एस्टेट क्षेत्र को नियंत्रित करने वाले रेरा कानून को राज्यों में ठीक से लागू नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि देशभर में करीब 27.6 लाख घर खरीदार आवासीय परियोजनाओं में देरी के कारण फंसे हुए हैं।

'फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट्स' (एफपीसीईई) ने रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम (रेरा), 2016 के लागू होने के 10 साल पूरे होने पर जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही। रिपोर्ट में नियामकीय नाकामी से घर खरीदारों को हो रहे नुकसान का उल्लेख किया गया है।

रेरा के क्रियान्वयन में कमी रही है

एफपीसीईई के अध्यक्ष अभय उपाध्याय ने कहा, ''रेरा एक कानून के रूप में विफल नहीं हुआ है, इसके क्रियान्वयन में कमी रही है। और जब क्रियान्वयन कमजोर पड़ता है, तो मजबूत से मजबूत कानून भी व्यवहार में विफल हो जाता है।

बिल्डर को परियोजना की सभी जानकारी देनी होती है : रेरा कानून के तहत बिल्डर को परियोजना से जुड़ी सभी जरूरी जानकारियां और मंजूरियां सार्वजनिक करनी होती हैं। उन्हें घर खरीदारों से प्राप्त राशि का 70 प्रतिशत अलग बैंक खाते में जमा करना भी आवश्यक है, जिसका इस्तेमाल केवल जमीन की लागत और परियोजना के निर्माण के लिए किया जा सकता है।

प्रति परिवार 45 लाख रुपए की राशि फंसी हुई : आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के 'रेरा ट्रैकर' के दो मार्च, 2026 के आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि करीब 27.6 लाख घर खरीदार परिवारों की रकम बिल्डरों के पास फंसी हुई है।

सुधार की तत्काल जरूरत

उपाध्याय ने कहा कि रिपोर्ट का उद्देश्य रेरा कानून के क्रियान्वयन में सुधार करना तथा उस अनुशासन और जवाबदेही को बहाल करना है, जिसके साथ कानून बनाया गया था। उन्होंने कहा, ''घर खरीदारों के लिए यह नियामकीय व्यवस्था का विषय न होकर उनकी जीवन भर की बचत, आवास और सुरक्षा से जुड़ा मामला है। और इसमें सुधार की तत्काल जरूरत है।''

निर्धारित शर्तों की समूचित जांच नहीं की जा रही

एफपीसीईई ने कहा कि रिपोर्ट के निष्कर्ष कई राज्यों में रेरा प्राधिकरणों के आधिकारिक रिकॉर्ड, परियोजनाओं की समयसीमा बढ़ाने संबंधी आदेश, नियामकीय दाखिलों और दर्ज फैसलों के आधार पर तैयार किए गए हैं। संगठन ने रेरा के क्रियान्वयन में कई खामियों का जिक्र करते हुए कहा कि परियोजनाओं की समयसीमा बढ़ाने की अनुमति देते समय कानून में निर्धारित शर्तों की समुचित जांच नहीं की जा रही है।

देरी को दूर करने नियमित किया जा रहा

परियोजनाओं में देरी को दूर करने के बजाय उसे नियमित किया जा रहा है और प्रवर्तन की जगह प्रशासनिक रियायत ने ले ली है। उपाध्याय ने कहा, ''नियामकीय प्रक्रिया निवारक की भूमिका निभाने के बजाय ऐसी व्यवस्था बन गई है, जिसके जरिये देरी को संस्थागत रूप दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भी विलंबित आवासीय परियोजनाओं से जुड़े कई मामलों में नियामकीय प्रणाली के कामकाज पर गंभीर टिप्पणियां की हैं।

- कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंची

पेट्रोलियम कंपनियों को पेट्रोल पर 5 और डीजल पर 23 रुपये का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों को पेट्रोल की बिक्री पर करीब पांच रुपये और डीजल पर 23 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। विश्लेषकों ने बुधवार को यह जानकारी दी। कच्चे तेल की कीमत जुलाई के बाद अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। इससे पहले 23 जुलाई को इसकी कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर थी।अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2.5 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई है, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) कच्चा तेल करीब दो प्रतिशत बढ़कर 95 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया। यह तेजी अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव तथा एक-दूसरे के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई के बाद आई है।दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक और उपभोक्ता देश भारत पर अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर पड़ता है।

कच्चे तेल के दाम में उछाल, रुपया 34 पैसे टूटकर 95.08 बंद

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 34 पैसे लुढ़ककर 95.08 के स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से महंगाई तथा विदेशी मुद्रा की अधिक निकासी की आशंका से रुपये पर दबाव रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कमजोर शेयर बाजार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से भी रुपये पर दबाव बढ़ा। पश्चिम एशिया में तेल संयंत्रों और टैंकर पर हुए हमलों के बाद ब्रेंट कच्चे तेल का वायदा भाव करीब छह सप्ताह में पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया।

एक ही दिन में खुले छह आईपीओ तीन को मिला पूर्ण अभिदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्थानीय शेयर बाजार में निवेशकों की मजबूत दिलचस्पी के बीच बुधवार को एक ही दिन में छह कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) खुले। इस बीच रेंटोमोजो, करमतारा इंजीनियरिंग और एलसीसी प्रोजेक्ट्स के आईपीओ को पहले ही दिन ही पूर्ण अभिदान मिल गया। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, स्टीमहाउस इंडिया के आईपीओ को 42 प्रतिशत और एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी (इंडिया) लिमिटेड यानी आर्सिल के आईपीओ को 38 प्रतिशत अभिदान मिला। वहीं, मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी सॉल्यूशंस के आईपीओ को सबसे कमजोर प्रतिक्रिया मिली और इसे 17 प्रतिशत अभिदान प्राप्त हुआ। रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शंस के 351 करोड़ रुपये के आईपीओ को अंतिम दिन 121 गुना अभिदान मिला। कंपनी को आईपीओ के तहत पेश 2.24 करोड़ शेयर के मुकाबले 272 करोड़ शेयर के लिए बोलियां मिलीं। यह आईपीओ सात सितंबर को खुला और नौ सितंबर बंद हुआ था। इसके लिए मूल्य दायरा 118-124 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। छह कंपनियों के आईपीओ बुधवार को जबकि, तीन अन्य के आईपीओ एक दिन पहले खुले थे। इन छह कंपनियों का आईपीओ 11 सितंबर को बंद होगा।

सेंसेक्स 813 अंक टूटकर तीन माह के निचले स्तर पर

मुंबई (भाषा)। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट आई। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के साथ कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से मानक सूचकांक... बीएसई सेंसेक्स 813 अंक लुढ़क कर तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 23,450 अंक के नीचे फिसल गया। कारोबारियों के अनुसार, सूचना प्रौद्योगिकी, दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी), वित्तीय सेवाएं और तेल एवं गैस कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की नए सिरे से पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 813.35 अंक यानी 1.08 प्रतिशत लुढ़क कर करीब तीन महीने के निचले स्तर 74,764.23 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 203.60 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,431.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर सबसे अधिक 4.55 प्रतिशत टूटा। इन्फोसिस (4.43 प्रतिशत), टेक महिंद्रा (3.87 प्रतिशत) और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (2.26 प्रतिशत) में भी गिरावट आई।

सोने की कीमतों में तीसरे दिन आई गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में बुधवार को कम मांग के कारण सोने की कीमतों में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट आई और यह 100 रुपये टूटकर 1,58,000 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत पिछले सत्र में 1,58,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चांदी ने इस रुख के उलट प्रदर्शन किया और लगातार दूसरे सत्र में अपनी बढ़त जारी रखी। यह मंगलवार के 2,41,100 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद स्तर से 2,300 रुपये बढ़कर 2,43,400 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक -जिंस सौमिल गांधी ने कहा, ''सोने की कीमत एक सीमित दायरे में रही है क्योंकि निवेशक इस सप्ताह के आखिर में आने वाले महत्वपूर्ण अमेरिकी महंगाई आंकड़ों से पहले सतर्क रुख अपना रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच लगातार महंगाई को लेकर चिंताएं फिर से बढ़ा दी हैं।

सोना 100 रुपए टूटकर 1,58,000 रुपये प्रति दस ग्राम

चांदी 2,300 रुपए चढ़कर 2,43,400 रुपए प्रति किलोग्राम

गांधी ने कहा, ''ऊर्जा की अधिक लागत महंगाई के दबाव को बढ़ा सकती है और इस संभावना को मजबूत कर सकती है कि ब्याज दरें ऊंची बनी रह सकती हैं, जिससे सर्राफा में बढ़त सीमित हो सकती है।'' वैश्विक बाजार में, हाजिर सोना 43.67 डॉलर या एक प्रतिशत बढ़कर 4,399.22 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 66.25 डॉलर प्रति औंस हो गई।

केंद्रीय मंत्री ने दिल्ली मंडल के केंद्रीय नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। माननीय केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री, वी. सोमन्ना ने आज दिल्ली मंडल के केंद्रीय नियंत्रण कार्यालय का निरीक्षण किया तथा नियंत्रण कार्यालय के कामकाज और रेल परिचालन की निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान, मंडल रेल प्रबंधक/दिल्ली श्री पुष्पेश रमण त्रिपाठी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान, श्री वी. सोमन्ना को केंद्रीय नियंत्रण कार्यालय के कामकाज और रेल सेवाओं की रीयल-टाइम निगरानी, समन्वय और विनियमन के लिए अपनाई जा रही विभिन्न प्रणालियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने चौबीसों घंटे परिचालन में लगे रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों से भी बातचीत की। वी. सोमन्ना ने नियंत्रण कार्यालय द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और वहां कार्यरत रेल कर्मियों की प्रतिबद्धता, सतर्कता और जिम्मेदारी की भावना की प्रशंसा की। उन्होंने ट्रेनों की सुरक्षित, सुचारू और कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने में

उनके अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि दिल्ली मंडल जैसे व्यस्त मंडल में कुशल रेल परिचालन के लिए प्रभावी समन्वय, निरंतर सतर्कता और त्वरित निर्णय लेना अत्यंत आवश्यक है। नियंत्रण कार्यालय मुख्य रूप से रेल परिचालन का मुख्य केंद्र है, जो ट्रेनों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही के लिए निरंतर निगरानी और समन्वय सुनिश्चित करता है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

घरेलू बाजार में चीनी हुई सस्ती : इस्मा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ (इस्मा) के अध्यक्ष नीरज शिरगांवकर ने बुधवार को कहा कि घरेलू बाजार में चीनी की कीमतों में नरमी आने के बावजूद इसका आयात करना अभी भी फायदेमंद है। उनका यह बयान वैश्विक स्तर पर चीनी की कीमतों में हाल में आई तेजी के बीच आया है। भारत ने पिछले महीने त्योहारी मौसम से पहले घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और खुदरा कीमतों को काबू में रखने के लिए 10 लाख टन चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी थी। घरेलू कीमतों में गिरावट के बावजूद आयात अभी भी फायदेमंद है। दो सप्ताह पहले चीनी की मिल स्तर वाली कीमतें 65-67 रुपये प्रति किलोग्राम के उच्च स्तर पर थीं, जो अब घटकर 43-44 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई हैं। उन्होंने कहा कि खुदरा कीमतों पर इसका असर दिखने में अभी एक-दो सप्ताह और लगेंगे।

'सुपरइंटेलिजेंस' की दौड़ पर एआई शोधकर्ता के सवाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिग्गज कंपनी एंथ्रोपिक के कृत्रिम मेधा (एआई) शोधकर्ता जैकब कॉक्सन ने बुधवार को इस्तीफा देने की घोषणा करते हुए कहा कि प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियां'सुपरइंटेलिजेंस' विकसित करने की बेकाबू दौड़ में गैर-जिम्मेदाराना तरीके से आगे बढ़ रही हैं और 'हमारी जिंदगियों से जुआ खेल रही हैं।' पिछले तीन वर्षों में एंथ्रोपिक के अलावा ओपनएआई के साथ भी 'प्रशिक्षण-पूर्व' एआई के शोध से जुड़े रहे कॉक्सन ने कहा कि दोनों कंपनियों के बीच एआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना आगे बढ़ रही है।

मानव से अधिक सक्षम एआई सिस्टम की ओर बढ़ रहे

जैकब ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में चेतावनी दी कि प्रौद्योगिकी तेजी से ऐसे 'मानव से अधिक सक्षम एआई सिस्टम' की ओर बढ़ रही है, जो किसी भी प्रणाली में सेंध लगा सकते हैं, किसी भी क्षेत्र में रातोंरात क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं और वास्तविक शक्ति एवं संसाधन हासिल कर सकते हैं। इंसान की किसी अन्य गतिविधि से इस स्तर का खतरा पैदा नहीं होता है। कॉक्सन ने कहा, ''मैंने आज एंथ्रोपिक से इस्तीफा दे दिया।

हुंडई पेश करेगी स्थानीय स्तर पर विकसित इलेक्ट्रिक एसयूवी

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) जल्द ही स्थानीय स्तर पर विकसित एक इलेक्ट्रिक स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) पेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि यह नया इलेक्ट्रिक वाहन विशेष रूप से ईवी के लिए तैयार किए गए मंच पर आधारित होगा। एचएमआईएल के मौजूदा इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) पोर्टफोलियो में 'आयोनिक-5' और 'क्रेटा इलेक्ट्रिक' शामिल हैं। कंपनी ने

कहा कि वह नए इलेक्ट्रिक वाहन की पेशकश से पहले अपनी बिक्री और सेवा व्यवस्था को मजबूत कर रही है। इसके तहत डीलर नेटवर्क के कर्मचारियों को इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री, रखरखाव और मरम्मत के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी के लिए परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृष — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में सुधार होगा, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी।

मिथुन — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार का साथ मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। मन अशान्त रहेगा।

कर्क — परिश्रम अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाइयों के सहयोग से कारोबार को गति मिल सकती है।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें।वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं। आय की स्थिति में सुधार होगा। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान सुख में वृद्धि होगी।

कन्या — क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। परिवार में शान्ति एवं सद्भाव बनाये रखने के लिए प्रयास करें। नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति होगी।

तुला — स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र का विस्तार होगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। मानसिक शान्ति बनाये रखें। माता का सानिध्य मिलेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

धनु — मित्रों के साथ धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य होंगे। भवन की साज-सज्जा पर खर्च अधिक रहेंगे।

मकर — आलस्य में वृद्धि हो सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, लेकनि परिणाम संदिग्ध हैं। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं।

कुंभ — खर्च बढ़ेंगे। आय के साधन बन सकते हैं। नौकरी में इच्छा-विरुद्ध कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

मीन — कारोबार में सुधार के लिए भाई-बहनों का सहयोग मिल सकता है। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। रहन-सहन कष्टदायी होगा। तनाव से बचें।

14 ज़िलों में फैले तीन मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को दी मंज़ूरी

नई दिल्ली। कैबिनेट ने पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों के 14 जिलों में फैले तीन मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिससे भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 656 किलोमीटर बढ़ जाएगा। इन प्रोजेक्ट्स की कुल अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपये है और इन्हें 2029-30 तक पूरा करने की योजना है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज रेल मंत्रालय के 03 (तीन) प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है, जिनकी कुल लागत 10,783 करोड़ रुपये है। इन प्रोजेक्ट्स में खड़गपुर – झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी – पेंड्रा रोड चौथी लाइन व बिलासपुर (उसलापुर) – पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। लाइन की क्षमता बढ़ने से आवाजाही बेहतर होगी, जिससे भारतीय रेलवे की कामकाज की क्षमता और सर्विस की विश्वसनीयता में सुधार होगा। मल्टी-ट्रैकिंग के ये प्रस्ताव कामकाज को आसान बनाएंगे और भीड़-भाड़ कम करेंगे। ये प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के विज़न के अनुरूप हैं। इससे इलाके का सर्वांगीण विकास होगा और वहां के लोग 'आत्मनिर्भर' बनेंगे, साथ ही उनके लिए रोज़गार और स्वरोज़गार के अवसर भी बढ़ेंगे। इन प्रोजेक्ट्स की योजना पीएम-गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है। इसमें इंटीग्रेटेड प्लानिंग और स्टेकहोल्डर्स के साथ बातचीत के ज़रिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स की क्षमता बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया है।

अमेजन इंडिया के विक्रेताओं की कुल संख्या 20 लाख हुई

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने कहा कि उसके विक्रेता आधार (विक्रेताओं की संख्या) ने 20 लाख का आंकड़ा छू लिया है, जो पिछले तीन साल में सालाना आधार पर सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। कंपनी ने इस बढ़ोतरी का श्रेय 1,000 रुपये से कम कीमत वाले उत्पादों पर शून्य रेफरल शुल्क लागू करने और विक्रेता साझेदारों द्वारा एआई उपकरण के ज्यादा इस्तेमाल को दिया है। कंपनी ने अपने पूरे भारत के परिचालन नेटवर्क में 1.6 लाख से ज्यादा मौसमी नौकरियों के मौके पैदा किए हैं। इन पदों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह की भूमिकाएं शामिल हैं और ये 400 शहरों में फैले हुए हैं।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर-IV, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई-टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

कार्य का नाम	ADEN/JHL के अधीन सेक्शन के विभिन्न यार्डों में टर्नआउट का मानकीकरण एवं ट्रैक अवसंरचना का अनुरक्षण। (निविदा आमंत्रण सूचना-41-2026-27-डब्ल्यू-IV)		
अनुमानित लागत	₹2,37,47,474.21/-	धरोहर राशि	₹4,75,000.00/-
ई-निविदा भरने का दिनांक और समय & ई-निविदा खुलने का दिनांक और समय	ई-निविदा भरने का समय शुरू दिनाँक 17.09.2026 को 15:00 बजे से निविदा खुलने का समय & ई-निविदा खुलने का दिनांक 01.10.2026 को 15:00 बजे तक।		
निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।		

पत्र संख्या 128-W/260/ निविदा सूचना/ निविदा आमंत्रण सूचना-41-2026-27-डब्ल्यू-IV दिनांक: 09.09.2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3111/2026

शब्द पहेली - 6343

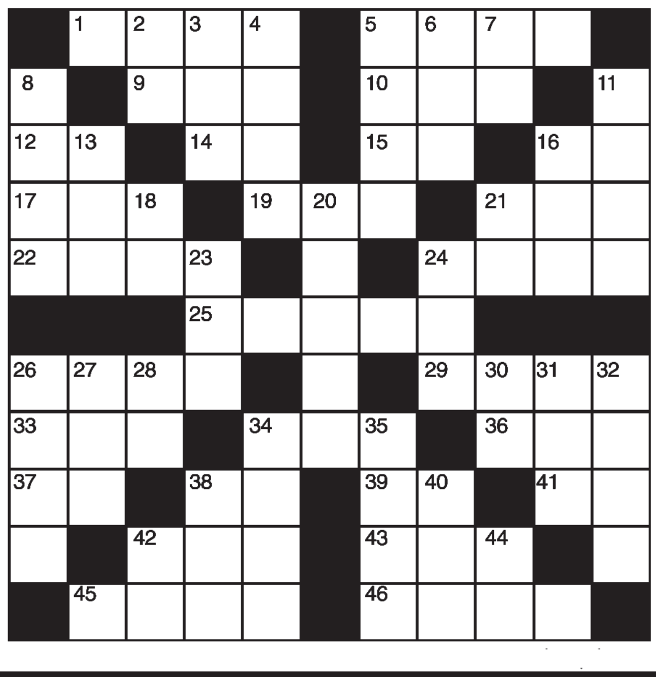

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 6342 का हल

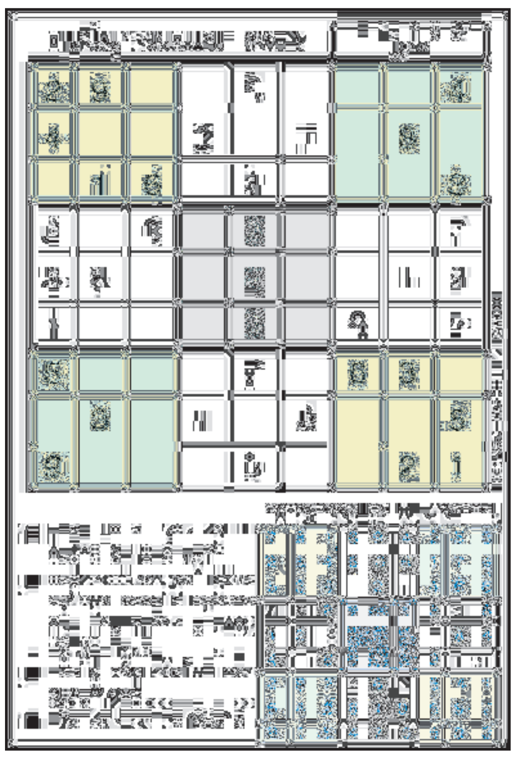

विमेंस एशिया कप सेमीफाइनल : आज बांग्लादेश से भिड़ेंगी टीम इंडिया, रिकॉर्ड 8वीं बार खिताब जीतने पर निगाहें

एजेंसी ▶▶| दुबई

सात बार की चैंपियन भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार को महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में उतरेगी तो कड़ी मैदानी प्रतिद्वंद्विता और दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव की पृष्ठभूमि में होने वाले इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की टीम का पलड़ा भारी रहेगा।

जहां तक क्रिकेट का सवाल है तो भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही है और सारे मैच जीतकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत रही है और स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ 64 गेंद में 124 रन बनाकर फिर साबित कर दिया कि उन्हें आधुनिक दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में क्यों गिना जाता है।

गेंदबाजी में भारत के पास विविधता

गेंदबाजी में भारत के पास विविधता और गहराई है। दीप्ति शर्मा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने राधा यादव और श्रीचरणी के साथ मिलकर हर मैच में स्पिन का जाल बखूबी बुना है। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर ने नई गेंद बखूबी संभालकर टीम को शुरुआती सफलताएं दिलाई है।

बांग्लादेशी बल्लेबाजों की कमजोरी उजागर

दूसरी ओर बांग्लादेश ने यूएई को 34 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। निगार सुल्ताना की टीम की बल्लेबाजी की कमजोरी उजागर हो गई थी जब उसके 6 विकेट 55 रन पर गिर गए थे। इसके बाद शरमीन अख्तर और निगार ने पारी को संभाला। बांग्लादेश के बल्लेबाजों को भारतीय स्पिन और तेज आक्रमण के सामने अच्छा प्रदर्शन करना होगा। गेंदबाजी में राबिया खान, नाहिदा अख्तर और मारुफा अख्तर के लिए भी भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने की कठिन चुनौती होगी।

टी20 प्रारुप अप्रत्याशित

इतिहास और मौजूदा फॉर्म भले ही भारत के पक्ष में हो लेकिन टी20 प्रारुप अप्रत्याशित है और विरोधी को कतई हलके में नहीं लिया जा सकता। भारत ने अब तक सात बार यह टूर्नामेंट जीता है जबकि श्रीलंका और बांग्लादेश एक एक बार जीत चुके हैं। श्रीलंका मौजूदा चैंपियन है और बांग्लादेश ने 2018 में खिताब जीता था।

मैच का समय : रात 8 बजे से।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : पूर्वी क्षेत्र को 584 रन की बढ़त

खिताब की ओर ईस्ट जोन, ईशान ने दिखाया दम

दूसरी पारी में 212/5 का स्कोर खड़ा किया

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

ईस्ट जोन ने साउथ जोन के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में जारी दलीप ट्रॉफी फाइनल के चौथे दिन तक मैच में शानदार पकड़ बना ली है। पहली पारी में 708 रन बनाकर साउथ जोन को 336 रनों पर समेटने के बाद ईस्ट जोन ने बुधवार के खेल तक अपनी दूसरी पारी में 212/5 का स्कोर खड़ा कर लिया है। यहां से टीम के पास 584 रन की बढ़त है।

इसी के साथ ईस्ट जोन ने 2011/12 और 2012/13 सीजन में लगातार जीत के बाद अपना खिताब लगभग पक्का कर लिया है। ईस्ट जोन के कप्तान इशान किशन ने दूसरी पारी में भी शानदार बैटिंग की और अर्धशतक लगाया।

साउथ जोन पहली पारी 336 रनों पर सिमटी

इसके जवाब में, साउथ जोन पहली पारी में 336 रनों पर सिमट गई। इस टीम के लिए देवदत्त पड्डिकल ने 62 रन बनाए, जबकि कप्तान तिलक वर्मा ने 9 चौकों के साथ 99 रन की पारी खेली। इनके अलावा, चामा मिलिंद ने 43 रन और नारायण जगदीशन ने 32 रन अपने नाम किए। विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि मोहम्मद शमी, कौनैन कुरैशी और शिखर मोहन ने 2-2 विकेट चटकाए।

किशन ने एक बार फिर संभाला मोर्चा

ईस्ट जोन को पहली पारी के आधार पर 372 रनों की विशाल बढ़त मिली, लेकिन विपक्षी टीम को फॉलोऑन ना देते हुए खुद दूसरी पारी में बल्लेबाजी का फैसला किया। ईस्ट जोन ने अपनी दूसरी पारी में 13 रन तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान ईशान किशन ने एक बार फिर मोर्चा संभाला। उन्होंने शिखर मोहन (52) के साथ तीसरे विकेट के लिए 126 रन जोड़े। ईशान 98 गेंदों में 3 छक्कों और 9 चौकों के साथ 80 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद टीम ने 160 के स्कोर तक अपना पांचवां विकेट भी गंवा दिया। चौथे दिन की समाप्ति तक कुमार कुशाग्र 34 रन और कौनैन कुरैशी 26 रन बनाकर नाबाद हैं। विपक्षी खेमे से मोहम्मद सिराज, त्रिपुरण विजय, एमडी निधीश और शेख रशीद ने 1-1 विकेट चटकाया है। पांचवें दिन अगर यह मुकाबला ड्रॉ भी रहता है, तो पहली पारी में ज्यादा रन बनाने की वजह से ईस्ट जोन खिताब को अपने नाम कर लेगा।

वैभव नहीं छू पाए दहाई का आंकड़ा

वैभव दूसरी पारी में दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू पाए और वो 16 गेंदों का सामना करते हुए एक चौके की मदद से 8 रन बनाकर आउट हो गए। इस पारी में उनका स्ट्राइक रेट 50.00 का रहा। वैभव को दूसरी पारी में त्रिपुरण विजय ने अपनी गेंद पर विकेट के पीछे एन जगदीशन के हाथों स्टंप आउट करवा दिया। इससे पहले वैभव इस मैच की पहली पारी में 37 गेंदों पर एक छक्का और 5 चौकों की मदद से 44 रन बनाकर आउट हुए थे।

99 रन पर तिलक आउट

साउथ जोन की टीम के लिए मैच में इकलौती उम्मीद कप्तान तिलक वर्मा ही थे। जहां सभी बल्लेबाज लगातार फेल होकर पवेलियन लौट रहे थे वहीं तिलक ने एक छोर संभालते हुए अपनी टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की। एक समय टीम के 9 विकेट गिरे हुए थे और तिलक अपने शतक से सिर्फ 1 रन दूर थे। तभी 99 रन के स्कोर पर उन्होंने मोहम्मद कुनैन कुरैशी को उन्हीं की गेंदबाजी पर एक आसान कैच थमा दिया।

यूएस ओपन

शेल्टन ने किया उलटफेर, मैराथन मुकाबले में अल्काराज को हराया

सबालेंका और पेगुला पहुंचीं सेमीफाइनल में

एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

बेन शेल्टन ने पांच सेट तक चले मैराथन मुकाबले में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि महिला वर्ग में एरिना सबालेंका और जेसिका पेगुला अंतिम चार में पहुंचने में सफल रही। शेल्टन ने अल्काराज़ को चार घंटे 28 मिनट तक चले मैच में 6-7 (5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6 (10-7) से हराया। इस तरह से अल्काराज़ का ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में पिछले 18 मैच से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया।

करियर का सर्वश्रेष्ठ मैच : शेल्टन

शेल्टन ने बाद में कहा, 'मैं थक गया हूं। यह किसी जंग से कम नहीं था। कार्लोस हमारे खेल के महानतम खिलाड़ियों में से एक हैं। यह मेरे करियर का सर्वश्रेष्ठ मैच था। इसमें कोई शक नहीं।'

करीबी मुकाबला था : अल्काराज

दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने कहा, 'यह करीबी मुकाबला था। वास्तव में यह बेहद करीबी मैच था। इसलिए मुझे निराशा है कि मैं आखिर में जीत दर्ज नहीं कर पाया। लेकिन मैंने आखिर तक मुकाबला किया और मुझे खुद पर गर्व है।'

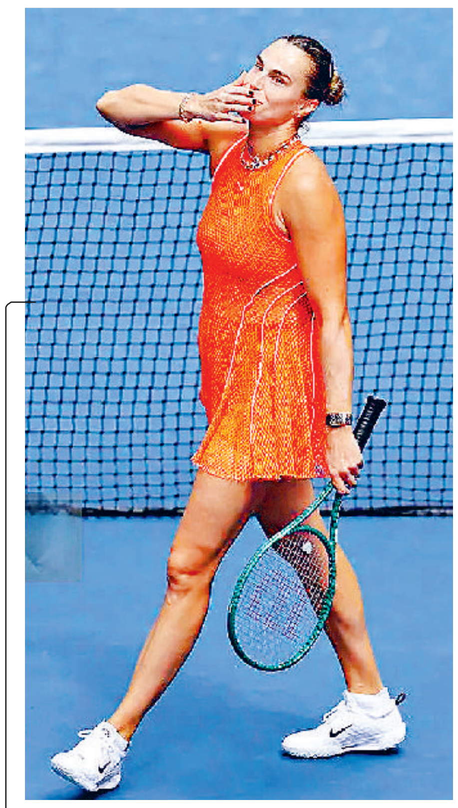

सबालेंका ने नोस्कोवा को दी मात

सबालेंका को जब लग रहा था कि अमेरिकी ओपन में लगातार तीसरा खिताब और महिला वर्ग में नंबर एक रैंकिंग बनाए रखने का उनका सपना टूट रहा है तब उन्होंने साबित किया कि वह आखिर तक हार मानने वाली नहीं हैं। सबालेंका ने रोमांचक मुकाबले में विंबलडन चैंपियन लिंडा नोस्कोवा को 7-6 (1), 3-6, 7-6 (10-7) से हराकर अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा।

जेसिका ने नवारो को हराया

जेसिका ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए 26वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराया। सबालेंका ने 2024 के फाइनल और पिछले साल सेमीफाइनल में पेगुला को हराया था।

खबर संक्षेप

नायरा ने किया निशानेबाजी चैंपियनशिप क्वालीफाई

नई दिल्ली। 10 वर्ष और 3 महीने की नायरा शर्मा राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने वाली सबसे युवा भारतीय बन गई। दिल्ली की नायरा ने हाल ही में भोपाल में अखिल भारतीय अंतर स्कूल निशानेबाजी चैंपियनशिप में दस मीटर एयर राइफल में 400 में से 363 अंक हासिल किए। वह दिल्ली की टॉपगन निशानेबाजी अकादमी में ट्रेनिंग करती है।

जूनियर अमेरिकी ओपन में भारत की चुनौती समाप्त

न्यूयॉर्क। माया राजेश्वरन रेवती के दूसरे दौर में अरिना मालिजिना से तीन सेट में मिली हार के साथ जूनियर अमेरिकी ओपन में भारतीय चुनौती लगभग समाप्त हो गई। 15वीं वरीयता प्राप्त माया को रूस की प्रतिद्वंद्वी से दो घंटे 16 मिनट में 3-6, 7-5, 5-7 से हार का सामना करना पड़ा। माया जूनियर ग्रैंडस्लैम में लगातार दो जीत दर्ज नहीं कर पाईं हैं, वह फ्रेंच ओपन में भी दूसरे दौर में बाहर हो गई थीं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई ओपन और विम्बलडन में उनका सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया था। लड़कों के युगल वर्ग के पहले दौर में अर्णव पापारकर और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार कुनानान पंतारातोर्ण को महज 58 मिनट में कजाखस्तान के दामिर झालगास्बे और अमेरिका के साफिर आजम से 4-6, 2-6 से हार मिली।

चैंपियंस लीग : एमबाप्पे और हालैंड के दम पर मैड्रिड और सिटी की शानदार जीत

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

किलियन एमबाप्पे और एर्लिंग हालैंड ने गोल दागे, जिससे रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में जीत के साथ नए सत्र की शुरुआत की। एमबाप्पे ने रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन मैड्रिड को सैंटियागो बर्नबेउ में इंटर मिलान पर 2-1 की जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी तरफ हालैंड के दो गोल की मदद से 2023 के चैंपियन सिटी ने पोर्टो को 2-0 से हराया।

मैड्रिड और सिटी को पिछली दो बार के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के साथ इस बार खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। इन दोनों टीम के प्रमुख स्ट्राइकर ने पहले मैच में ही अपना जलवा दिखाया।

एमबाप्पे ने किया 71वां गोल

एमबाप्पे ने यूरोपीय क्लब फुटबॉल की शीर्ष महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना 71वां गोल किया जबकि हालैंड के नाम पर चैंपियंस लीग में 59 मैचों में 59 गोल दर्ज हो गए हैं। बोरुसिया डॉर्टमुंड ने विलारियाल को 3-2 से हराया। रियाल बेटिस ने लिली को और एस्टन विला ने क्लब ब्रुग को इसी अंतर से पराजित किया। पीएसजी बुधवार को स्लोवन ब्रातिस्लावा के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा।

ग्रीको रोमन पहलवान दीपक डोपिंग के दोषी, डब्ल्यूएफआई ने एशियाई खेलों से नाम वापस लिया

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय कुश्ती के लिए एक और शर्मिंदगी की स्थिति पैदा हो गई जब एशियाई खेलों के लिए चुने गए ग्रीको रोमन पहलवान दीपक डोप परीक्षण में प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमीफीन के सेवन के दोषी पाए गए हैं जिसके बाद भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उन्हें टीम से वापस लेने का फैसला किया। इससे महाद्वीपीय खेलों में भारत की कुश्ती चुनौती और कमजोर हो गई है। भारत पहले ही डोपिंग मामलों के कारण एशियाई खेलों की कुश्ती टीम में दो स्थान गंवा चुका है। पुरुष फ्रीस्टाइल 86 किग्रा वर्ग के मुकुल दहिया और ग्रीको रोमन 130 किग्रा वर्ग के दीपांशु के खिलाफ डोपिंग मामले सामने आए थे। दीपक भारतीय डाक सेवा से एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले पहले पहलवान थे। दिल्ली के 25 वर्षीय पहलवान ने 31 मई को लखनऊ में हुए चयन ट्रायल में अप्रत्याशित जीत दर्ज कर टीम में जगह बनाई थी। इससे पहले उन्होंने फेडरेशन कप में पदक जीतकर प्रभावित किया था। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार चयन ट्रायल के दौरान लिए गए दीपक के मूत्र के नमूने में क्लोमीफीन की मौजूदगी पाई गई। क्लोमीफीन 2026 की विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित सूची में एस4 (हार्मोन और मेटाबोलिक मॉड्यूलेटर्स) श्रेणी में प्रतिबंधित पदार्थ है। नाडा ने बताया कि नमूने में 23 जुलाई को असामान्य निष्कर्ष सामने आया।

जूनियर एशिया कप हॉकी : सेमीफाइनल में टीम इंडिया, कप्तान अनमोल ने दागे 6 गोल

भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से दी करारी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| मोकी

कप्तान अनमोल इक्का ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 6 गोल किए, जिससे मौजूदा चैंपियन भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से करारी शिकस्त देकर जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह पक्की की। अनमोल ने पेनाल्टी कार्नर को गोल में बदलने के अपने कौशल का शानदार नमूना पेश किया।

भारतीय टीम पहले क्वार्टर में गोल नहीं कर पाई थी लेकिन इसके बाद उसने शानदार खेल दिखाया और दनादन गोल दागे। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ पूल ए में

10 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया ने जापान को 3-2 से हराकर नौ अंक के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे खिताब की दौड़ से बाहर हो गए हैं और अब वे वर्गीकरण मैचों में खेलेंगे।

भारत ने बनाया पहले क्वार्टर में गेंद पर कब्जा

भारत ने पहले क्वार्टर में गेंद पर कब्जा बनाए रखा लेकिन वह ताइपे की रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रहे। भारत ने दूसरे क्वार्टर में पांच मिनट के अंदर तीन गोल किए। आर्यन ज़ेस ने 17वें मिनट में भारत का खाता खोला, जिसके एक मिनट बाद ही प्रभदीप सिंह ने बढ़त को दोगुना कर दिया। फिर गुरसेवक सिंह ने 22वें मिनट में तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया। अनमोल ने 25वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना पहला गोल किया। अर्जुन संतोष हरगुडे ने 28वें मिनट में गोल दागा, जबकि अगले ही मिनट अनमोल ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला।

भारत ने हाफ टाइम तक बनाई 6-0 की बढ़त

इस तरह से भारत ने हाफ टाइम तक 6-0 की बढ़त बना ली थी। भारत ने इसके बाद भी आक्रामक रवैया अपनाया तथा तीसरे क्वार्टर के शुरुआती तीन मिनट के भीतर दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। अनमोल ने इन दोनों को गोल में बदलने में किसी तरह की गलती नहीं की। अजीत यादव ने भी 35वें मिनट में गोल करके स्कोरशीट पर अपना नाम दर्ज कराया, जबकि अनमोल ने गोल करने का अपना सिलसिला जारी रखा। उन्होंने 45वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच का अपना पांचवां गोल किया और तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत को 10-0 से आगे कर दिया।

विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज शीतलदेवी ने जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

मौजूदा पैरालम्पिक चैंपियन हरविंदर सिंह और दुनिया की नंबर एक तीरंदाज शीतल देवी की अगुवाई में भारत ने विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज के तीसरे चरण का अंत आखिरी दिन बुधवार को दो स्वर्ण और चार कांस्य पदक के साथ किया।

मौजूदा विश्व चैंपियन शीतल ने पैरा कंपाउंड महिला व्यक्तिगत वर्ग में स्वर्ण जीता जबकि पैरालम्पिक में दो पदक जीत चुके हरविंदर ने भावना के साथ पैरा रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा में पीला तमगा हासिल किया। रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में हरविंदर और भावना ने चीन के लियांग कियूरोंग और शिया लेइ को 6-0 से हराया। भावना ने रिकर्व

महिला प्लेआफ में राजश्री राठौड़ को 6-0 से हराकर कांस्य पदक जीता। शीतल ने महिला कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में कजाखस्तान की ऐजादा सेडान को शूटआफ में मात दी। शीतल ने इससे पहले तोमन कुमार के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम में भी कांस्य पदक जीता था। उन्होंने ईराक की सारा अल हामिद और अब्बास कादिम को 157-145 से हराया।

12-13 सितंबर को भारत मंडपम में होगा ब्रिक्स आयोजन, सुरक्षा चाक चौबंद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत 12 और 13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी नई दिल्ली के भारत मंडपम में करेगा। भारत की अध्यक्षता में हो रही बैठक का आधिकारिक थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' रखा गया है। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को इन दो दिनों में होने वाली बैठकों और आयोजनों का शेड्यूल साझा किया है।

दो दिवसीय सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के साथ-साथ साझेदार देशों और आमंत्रित देशों के शीर्ष नेता भी हिस्सा लेंगे। भारत की अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से ज्यादा बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। शनिवार को ब्रिक्स सदस्य देशों के नेता भारत मंडपम में पहुंचेंगे।

13 सितंबर को सुबह 10:50 बजे सम्मेलन का महत्वपूर्ण ओपन सेशन शुरू होगा। इस सत्र में ब्रिक्स देशों के साथ साझेदार और आमंत्रित देशों के नेता वैश्विक विकास, आर्थिक सहयोग और भविष्य की चुनौतियों पर विचार साझा करेंगे

भारत में 25 से अधिक शहरों में 350 से ज्यादा बैठकें हो चुकीं

ब्रिक्स सम्मेलन-2026

भारत मंडपम का मुख्य द्वार

पीएम मोदी नेताओं के सम्मान में देंगे डिनर

इसके बाद दोपहर लगभग 2:35 बजे 'इंक्लूसिव ग्लोबल गवर्नेंस एंड स्ट्रेंथनिंग मल्टीलेटरलिज्म' (समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना) विषय पर बंद सत्र आयोजित किया जाएगा। शाम 4:25 बजे ब्रिक्स नेताओं को 'भारत इनोवेट्स एग्जीबिशन' का अवलोकन कराया जाएगा। इसके बाद शाम 5:05 बजे नेताओं का फैमिली फोटो और 5:10 बजे संयुक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम होगा।

रविवार सुबह होगा महत्वपूर्ण ओपन सेशन

रविवार यानी 13 सितंबर को सुबह 9:55 बजे साझेदार देशों और 'आउटरीच प्रोग्राम' के तहत अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों/ सरकार प्रमुखों का भारत मंडपम में आगमन होगा। इसी दिन सुबह 10:35 बजे फैमिली फोटो का कार्यक्रम होगा। इसके बाद सुबह 10:50 बजे सम्मेलन का महत्वपूर्ण ओपन सेशन शुरू होगा। इसका विषय 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटीः शेपिंग द फ्यूचर फॉर इंक्लूसिव ग्लोबल ग्रोथ' होगा।

चौथी बार अध्यक्षता कर रहा भारत

2026 का ब्रिक्स सम्मेलन भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष समूह अपनी स्थापना के 20 वर्ष पूरे कर रहा है। भारत चौथी बार इसकी अध्यक्षता कर रहा है। सम्मेलन में वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार, बहुपक्षवाद को मजबूत करने, व्यापार, वित्त, तकनीक, ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर जोर रहने की उम्मीद है।

वीवीआईपी रूटों पर 24 घंटे निगरानी

राष्ट्रीय राजधानी में 11 से 13 सितंबर तक भारत मंडपम में होने वाले ब्रिक्स समिट की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को बेहद कड़ा किया गया है। कई जगहों पर ब्रिक्स के बैनर-पोस्टर लगाए गए हैं, जबकि कनॉट प्लेस और खान मार्केट जैसे प्रमुख बाजारों में रात के समय रोशनी भी बढ़ा दी गई है।

35 से ज्यादा सड़कों पर डायवर्जन

वीवीआईपी काफिलों की सुचारू आवाजाही के लिए दिल्ली पुलिस और ट्रैफिक पुलिस ने व्यापक योजना बनाई है। 35 से ज्यादा मुख्य सड़कों की पहचान की गई है, जिनमें सरदार पटेल मार्ग, मदर टेरेसा क्रिसेंट, तीन मूर्ति मार्ग, अकबर रोड, मथुरा रोड, जनपथ, अशोक रोड समेत कई प्रमुख मार्ग शामिल हैं। करीब 22 मुख्य डायवर्जन पॉइंट तय किए गए हैं। ट्रैफिक संभालने के लिए लगभग 4,800 ट्रैफिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। भारत मंडपम और मथुरा रोड की ओर जाने वाले वाहनों को लोधी रोड और लोधी फ्लाईओवर से डायवर्ट किया जा सकता है। धौला कुआं और सरदार पटेल मार्ग के आसपास वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल होगा।

11 सितंबर को स्कूल-दफ्तर बंद

डीसीपी शर्मा ने नागरिकों से अपील की है कि वे ट्रैफिक एडवाइजरी के अनुसार अपनी आवाजाही की योजना बनाएं और पुलिसकर्मियों का सहयोग करें। 11 सितंबर को दिल्ली में स्कूल और सरकारी दफ्तर बंद रहेंगे। प्राइवेट दफ्तरों को वर्क-फ्रॉम-होम पर विचार करने की सलाह दी गई है।

7,000 जवानों की मल्टी लेयर सुरक्षा

कुल सुरक्षा व्यवस्था के तहत दिल्ली पुलिस, अर्धसैनिक बलों, एनएसजी और अन्य एजेंसियों के करीब 7,000 जवान तैनात किए जाएंगे। सुरक्षा घेरे में कई स्तर होंगे, जिसमें दिल्ली पुलिस, अर्धसैनिक बल, एनएसजी, इंटेलिजेंस ब्यूरो और एसपीजी शामिल हैं। भारत मंडपम के आसपास एयरपोर्ट, होटल और समिट स्थल को जोड़ने वाले मुख्य रास्तों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

द्वीपीय देश की अपनी यात्रा के दौरान कोलंबो में राजनाथ सिंह ने की श्रीलंकाई राष्ट्रपति से शिष्टाचार मुलाकात

श्रीलंका की जमीन से कभी नहीं होगा भारत का कोई अहित, रक्षा मंत्री से बोले राष्ट्रपति दिसानायके

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में बढ़ती चीन की आक्रामकता के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कोलंबो में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ शिष्टाचार भेंट की है। जिसमें दोनों देशों के बीच पारंपरिक रूप से मौजूद संबंधों और साझा विश्वास पर आधारित साझेदारी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। इस मुलाकात की एक सबसे खास बात यह रही कि इसमें नई दिल्ली के इस मित्र देश के राष्ट्रपति दिसानायके ने रक्षा मंत्री को इस बात को लेकर आश्वासन दिया है कि उनके देश की धरती का कभी भी भारत का अहित करने वाली किसी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। साथ ही उन्होंने दित्वाह चक्रवात के समय सागर बंधु अभियान के जरिए दी गई राहत सहायता और प्रभावित द्वीपों के कुछ हिस्सों के पुनर्निर्माण और पुनर्वास के लिए नई दिल्ली द्वारा प्रदान किए गए पुनर्वास पैकेज के लिए आभार जताया। जबकि रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना एक करीबी मित्र, पड़ोसी देश और प्रमुख समुद्री साझेदार मानता है। जिसके चलते हम उसे सहायता प्रदान करना अपना दायित्व समझते हैं और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे।

- श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय का किया दौरा, सैन्य कमांडरों को किया संबोधित

क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए जताया संकल्प

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इस मुलाकात में

दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय सुरक्षा, समृद्धि सुनिश्चित करते हुए साझा प्रगति और जन कल्याण के प्रति एकजुटता से साथ मिलकर काम करने के अपने संकल्प को भी मजबूती के साथ दोहराया है। रक्षा मंत्री ने श्रीलंका के राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से दी गई शुभकामनाएं दीं और इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के लोग मजबूत ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों के अलावा जन-जन के आदान-प्रदान पर बनी हुई गहरी मित्रता को आपस में बांटते हैं। उन्होंने श्रीलंका की सरकार के दो साल का कार्यकाल पूरा होने के अवसर पर राष्ट्रपति दिसानायके को बधाई दी।

इन समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

दोनों ने भारत के रक्षा बलों द्वारा निर्मित 3 लोहे के पुलों (बेली ब्रिज) का वर्चुअल उद्घाटन किया। वहीं, श्रीलंका की वायुसेना के लिए एल-70 गन के उन्नयन और भारत-श्रीलंका के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) तथा राष्ट्रीय रक्षा कॉलेजों (एनडीसी) के बीच सहयोग को लेकर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एनसीसी संग सहयोग को मिलेगी मजबूती

ज्ञात हो कि एल-70 गन (तोप) एक 40 मिलीमीटर की एक स्वचालित एंटी एयरक्राफ्ट गन है। जिसे दुश्मन के आधुनिक हवाई हमलों, ड्रोन हमलों के खतरे से निपटने के लिए प्रमुख हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। इसे मूलरूप से स्वीडन की बोफोर्स 40 मिमी स्वचालित गन एल/70 कंपनी ने विकसित किया था। वर्तमान में भारतीय सशस्त्र सेनाएं इसका उपयोग कर रही हैं।

भारत सरकार के अनुदान के तहत श्रीलंकाई वायुसेना को दी गई 6 एल-70 तोपों के उन्नयन को लेकर हुआ एमओयू इस पूरे मामले का आधार है। जिससे इस द्वीपीय देश की अहम संपत्तियों की वायु रक्षा संरचना को काफी मजबूती मिलेगी। दोनों देशों के एनडीसी के बीच हुए शैक्षणिक सहयोग एमओयू से ज्ञान का आदान-प्रदान सुगम होगा। इसके अलावा एनसीसी से जुड़े एमओयू के जरिए दोनों देशों के बीच कोर के युवा विनिमय कार्यक्रम को औपचारिक रूप दिया जाएगा। यह कार्यक्रम विश्व के विभिन्न देशों के एनसीसी कैडेटों को प्रतिवर्ष नई दिल्ली आने और एनसीसी के कार्यक्रमों में भाग लेने का एक मूल्यवान अवसर प्रदान करता है।

प्रधानमंत्री अमरसूर्या से मिले रक्षा मंत्री

रक्षा मंत्री ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मुलाकात की है। जिसमें विकास, सहयोग, शिक्षा तथा दोनों पक्षों के बीच गहरे सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों से जुड़े तमाम मसलों पर चर्चा की गई। राजनाथ ने एक्स पोस्ट में बताया कि इस मुलाकात में मैंने कहा कि साझा विरासत वाले दो लोकतंत्रों के रूप में भारत और श्रीलंका को हमारे क्षेत्र की शांति, समृद्धि के लिए आपसी विकासात्मक दृष्टिकोण पर कार्य करना जारी रखना चाहिए।

इसके पूर्व में रक्षा मंत्री ने श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय का भी दौरा किया। जहां उन्हें सैन्य गार्ड ऑफ आनर दिया गया और फिर उन्होंने भारत के इस मित्र देश के सैन्य कमांडरों को संबोधित किया। कोलंबो में ही राजनाथ ने पवित्र गंगारामया मंदिर जाकर भगवान बुद्ध का आशीर्वाद प्राप्त किया। जिसमें उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भगवान बुद्ध का शाश्वत संदेश (शांति, भाईचारा और पारस्परिक समझ) तमाम भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करते हुए हमें मार्गदर्शन देता है।

और प्रगाढ़ होगी रणनीतिक साझेदारी

श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने भारत के महासागर विजन पर जोर देते हुए समुद्री सहयोग का उल्लेख करते हुए दोनों देशों की दीर्घकालिक रक्षा-रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। रक्षा मंत्री के मुताबिक, श्रीलंका के सैन्य नेतृत्व के साथ मुलाकात के दौरान यह पता चला कि इनमें से कई ने भारत में अपना प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

भारत-मोरक्को रक्षा संबंध होंगे और मजबूत

संयुक्त रक्षा समिति की पहली बैठक में दोनों देश सहमत दिखे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और मोरक्को के बीच रक्षा सहयोग को नई गति देने की दिशा में नई दिल्ली में संयुक्त रक्षा समिति की पहली बैठक आयोजित हुई। दोनों देशों ने प्रशिक्षण एवं सैन्य शिक्षा, शांति स्थापना अभियानों, सैन्य अभ्यासों, चिकित्सा सहयोग, साइबर सुरक्षा और रक्षा उद्योग समेत आपसी हित से जुड़े कई क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधों को और मजबूत तथा व्यापक बनाने पर सहमति जताई। यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब 2027 में भारत और मोरक्को के बीच द्विपक्षीय सहयोग की 70वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी। बैठक की सह-अध्यक्षता रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और मोरक्को की रॉयल आर्म्ड फोर्सेज के द्वितीय ब्यूरो के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल अब्देल्लाह अथमानी ने की।

अब्देल्लाह अथमानी और अमिताभ प्रसाद

रक्षा उद्योग में साझेदारी पर चर्चा

भारत और मोरक्को ने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार किया। दोनों पक्षों ने सह-उत्पादन, संयुक्त उद्यम, प्रौद्योगिकी सहयोग, रखरखाव और दीर्घकालिक औद्योगिक साझेदारी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने पर सहमति जताई। इससे दोनों देशों के रक्षा औद्योगिक संबंधों को आगे बढ़ाने का रास्ता खुल सकता है। संयुक्त रक्षा समिति की बैठक के जरिए दोनों देशों ने मौजूदा रक्षा सहयोग की समीक्षा के साथ भविष्य के सहयोग की प्राथमिकताओं पर भी चर्चा की।

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ा तनावः यूएस ने ईरान के 5 तेल टैंकर मार गिराए

तेहरान ने 2 अमेरिकी पोत और 8 तेल टैंकरों पर किया हमला

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसकी नौसेना ने फारस की खाड़ी में दो अमेरिकी पोतों और आठ तेल टैंकरों पर हमला किया है। ईरान ने इसे अमेरिकी हमले के जवाब में की गई कार्रवाई बताया है। आईआरजीसी के आधिकारिक बयान के अनुसार, उसकी नौसेना ने मंगलवार रात फारस की खाड़ी में पांच ईरानी तेल टैंकरों पर अमेरिकी हमले के जवाब में इन पोतों को निशाना बनाया और उन्हें भारी नुकसान पहुंचाया। उसकी नौसेना ने ऐसे 10 जहाजों को भी निशाना बनाया, जो अमेरिकी सेना के समर्थन और उकसावे के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक प्रतिबंधित और असुरक्षित क्षेत्र को पार करने की कोशिश कर रहे थे।

अमेरिका का ईरान के तेल टैंकर पर हमला

ईरान के विमानन क्षेत्र पर नए प्रतिबंध

मंगलवार को अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच तेल टैंकरों को तबाह कर दिया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने पिछले दो दिनों में अमेरिकी नौसैनिक जहाज को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और गश्त जारी रखी। इन हमलों में कोई अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ। इसके जवाब में अमेरिका ने पांच टैंकरों को निशाना बनाया। किविक, चार्मिनार, होराइजन-1 और रिस्को टैंकर गल्फ ऑफ ओमान में थे।

ईरान ने जॉर्डन में दागी मिसाइलें

मंगलवार को अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी पलटवार करते हुए जॉर्डन में अमेरिकी ठिकानों की ओर मिसाइलें दागीं। जॉर्डन की सेना ने बताया कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने 18 बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही रोक दिया। दो अन्य मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां कोई आबादी नहीं थी। जॉर्डन ने किसी के हताहत होने की सूचना नहीं दी है। वहीं, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कुवैत और बहरीन के पास मौजूद तेल टैंकरों को तुरंत हटने को कहा है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109